{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 06 फरवरी 2026
फाल्गुन कृष्ण 05 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 134
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	83,817.69
निफ्टी	-	25,776.00
सोना	-	1,59,440
चांदी	-	3,20,000
डॉलर	-	90.39

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

पटरी से उतरी चेन्नई सेंट्रल-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस

जाजपुर। ओडिशा के जाजपुर जिले में जाखपुरा रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार सुबह चेन्नई सेंट्रल-न्यू जलपाईगुड़ी सुपरफास्ट एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस के तीन डिब्बे जाखपुरा स्टेशन के पास पटरी से उतर गए। ट्रेन भुवनेश्वर से कोलकाता जा रही थी। हालांकि, हादसे में कोई हताहत या घायल नहीं हुआ है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। रेलवे के आलाधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। ट्रेन में शामिल कोचों को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। घटना के तुरंत बाद रेलवे लाइन के प्रभावित हिस्से पर मरम्मत का काम शुरू हो गया।

सेब के 7 लाख पेड़ बचाने के लिए रेलवे का बड़ा फैसला

श्रीनगर। रेल मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर में प्रस्तावित तीन परियोजनाओं को रोक दिया है। रेलवे ने दिसंबर 2023 में कश्मीर में तीन नई लाइनों के सर्वे को मंजूरी दी थी। ये रेल लाइनें थीं- सोपोर-कुपवाड़ा (33.7 किमी), अवंतीपोरा-शोपियां (27.6 किमी) और अनंतनाग-बिजबेहारा-पहलगाम (77.5 किमी)। हालांकि स्थानीय लोगों और सरकार की आपत्ति के बाद सर्वे रोक दिया गया है। मालूम हो, श्रीनगर से बारामूला तक एक ट्रैक मौजूद है। प्रस्तावित तीनों लाइन घाटी के प्रमुख बागवानी जिलों से गुजरने वाली थीं। इनमें शोपियां, पुलवामा, अनंतनाग शामिल हैं। किसान इसलिए विरोध कर रहे थे क्योंकि यहां ट्रैक बिछाए जाने से 7 लाख से अधिक सेब के पेड़ काटे जाते। इतनी कृषि भूमि के नुकसान से हजारों परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो जाता। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि तीन रेल प्रोजेक्ट जम्मू-कश्मीर सरकार और सांसदों की सिफारिश के बाद फिलहाल रोक दिए गए हैं, ताकि सेब के बागानों को नुकसान से बचाया जा सके।

खराब मौसम और तकनीकी गड़बड़ी बनी हादसे की वजह!

मुंबई । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जुड़े विमान हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट में अहम शुरुआती निष्कर्ष सामने आ गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, जांच में दो प्रमुख कारक सामने आए हैं जो घटना के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। विस्तृत विश्लेषण अभी जारी है। सूत्रों के अनुसार, रनवे पर कम दृश्यता के बावजूद विमान ने लैंडिंग का प्रयास किया। दृश्यता की समस्या के साथ-साथ, प्रारंभिक जांच के दौरान संदिग्ध तकनीकी खराबी सामने आई है। अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि क्या किसी सिस्टम की खराबी के कारण विमान के उतरने और लैंडिंग के दौरान उसके प्रदर्शन पर असर हुआ।

लोकसभा में पीएम की स्पीच के बिना धन्यवाद प्रस्ताव पास, 2004 के बाद ऐसा पहली बार, राज्यसभा में प्रधानमंत्री की स्पीच के दौरान विपक्ष का वॉकआउट

बिना विपक्ष गरजे मोदी !

कांग्रेस बोली- जब तक राहुल नहीं बोलेंगे, पीएम को नहीं बोलने देंगे

नई दिल्ली। बजट सत्र के 7वें दिन लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव हंगामे के बीच पास हो गया। 2004 के बाद पहली बार यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री के भाषण के बिना पास हुआ है। इससे पहले 10 जून 2004 को विपक्ष ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को धन्यवाद प्रस्ताव पर नहीं बोलने दिया था। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दिया। स्पीच के दौरान विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्षी नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी को बोलने दिया जाए, तानाशाही नहीं चलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि खड़गे जी की उम्र देखते हुए उन्हें बैठकर नारे लगाने की इजाजत दी जाए। इसके बाद विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। प्रधानमंत्री ने एक घंटा 27 मिनट भाषण दिया। उन्होंने बिना विपक्ष जोरदार हमला किया। मोदी ने कहा कि ये कौन सी मोहब्बत की दुकान है, जो मोदी की कब्र खोदने की बात करते हैं। ये सार्वजनिक जीवन की मर्यादा का अपमान नहीं है पीएम बोले- टीएमसी, कांग्रेस, लेफ्ट, डीएमके दशकों से केंद्र में सत्ता का हिस्सा रहे। उनकी पहचान क्या बनी, उनके वक्त डील के नाम पर बोफोर्स याद आता है। आज की चर्चा गौरव से होती है।

गुरुवार को लोकसभा शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी की। इस पर स्पीकर ने पहली बार 65 सेकंड के भीतर, दूसरी बार 5 मिनट में और तीसरी बार 2 मिनट में कार्यवाही स्थगित कर दी। लोकसभा 3 बजे दोबारा शुरू होगी। इस बीच कांग्रेस के लोकसभा से निलंबित सांसद मणिकम टैगोर ने कहा कि जब तक लोकसभा में राहुल गांधी को अपनी बात रखने की इजाजत नहीं दी जाती, तब तक विपक्ष पीएम नरेंद्र मोदी को सदन में बोलने नहीं देगा। राज्यसभा में भी राहुल गांधी को लोकसभा में बोलने से रोकने के मुद्दे पर हंगामा हुआ। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राहुल को पूर्व सेना प्रमुख की अप्रकाशित किताब पर नहीं बोलने दिया, मैं उसपर यहां बोलूंगा। इस पर उपसभापति ने उन्हें रोक दिया। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने खड़गे से कहा कि राहुल गांधी नियम नहीं मानते, आप उन्हें समझाते क्यों नहीं। जेपी नड्डा ने भी खड़गे से कहा कि राज्यसभा में लोकसभा का मुद्दा नहीं उठा सकते। आप कांग्रेस को अबोध बालक का बंधक न बनने दें। हंगामे के बाद विपक्षी सांसद राज्यसभा से वॉकआउट कर गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रधानमंत्री आज शाम 5 बजे राज्यसभा में भाषण दे सकते हैं।

140 करोड़ देशवासी मेरा रिमोट

राज्यसभा ममें पीएम ने कहा कि इनकी सरकार रिमोट से चलती थी। मेरी सरकार भी रिमोट से चलती है, लेकिन 140 करोड़ देशवासी मेरा रिमोट हैं। सत्ता हमारे लिए, सुख नहीं सेवा का आसन है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुद्रा योजना लाखों करोड़ों का लोन दिया, स्वरोजगार को बल दिया। कांग्रेस ने कभी स्टार्टअप कल्चर को बल नहीं दिया। ये अपने घर के स्टार्टअप को भी ठीक नहीं कर पा रहे। पीएम ने कहा- हमारी सरकार ने आज 2 लाख से ज्यादा स्टार्टअप को सपोर्ट किया। लेकिन इनके पास एक ही रास्ता है, मोदी तेरी कब्र खुदेगी।

कांग्रेस ने परिवार के लिए देश को दांव पर लगाया

पीएम ने कहा कि मोहब्बत की दुकान में जो आग भरी पड़ी है, उसका परिणाम है इसलिए ये मोदी की कब्र खोदने का नारा लेकर चल रहे हैं। कांग्रेस के शाही परिवार को देश ने दशकों तक अवसर दिया देश ने अपना भविष्य दांव पर लगाया, लेकिन आपने परिवार के लिए देश को दांव पर लगाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि लाल किले से गरीबी हटाओ का नारा लगाया गया, लेकिन गरीबी हटाने के लिए क्या किया किसी ने नहीं बताया। मैं देश के गरीबों को सलाम करता हूं, उन्होंने हमारी नीतियों पर नीयत पर भरोसा किया और अपने आप को खपाने में कोई कमी नहीं रखी।

25 करोड़ लोगों ने गरीबी को पीछे छोड़ा

पीएम ने कहा कि आज 25 करोड़ लोगों ने गरीबी को पीछे छोड़ा है। आज वे हमारे साथ चल रहे हैं। 2014 के पहले रेलवे क्रॉसिंग से स्कूल की बस जाती थीं, 20-20 बच्चों की मौत खबर आती थी। हमने सारे क्रॉसिंग बंद की इसलिए ये मोदी की कब्र खोदना चाहते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले 18 हजार गांव ऐसे थे, जिनको बिजली का मतलब नहीं पता था। हमने वहां बिजली वहां पहुंचाई इसलिए ये मोदी की कब्र खोदने के सिवाय कोई रास्ता नहीं दिखता। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले देश में बार-बार खबर आती थी सेना के पास गोला-बारूद, बुलेट फ्रूफ जैकेट नहीं है। बर्फ के बीच खड़ा है जूते तक नहीं है। हमने देश जवानों के लिए खजाने खोल दिए। इसलिए वो चाहते हैं कि कोई रास्ता बचा नहीं है और मोदी की कब्र खोदना चाहते हैं।

मोहब्बत की दुकान वाले मोदी तेरी कब्र खुदेगी के नारे लगा रहे

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैसे कांग्रेस के साथियों का हमारा विशेष प्रेम है। मुझे जो जिम्मेदारी मिली है, उसके तहत विकसित भारत की जमीन मजबूत कर रहे हैं। उसके ताकत दे रहे हैं। एक तरफ देश के युवाओं के लिए मजबूत जमीन तैयार कर रहा हूं, वहीं कांग्रेस मोदी की कब्र खोदने की तैयारी कर रही है। पीएम ने कहा कि मोहब्बत की दुकान खोलने वाले मोदी तेरी कब्र खुदेगी के नारे लगा रहे हैं। ये कौन सी दुकान है जो देश के किसी नागरिक की कब्र खोदने की बात करते हैं। ये कौन से संविधान से सीखा है, जो देश के किसी नागरिक की कब्र खोदने की बात करते हैं। मोदी ने कहा कि इसके बाद कहेंगे देखो प्रधानमंत्री राज्यसभा में रो रहा है, ये लोग किस प्रकार के संस्कार से पले बढ़े हैं। मेरे लिए अनुभव बुरा रहा है, 2002 से जब वे विपक्ष में थे, 2004 से जब वे सत्ता में थे तब से और 2014 से संसद का कोई सत्र नहीं गया जब मोदी को गाली न दी हो।

स्पीकर बोले-पीएम को लोकसभा न आने का आग्रह मैंने किया

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि बुधवार को लोकसभा में पीएम मोदी के साथ अप्रत्याशित घटना हो सकती थी। इसलिए उनकी कल शाम 5 बजे होने वाली स्पीच टालनी पड़ी। आशंका के चलते मैंने ही उनसे न आने का आग्रह किया था। दरअसल, पीएम मोदी 5 फरवरी को लोकसभा में शाम 5 बजे धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने वाले थे, लेकिन विपक्ष की महिला सांसदों के हंगामे के चलते स्पीकर संध्या राय ने कार्यवाही अगले दिन तक स्थगित कर दी। इससे पीएम नरेंद्र मोदी का संबोधन भी टल गया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि कल लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय में जो हुआ, वह सदन के इतिहास में कभी नहीं हुआ। जब सदन के नेता पीएम मोदी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जवाब देना था तो विपक्षी सांसद प्रधानमंत्री की सीट के पास पहुंचकर कोई अप्रत्याशित घटना कर सकते थे। बिरला ने कहा कि अगर ये घटना हो जाती तो लोकतंत्र की परंपरा को तार-तार हो जाती। इसको टालने के लिए मैंने पीएम से सदन में न आने का आग्रह किया। पीएम ने मेरे सुझाव को माना। बिरला ने विपक्षी सांसदों से कहा कि आप पोस्टर लेकर आएंगे तो सदन नहीं चलेगा। जिस तरह से महिला सदस्य पीएम की सीट तक पहुंचीं, उसे देश ने देखा। ये उचित नहीं था। ये सदन की गरिमा के अनुकूल भी नहीं था।

स्पीकर के पीछे छिप रहे हैं पीएम- प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी लोकसभा स्पीकर के पीछे छिप रहे हैं और उन्होंने प्रधानमंत्री को नुकसान पहुंचाने की किसी योजना के दावे को पूरी तरह से झूठ बताया। प्रियंका गांधी ने स्पीकर की इसी टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। कांग्रेस सांसद ने संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में कहा कि ये पूरी तरह से झूठ है। प्रधानमंत्री पर हाथ उठाने, उन्हें चोट पहुंचाने या ऐसी किसी भी बात का कोई सवाल ही नहीं है। किसी ने भी ऐसी कोई योजना नहीं बनाई थी। इसलिए ऐसा कहना पूरी तरह गलत है। प्रियंका ने कहा कि सरकार स्पीकर से ये सब इसलिए कहलवा रही है, क्योंकि बुधवार को प्रधानमंत्री में सदन में आने का साहस नहीं था। कांग्रेस सांसद ने स्पीकर पर हमला करते हुए कहा कि अगर आप अपने सदस्यों को किताबों के उदाहरण देने और बेतुकी बातें करने की अनुमति देंगे तो विपक्ष विरोध करेगा। मुझे खेद है, पीएम स्पीकर के पीछे छिप रहे हैं। वो स्पीकर से ये सब कहलवा रहे हैं, क्योंकि कल उनमें सदन में आने की हिम्मत नहीं थी... क्योंकि तीन महिलाएं उनकी पीठ के सामने खड़ी थीं, ये कैसी बेतुकी बात है।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को दिया जमीन वापस लेने का आदेश

आसाराम के अहमदाबाद आश्रम पर चलेगा बुलडोजर

अहमदाबाद। अहमदाबाद के मोटेरा में स्थित आसाराम का मुख्य आश्रम अब कानूनी विवादों में है। गुजरात हाईकोर्ट ने 45,000 वर्ग मीटर से अधिक की आश्रम की जमीन को राज्य सरकार के कब्जे में लेने और अवैध ढांचों को हटाने की मंजूरी दे दी है। इस आश्रम की जगह अब 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेगा। वर्तमान में इस जमीन की मार्केट वैल्यू 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की है।

गुजरात हाईकोर्ट की जस्टिस वैभवी नानावती ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए राज्य सरकार को जमीन वापस लेने की अनुमति दी. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि विकास परियोजना की आवश्यकता और नियमों के उल्लंघन को देखते हुए सरकारी कार्रवाई उचित है. इस फैसले के बाद अहमदाबाद नगर निगम किसी भी समय अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर सकता है।

32 अवैध यूनिट स्थापित हो थीं आश्रम में

मिली जानकारी के अनुसार मोटेरा स्थित आश्रम परिसर में करीब 32 अवैध यूनिट स्थापित की गई थीं। प्रशासन को जांच के दौरान पता चला कि इन इकाइयों का इस्तेमाल व्यावसायिक गतिविधियों और अनधिकृत निर्माण के लिए किया जा रहा था। नियमों के उल्लंघन और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के आरोपों के चलते कलेक्टर कार्यालय की ओर से नोटिस जारी किया गया था। अहमदाबाद में साबरमती नदी किनारे इस आश्रम की स्थापना आसाराम ने 1972 में की थी। आसाराम ने यहां सबसे पहले एक कुटिया बनाई थी, जिसे मोक्ष कुटिया के रूप में पहचाना जाता था। धीरे-धीरे इसी कुटिया के आसपास निर्माण कार्य होता चला गया और बाद में इसे आसाराम मोटेरा आश्रम के नाम से पहचाना जाने लगा। राज्य अधिकारियों ने अदालत के सामने ठोस आधार प्रस्तुत किया था कि दशकों पहले सीमित धार्मिक उपयोग के यह भूमि आवंटित की गई थी। लेकिन, धीरे-धीरे आश्रम का दायरा कानूनी सीमा से काफी बाहर निकल गया था।

आसाराम दो मामला में गुनाहगार हैं। आसाराम को जोधपुर पुलिस ने इंदौर के आश्रम से साल 2013 में गिरफ्तार किया था। इसके बाद से आसाराम जेल में बंद था। पांच साल तक लंबी सुनवाई के बाद 25 अप्रैल 2018 को कोर्ट ने आसाराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। वहीं आसाराम के खिलाफ गुजरात के गांधीनगर में आश्रम की एक महिला ने रेप का मामला दर्ज करवाया था। कोर्ट ने 31 जनवरी 2023 को इस मामले में आसाराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

अनुराग ठाकुर पर लगा बैन हटा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई से जुड़े एक मामले में पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष अनुराग ठाकुर को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने 2017 के अपने उस आदेश में संशोधन कर दिया है, जिसमें अनुराग ठाकुर को बीसीसीआई के किसी भी कामकाज से जुड़े रहने से मना किया गया था।यह फैसला बीसीसीआई से संबंधित लंबे समय से चल रहे मामले में आया है। जनवरी 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने अनुराग ठाकुर को 'सीज एंड डेसिस्ट' का आदेश दिया था, जिसके तहत उन्हें बोर्ड के मामलों में भाग लेने से रोका गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2017 में अनुराग ठाकुर को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष पद से हटा दिया था। इस आदेश के साथ ही उन पर अवमानना और झूठी गवाही के मामले भी शुरू किए गए थे, हालांकि बाद में 2017 में ही कुछ राहत मिली थी। हालांकि, अब कोर्ट ने अपना फैसला बदल लिया है। कोर्ट ने ये भी साफ किया है कि अनुराग ठाकुर अब बीसीसीआई केरूल्स एंड रेगुलेशन के मुताबिक बोर्ड के कार्यों, बैठकों और बाकी मामलों में हिस्सा ले सकते हैं। इससे पुराना बैन पूरी तरह खत्म हो गया है।

टायर प्लांट में ब्लास्ट...8 मजदूर झुलसे

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया स्थित मंगल कार्बन प्लांट में टायर गलाने के दौरान जोरदार ब्लास्ट हो गया। जिसकी चपेट में आने से 8 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों में एक 9 महीने की मासूम भी शामिल है। घटना खरसिया थाना इलाके के बानीपाथर की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विस्फोट इतना तेज था कि आसपास काम कर रहे लोग आग और गर्म गैस की चपेट में आ गए। सभी घायलों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, कई मरीज 70 से 80 प्रतिशत तक झुलसे हुए हैं, जिससे उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। मंगल कार्बन प्लांट में पुराने टायर पिघलाकर सड़क बनाने के लिए ऑयल तैयार किया जाता था।

कुछ ना कहना

खिलिया मुठिया में लग रहे ऑटो स्टेण्ड हटाने की तैयारी!!

बस स्टैंड विस्तारीकरण के लिए हटाया जा रहा ऑटो स्टैंड, ऑटो चालकों ने जताया विरोध!!

कहा-बस मालिकों के कहने पर ऑटो चालकों को किया जा रहा परेशान, कलेक्ट्रेट में सौपा ज्ञापन, ऑटो स्टैंड यथावत रखने की मांग

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज़। बालाघाट।

बस स्टैंड बालाघाट के विस्तारीकरण का हवाला देते हुए यातायात थाना प्रभारी द्वारा बस स्टैंड खिलिया मुखिया के सामने लगने वाले ऑटो स्टैंड को हटाकर न्यायालय के बाजूवाली भूमि पर ऑटो स्टैंड लगाने के निर्देश दिए हैं।जिनके इस निर्देश से ऑटो चालक काफी परेशान है, जिन्होंने यातायात थाना प्रभारी से मिले इन निर्देशों का विरोध करते हुए गुरुवार को जमकर हंगामा मचाया,तो वही उन्होंने बस मालिकों के इशारे पर उनका ऑटो स्टैंड हटाए जाने का आरोप लगाते हुए गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन भी सौपा है। जहां सौपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने बस स्टैंड खिलिया मुठिया मंदिर के सामने वाली भूमि पर लगने वाले ऑटो स्टैंड को कहीं और विस्थापित न किए जाने की गुहार लगाई है।उक्त जिन्होंने ऑटो स्टैंड को यथावत रखने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए स्पष्ट कर दिया कि यदि बस स्टैंड परिसर में लगने वाले ऑटो स्टैंड को हटाया जाता है, तो इसका पुरजोर विरोध करते हुए चरणबद्ध आंदोलन करेंगे तो वहीं उन्होंने इसके विरोध में समस्त ऑटो चालको के साथ सामुहिक रूप से अपनी अपनी ऑटो की चाबी जिला प्रशासन को सौंपकर,सड़कों पर उतरकर आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

आज तक नही दी गई स्थाई जगह, हर बार हमपर ही होती है कार्यवाही

आटो चालको ने बताया कि आटो चलाना ही उनका व्यवसाय है। जिससे हम अपना परिवार का पालन पोषण करते है विगत कई वर्षो से आटो स्टेण्ड भारत बैटरी के पास खिलिया मुठिया की भूमि पर है, जहां से बस स्टेण्ड लगा हुआ है, बस स्टेण्ड से लगे होने के कारण, सवारी अथवा सामान ढोने का कार्य मिलते रहता है, जिससे हम अपने परिवार का पालन पोषण करते है, लेकिन 5 फरवरी को यातायात प्रभारी के द्वारा मौखिक रूप से ऑटो स्टैंड का स्थान परिवर्तन किए जाने के निर्देश दिए गए।जिंसमे कहा गया कि आटो स्टैंड को बस स्टेण्ड से हटाकर पदमेश कार्यालय के निकट रिक्त भूमि पर लगाया जाए। उन्होंने बताया कि आज तक हमें ऑटो स्टैंड के लिए स्थाई जगह नहीं दी गई है, बस स्टैंड से ही हमारा व्यवसाय जुड़ा हुआ है हमेशा व्यवस्था के नाम पर ऑटो चालकों को इधर से उधर किया जाता है। जब भी कोई अधिकारी आता है वह सबसे पहले ऑटो स्टैंड को इधर से उधर करता है और ना मानने पर हम पर ही कार्यवाही होती है।हम नहीं चाहते कि यहां से ऑटो स्टैंड को कहीं और परिवर्तित किया जाए।

आटो चालको के साथ साथ यात्रियों को भी होंगी परेशानी

आटो चालको ने बताया कि यदि बस स्टेण्ड से आटो स्टेण्ड प्रथक स्थान पर परिवर्तन किये जाते है, तो इससे व्यवसाय प्रभावित होगा, जिससे काम नही मिलेगा और भूखे मरने के हालात उत्पन्न होगें।इसके अलावा बाहर से आये यात्रीगण भी प्रभावित होगें।जिन्हे अन्यत्र स्थानों के लिए आने जाने में परेशनियाँ होगी।उन्होंने बताया कि बस स्टेण्ड से आटो स्टेण्ड लगे होने से यात्रीगण को आटो खोजने में सुविधा होती है, बस से उतरते ही आटो उपलब्ध हो जाती है।हमारी मांग है कि आटो स्टेण्ड का स्थान परिवर्तित ना किया जाए, ऑटो स्टेण्ड को यथावत रखा जाए, ताकि सभी को सुविधा भी मिले और सबकी रोजीरोटी भी चलती रहे।

बस मालिको के इशारे पर हटाया जा रहा आटो स्टैंड- सूरज

चर्चा के दौरान आम आदमी मीडिया प्रभारी सूरज सोनवाने ने बताया कि बस स्टैंड के समीप खिलिया मुठिया भूमि पर संचालित हो रहे ऑटो स्टैंड को यथावत रखने की मांग को लेकर आज समस्त ऑटो चालको ने कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौपा है। क्योंकी बस स्टैंड से ही ऑटो चलकर ही हम लोग अपना जीवन यापन करते हैं, लेकिन आज तक हमें बस स्टैंड में कोई स्थाई जगह नहीं दी गई है जब भी कोई अधिकारी बस स्टैंड आता है तो सबसे पहले ऑटो स्टैंड को ही हटता है, ऐसा नहीं होना चाहिए। इसकी असली वजह शहर में बसों की संख्या अधिक होना है, बस वालों के कहने पर प्रशासन इस तरह के निर्देश दे रहा है।वही बस मालिक के पास बस खड़ी करने की जगह नहीं है,वे बस स्टैंड में ही आड़ी तिरछी बसों को खड़ा करते हैं, जिससे व्यवस्था बिगड़ती है बस स्टैंड में ही बस को सुधारने का कार्य, बसो की धुलाई, ऑईलिंग ग्रीसिंग का काम करते हैं इसीलिए उनके पास जगह नहीं है। उन्हीं की इशारों पर प्रशासन द्वारा ऐसा निर्देश दिए जाते है।जिसका हम विरोध करते हैं यदि हमारी मांग पूरी नहीं हुई तो समस्त ऑटो चालक जिला प्रशासन को अपने ऑटो की चाबी सौपकर आंदोलन करेंगे

तो होंगे चरणबद्ध आंदोलन- नकी शेख

ऑटो चालक संघ अध्यक्ष एवं एमआईएम पूर्व जिला अध्यक्ष नकी शेख ने बताया कि यातायात थाना प्रभारी मैडम से निर्देश मिले है जिसमें गौठान की भूमि पर लगने वाल वाले ऑटो स्टैंड को हटाकर ऑटो स्टैंड कहीं और शिफ्ट किए जाने की बात कही गई है जो की पूरी तरह से गलत है। जबकि बस स्टैंड के समीप ऑटो स्टैंड लगने से किसी को कोई परेशानी नहीं है लेकिन सबसे अधिक तकलीफ बस मालिकों को हो रही है, क्योंकि उनके पास में बस खड़ी रखने की जगह नहीं है।उनके द्वारा बसों की धुलाई व अन्य मरम्मत का कार्य भी किया जाता है उनके चक्कर में हमें स्टैंड खाली करने कहा गया है लेकिन हम ऐसा नहीं करेंगे, यदि ऐसा हुआ तो 40 से 50 ऑटो चालक बेरोजगार हो जाएंगे जिसके चलते हम अपने ऑटो की चाबी जिला प्रशासन को सौंप देंगे और इसी खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

समाज को एकजुट करने की दिशा में ब्राह्मण समाज की पहल

ब्राह्मण प्रीमियम लीग का आज से शुभारंभ

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। खेल के माध्यम से समाज को आपस में जोड़ने और युवाओं को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से बालाघाट जिले में विभिन्न समाजों द्वारा प्रीमियम लीग क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में अब ब्राह्मण समाज का नाम भी जुड़ गया है। ब्राह्मण समाज द्वारा युवाओं को संगठित करने के उद्देश्य से ब्राह्मण प्रीमियम लीग का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में ब्राह्मण समाज के पदाधिकारी मोनू पांडे, विनोद शर्मा और शिवम शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि ब्राह्मण प्रीमियम लीग का शुभारंभ 6 फरवरी से मयूर टॉकीज के सामने स्थित स्काई टर्फ मैदान में किया जाएगा। यह प्रतियोगिता रात्रिकालीन होगी, जिसमें समाज के युवा खिलाड़ी उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि इस

प्रतियोगिता में ब्राह्मण समाज की कुल 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें त्रिशूल टाइटंस, बजरंग टाइगर्स, सुदर्शन वारियर्स, एलीट ब्राह्मण्स और नरसिंहा लॉयंस शामिल हैं। प्रतियोगिता के तहत प्रत्येक टीम के बीच पांच-पांच मैच खेले जाएंगे। सभी लीग मैच सात-सात ओवर के होंगे। आयोजकों के अनुसार, प्रतियोगिता का सेमीफाइनल मुकाबला आठ ओवर का खेला जाएगा, जबकि फाइनल मुकाबला दस ओवर का होगा। प्रतियोगिता का रोमांचक फाइनल मैच 8 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी और समाजजन उपस्थित रहेंगे, जो खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे। आयोजकों ने बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य खेल भावना के साथ समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करना है। इस अवसर पर प्रतियोगिता की जानकारी देते समय आकाश मिश्रा, प्रतीक शर्मा, श्रेयांश शुक्ला, शुभम मिश्रा, रुद्राक्ष मिश्रा, विक्रम त्रिवेदी, हर्ष शर्मा सहित अन्य समाजजन एवं युवा खिलाड़ी मौजूद रहे।

नदीम कुरैशी बने मध्यप्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक के प्रदेश महामंत्री

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग में संगठनात्मक विस्तार के तहत महत्वपूर्ण नियुक्ति की गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतु पटवारी की अनुशंसा एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जनाब इमरान प्रतापगढ़ी के आदेशानुसार, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रभारी जनाब निजामुद्दीन कुरैशी की सहमति से नदीम कुरैशी को प्रदेश महामंत्री अल्पसंख्यक विभाग में नियुक्त किया गया है। नियुक्ति आदेश में आशा व्यक्त की गई है कि नव नियुक्त प्रदेश महामंत्री नदीम कुरैशी कांग्रेस पार्टी की विचारधारा, रीति-नीति एवं सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त एवं मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। साथ ही उन्हें अपने कार्यों एवं संगठनात्मक गतिविधियों से संबंधित रिपोर्ट राष्ट्रीय अध्यक्ष जनाब इमरान प्रतापगढ़ी, प्रभारी निजामुद्दीन कुरैशी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग को प्रेषित करने के निर्देश दिए गए हैं। नदीम कुरैशी की इस नियुक्ति से उनके समर्थकों, सहयोगियों एवं शुभचिंतकों में खुशी की लहर देखी जा रही है। जगह-जगह उन्हें बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी जा रही हैं। इस अवसर पर नदीम कुरैशी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जो जिम्मेदारी उन पर सौंपी है, उसे वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से निभाएंगे तथा अल्पसंख्यक समाज को संगठन से जोड़ते हुए पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत हिर्री
वि.ख. किरनापुर, तह. किरनापुर, जिला-बालाघाट

क्रं./क्यू/२०२६/०५/०२/२०२६ — दिनांक-०४-०२-२०२६

बाजार नीलामी सूचना

आम जनता को सूचना दी जाती है कि ग्राम पंचायत हिर्री के अंतर्गत लगने वाले साप्ताहिक बैठकी मवेशी बाजार हिर्री तथा साप्ताहिक दो पहिया/चार पहिया वाहन स्टेण्ड बाजार हिर्री की नीलामी/ठेका वर्ष २०२६-२७ अर्थात ०१ अप्रैल २०२६ से ३१ मार्च २०२७ तक के लिये दिनांक २०/०२/२०२६ दिन शुक्रवार को ग्राम पंचायत भवन हिर्री में ०१ बजे से किया जावेगा। अपरिहार्य कारणों से बाजार उक्त दिनांक को नीलाम न होने की दशा में दिनांक २७/०२/२०२६ दिन शुक्रवार तथा ०२/०३/२०२६ दिन सोमवार को किया जावेगा। नीलामी की शर्ते ग्राम पंचायत पटल पर चस्पा कर दी गई है।

नीलामी	फीस का प्रकार	बाजार दिन	अमानत राशि (बोली लगाने हेतु)
ग्राम पंचायत भवन हिर्री	1. साप्ताहिक बैठकी मवेशी बाजार हिर्री	मंगलवार	**7,52,500.00**
	2. साप्ताहिक दो पहिया/चार पहिया वाहन स्टेण्ड बाजार हिर्री	मंगलवार	**1,02,500.00**

टीप-
१. अमानत राशि जमा करने का समय ११ बजे से १ बजे तक रहेगा।
२. बाजार नीलामी की कार्यवाही म.प्र. ग्राम पंचायती राज एवं स्वराज अधिनियम १९९३ की धारा ८० के अध्यधीन रहते ठेका नीलाम किया जावेगा।

बबलू मेश्राम
सचिव

श्रीमती विनीता पाराशर
सरपंच

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत हिर्री

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में भारतीय निर्वाचन व्यवस्था पर व्याख्यान का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, बालाघाट में दिनांक 05 फरवरी 2026 को महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर के कुशल मार्गदर्शन में राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ. श्वेता मोर द्वारा किया गया। इस अवसर पर महर्षि विद्या मंदिर की विषय विशेषज्ञ श्रीमती अनुपमा गौतम ने भारतीय निर्वाचन व्यवस्था एवं प्रणाली विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने सर्वप्रथम स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने वाली संवैधानिक संस्था भारतीय निर्वाचन आयोग के संगठन, दायित्वों एवं अधिकारों की जानकारी छात्राओं को दी। तत्पश्चात भारत में संघ, राज्य एवं पंचायत स्तर पर संचालित निर्वाचन प्रक्रिया को सरल शब्दों में समझाया। श्रीमती गौतम ने बताया कि निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है, जिसके पश्चात नामांकन, नाम वापसी, चुनाव प्रचार एवं मतदान की प्रक्रिया संपन्न होती है। उन्होंने ईवीएम एवं वीवीपैट की कार्यप्रणाली की भी विस्तार से जानकारी दी तथा मतदान के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। व्याख्यान के दौरान छात्राओं ने कालेजियम प्रणाली से संबंधित प्रश्न भी पूछे, जिनका समाधान करते हुए विषय विशेषज्ञ द्वारा कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के संबंधों को शक्ति पृथक्करण सिद्धांत के संदर्भ में स्पष्ट किया गया तथा कालेजियम व्यवस्था की संपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. स्वाति खोब्रागड़े, डॉ. मणिका चौबे एवं नेटवर्क एडमिन मोहित लांजेवार का विशेष योगदान रहा। छात्राओं ने कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया।

नाबालिग से अश्लील हरकत के मामले में आरोपी को तीन वर्ष का कठोर कारावास

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। नाबालिग बालिका के साथ बुरी नीयत से छेड़छाड़ करने के प्रकरण में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत गठित विशेष न्यायालय, वारासिवनी की माननीय विशेष न्यायाधीश श्रीमती कविता इनवाती ने आरोपी को दोषसिद्ध पाते हुए तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। प्रकरण में अभियुक्त विकेश नान्हे पिता सहेशराम नान्हे 23 वर्ष ग्राम मुरझड़, थाना खैरलांजी निवासी है। जिसे एक हजार रुपयेअर्थ लदंड से भी दंडित किया गया है। अभियोजन के अनुसार, घटना 31 मार्च 2023 की है। पीड़ित नाबालिग बालिका अपने मोहल्ले में आयोजित एक रिश्तेदार की शादी के रिसेप्शन कार्यक्रम में अपनी सहेली के साथ गई थी। रात्रि के समय भोजन हेतु पंडाल की ओर जाते समय आरोपी ने बालिका को रोककर उसके साथ बुरी नीयत से छेड़छाड़ की तथा आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए अशोभनीय टिप्पणियां कीं। आरोपी की इस हरकत से भयभीत होकर बालिका वहां से भागी और अपनी सहेली को घटना की जानकारी दी। तत्पश्चात आरोपी मौके से फरार हो गया।कुछ समय बाद बालिका के माता-पिता घटनास्थल पर पहुंचे, जिन्हें पीड़िता ने संपूर्ण घटना से अवगत कराया। इसके पश्चात पीड़िता की शिकायत पर थाना खैरलांजी में आरोपी के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 354(क)(1)(i) तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 7/8 के अंतर्गतअपराध पंजीबद्ध किया गया था विवेचना पूर्ण होने के उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने विचारण के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों एवं गवाहों के कथनों के आधार पर आरोपी को दोषी मानते हुए उक्त सजा से दंडित किया। न्यायालय का यह निर्णय नाबालिगों के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश के रूप में देखा जा रहा है। जिससे समाज में कानून के प्रति भय एवं पीड़ितों को न्याय मिलने का विश्वास सुदृढ़ होगा।प्रकरण में जिला लोक अभियोजन अधिकारी कपिल कुमार डेहरिया के मार्गदर्शन में अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक एवं सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी, वारासिवनी ऋतुराज कुमरे द्वारा प्रभावी पैरवी की गई।

आवश्यकता है
दो छोटे बच्चों की देखरेख करने और घरेलू कार्य करने के लिये युवती की आवश्यकता है
आकर्षक वेतनमान
6269524236
9009712121

आवश्यकता है
दवा दुकान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता हे
योग्यता- 10वीं पास
पार्ट टाईम जॉब वाले संपर्क न करें।
वेतन-योग्यतानुसार
कार्य सीखे व्यक्ति को प्राथमिकता
संपर्क-9340308019

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

चौपहिया वाहन मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार

घायल एक युवक जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। वारासिवनी थाना अंतर्गत लालबर्रा रोड पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग के पास चौपहिया वाहन मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गया। इस सड़क दुर्घटना में चौपहिया वाहन की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार दो युवक घायल हो गए। जिनमें अत्यधिक चोट लगने से घायल युवक आरजू पिता देवेंद्र कोहरे 19 वर्ष ग्राम तुमाड़ी थाना वारासिवनी निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरजू कोहरे अपने माता-पिता का इकलौता बेटा है और वह अपने परिवार के साथ खेती किसानी के अलावा मजदूरी भी करता है साथ ही टाइल्स लगाने का भी काम करता है। 4 फरवरी की रात्रि 10ः00 बजे करीब आरजू कोहरे अपने साथी अंकित चौधरी के साथ मोटरसाइकिल में अपने गांव तुमाड़ी से वारासिवनी जा रहा था। वारासिवनी समीप लालबर्रा रोड पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग के पास तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ रही कोई चौपहिया वाहन मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार हो गया। चौपहिया वाहन की ठोकर से आरजू कोहरे और उसका साथी अंकित चौधरी घायल हो गए ।हालांकि इस दुर्घटना में अंकित चौधरी को मामूली चोटे आई थी। दोनों युवक अपने गांव पहुंचे और माता-पिता से डांट फटकार लगाने के के कारण सीधे घर नहीं पहुंचे ।रात्रि 2ः00 बजे आरजू कोहरे अपने घर पहुंचा। घर वालों ने उसकी हालत में देखें और पूछताछ करने के बाद 5 फरवरी को आरजू कोहरे को उसके परिवार वालों ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

नाउम्मीद माँ-बहन को मिला उम्मीदों...खुशियों का गुलदस्ता; कल अपनी दहलीज चुमेगा प्रसन्नजीत

पाकिस्तान की जेल से रिहा होकर प्रसन्नजीत रंगारी वापस लौट रहा महकेपार कटंगी, 7 फरवरी तक पहुंचने की संभावना

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज़। बालाघाट।

पाकिस्तान की जेल से रिहा हुए बालाघाट जिले के वारासिवनी क्षेत्र निवासी प्रसन्नजीत रंगारी की घर वापसी की प्रक्रिया अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। लंबे समय बाद आज़ादी की सांस ले चुके प्रसन्नजीत को उनके घर लाने की दिशा में जिला प्रशासन और परिजनों द्वारा बराबर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रसन्नजीत को लेने के लिए उनके परिजन एवं बालाघाट जिला प्रशासन का एक दल 3 फरवरी की शाम लगभग 4 बजे कटंगी से अमृतसर के लिए रवाना हुआ था। अमृतसर पहुंचने के बाद दल ने सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण कर प्रसन्नजीत को सुरक्षित रूप से रिसीव कर लिया है। सूत्रों की मानें तो सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद प्रसन्नजीत के 7 फरवरी तक अपने गृह नगर वारासिवनी पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। प्रसन्नजीत की रिहाई और घर लौटने की खबर से उनके परिवारजनों सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

31 जनवरी को पाकिस्तान की जेल से रिहा किए गए सात भारतीय नागरिकों में शामिल बालाघाट जिले के खैरलांजी निवासी प्रसन्नजीत रंगारी अब अपने घर लौटने वाले हैं। वर्षों के इंतजार, संघर्ष और पीड़ा के बाद वह क्षण अब बेहद करीब है, जब प्रसन्नजीत अपने परिवार से दोबारा मिल पाएंगे। प्रसन्नजीत की रिहाई के पीछे उनकी बहन संघमित्रा का अथक संघर्ष रहा। संघमित्रा ने अपने भाई की रिहाई के लिए जिला प्रशासन से लेकर राज्य और केंद्र सरकार तक लगातार आवेदन, निवेदन और प्रयास किए। आखिरकार 31 जनवरी को पाकिस्तान सरकार द्वारा भारतीय कैदियों की रिहाई के तहत प्रसन्नजीत को भी आज़ादी मिली। प्रारंभ में प्रसन्नजीत को ट्रेन के माध्यम से बालाघाट लाने की योजना थी, लेकिन रिजर्वेशन उपलब्ध नहीं हो पाने के कारण यह संभव नहीं हो सका। इसके बाद बालाघाट कलेक्टर श्री मीना के निर्देशन में प्रसन्नजीत को सुरक्षित रूप से घर लाने के लिए एक शासकीय वाहन की व्यवस्था की गई। इस वाहन में महकेपार पुलिस चौकी का एक पुलिसकर्मी , ग्राम मोहगांव का रोजगार सहायक, महकेपार का रोजगार सहायक तथा प्रसन्नजीत के जीजा राजेश खोबरागड़े शामिल थे। प्रशासनिक दल 3 फरवरी को शाम 4 बजे अमृतसर के लिए रवाना हुआ और 4 फरवरी की रात लगभग 9ः30 बजे अमृतसर पहुंचा। आवश्यक औपचारिकताओं और लगभग एक घंटे की कार्रवाई के बाद प्रशासनिक दल एवं परिजनों ने प्रसन्नजीत को सुरक्षित रूप से रिसीव किया। अमृतसर की स्थानीय पुलिस ने 4 फरवरी को उनके रुकने की संपूर्ण व्यवस्था की। 5 फरवरी को प्रसन्नजीत प्रशासनिक दल और परिजनों के साथ अमृतसर के स्वर्ण मंदिर और गुरुद्वारे पहुंचे, जहां उन्होंने माथा टेका और गुरुद्वारे में लंगर प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद 5 फरवरी की दोपहर सभी लोग प्रसन्नजीत के साथ बालाघाट के लिए रवाना हो गए। इस दौरान प्रसन्नजीत ने अपनी मां लक्ष्मीबाई से दूरभाष पर बात की और कहा, मैं ठीक हूं, घर आ रहा हूं, मां का ख्याल रखना। यह बातचीत सुनकर परिजन भावुक हो उठे। समाचार लिखे जाने तक प्रशासनिक दल प्रसन्नजीत को लेकर दिल्ली तक पहुंच चुका था। संभावना जताई जा रही है कि 7 फरवरी को प्रसन्नजीत अपने गृह ग्राम खैरलांजी पहुंच जाएंगे।

मां आज भी नहीं मानती कि बेटा पाकिस्तान की जेल में रहा

प्रसन्नजीत की बहन संघमित्रा बताती हैं कि उनकी मां लक्ष्मीबाई आज भी इस सच्चाई को स्वीकार नहीं कर पा रही हैं कि उनका बेटा भूलवश और मानसिक स्थिति खराब होने के कारण पाकिस्तान पहुंच गया था और वहां जेल में रहा। लक्ष्मीबाई का आज भी यही विश्वास है कि उनका बेटा जबलपुर में पढ़ाई कर रहा है। कई बार लक्ष्मीबाई अपनी बेटी से कहती हैं कि उन्हें जबलपुर ले चलो, क्योंकि उनका बेटा वहीं पढ़ता है और वह उससे मिलना चाहती हैं। संघमित्रा का कहना है कि मां की पूरी दुनिया आज भी प्रसन्नजीत के इर्द-गिर्द ही घूमती है। उन्हें लगता है कि मां आज भी बेटे से उतना ही नहीं, बल्कि उससे भी अधिक प्यार करती हैं।

बोर्ड परीक्षाओं की गोपनीय सामग्रियों का वितरण आज से

दो दिनों तक परीक्षा सामग्रियों का किया जाएगा वितरण, 5-5 विकासखंडो को प्रदान किए जाएगे प्रश्नपत्र और उत्तरपुस्तिकाए, जिले में 39,173 परीक्षार्थी देंगे बोर्ड परीक्षा

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं की गोपनीय सामग्री का वितरण 6 जनवरी से जिले में प्रारंभ हो जाएगा। दो दिनो तक चलने वाले गोपनीय परीक्षा सामग्री वितरण, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय स्कूल से किया जाएगा। जिसमें पहले दिन जिले के बैहर, बिरसा, परसवाड़ा, लांजी और कटंगी के 69 परीक्षा केन्द्रो के केन्द्राध्यक्ष और सहायक केन्द्राध्यक्ष को गोपनीय सामग्री प्रदान की जाएगी। जबकि 7 फरवरी को बालाघाट, वारासिवनी, खैरलांजी, किरनापुर और लालबर्रा विकासखंड के 63 केन्द्रो को गोपनीय सामग्री का वितरण किया जाएगा।आपको बताए कि इस वर्ष हायर सेकेंडरी और हाईस्कूल बोर्ड परीक्षाओ में जिले के 39173 परीक्षार्थी शामिल हो रहे है।

12वीं की 10 से तो 10वीं की 13 फरवरी से शुरू होंगी परीक्षा

जिला शिक्षा विभाग से मिली जानकारी अनुसार संशोधित कार्यक्रम अनुसार 12 वीं बोर्ड की परीक्षा 10 फरवरी से प्रारंभ होकर 7 मार्च तक चलेगी। जबकि कक्षा दसवीं की परीक्षा 13 फरवरी से प्रारंभ होकर 6 मार्च तक होगी। इस वर्ष जिले में कक्षा दसवी में 21682 और कक्षा 12 वीं में 17491 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिनके लिए 132 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। जहां सभी 132 परीक्षा केन्द्रो में हाईस्कूल की परीक्षाएं होंगी। वहीं 118 परीक्षा केन्द्रो में 12 वीं की परीक्षाएं आयोजित की जाएगी। इन परीक्षार्थियो में स्वाध्यायी परीक्षार्थी कक्षा दसवी में 1154 और 12 वीं में 863 है, जिनके लिए संदीपनी स्कूल बालाघाट और महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय को केन्द्र बनाया गया है। जिसे बोर्ड ने संवेदनशील केंद्र माना है।

नकल रोकने 21 फ्लाईंग स्कॉट का गठन

केन्द्रो में नकल रोकने के लिए प्रशासनिक और शिक्षा विभाग की ओर से फ्लाईंग स्कॉट टीम का गठन किया गया है। जिसमें प्रशासनिक टीम में एसडीएम और तहसीलदार के 10, शिक्षा विभाग और जनजातीय विभाग के 10 और एक जिला स्तर का फ्लाईंग स्कॉट होगा। इस तरह 21 फ्लाईंग स्कॉट की टीम केन्द्रो का निरीक्षण कर परीक्षा के संचालन और नकल पर नजर रखेगी।

प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक करेंगे ड्यूटी

बोर्ड के आदेशानुसार, इस वर्ष शासकीय शिक्षकों की ही ड्यूटी लगाई जाएगी। जिसमें प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को ही ड्यूटी में रखा जाएगा।

पुलिस सुरक्षा में केन्द्र में पहुंचेगे प्रश्नपत्र

शुक्रवार को उत्कृष्ट विद्यालय से गोपनीय सामग्री का वितरण, परीक्षा केन्द्रो को किया जाएगा। गोपनीय सामग्री बस के माध्यम से पुलिस सुरक्षा में थाने पहुंचेगी। जहां परीक्षा केन्द्रो से संबंधित थानो में गोपनीय सामग्री को पुलिस सुरक्षा में रखा जाएगा। जिसके बाद परीक्षा के दिन, विषयों के प्रश्नपत्रों को कलेक्टर प्रतिनिधि और केन्द्राध्यक्ष थाने से लेकर परीक्षा केन्द्र पहुंचेंगे।

सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल की मौत

कटंगी थाने के सिवनी रोड में हुआ सड़क हादसा

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। कटंगी थाना अंतर्गत सिवनी रोड ग्राम खमरिया के पास एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक शिवप्रसाद पिता मुन्नेलाल बाहेश्वर 58 वर्ष ग्राम सजनवाड़ा थाना अरी जिला सिवनी निवासी है। 4 फरवरी की शाम 5 बजे करीब या सड़क दुर्घटना उसे समय हुई जब यह व्यक्ति अपने घर से पैदल ग्राम बनेरा कटंगी जाने निकला था। जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवप्रसाद अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में दो बेटे और एक बेटी है। सभी की शादी हो चुकी है।

4 फरवरी की शाम 5 बजे शिवप्रसाद अपने घर से ग्राम बनेरा अपने रिश्तेदार के घर जाने निकला था। इसी दौरान ग्राम खमरिया के पास कोई अज्ञात वाहन शिवप्रसाद को ठोस मार कर फरार हो गया। इस सड़क दुर्घटना में शिव प्रसाद गंभीर रूप से घायल बेहोश हो गया था। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 112 से गंभीर रूप से घायल शिवप्रसाद को कटंगी के अस्पताल ले जाकर भर्ती किया गया था। खबर मिलते ही उसके परिवार के लोग भी कटंगी अस्पताल पहुंच चुके थे। कटंगी के अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद शिव प्रसाद को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। रात्रि 11 बजे करीब शिवप्रसाद को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। जहां उपचार के दौरान रात्रि 1ः00 बजे करीब उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने रात्रि में मृतक शिवप्रसाद का शव अपने कब्जे में लेकर जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए । 5 फरवरी को सुबह जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक शिव प्रसाद का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना कटंगी भिजवा दी है।

वक्फ की प्रबंध कमेटियों की आय का 50 प्रतिशत होगा शिक्षा पर खर्च

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। मुस्लिम समाज के आर्थिक रूप से कमजोर बालक, बालिकाओं को उनकी पढ़ाई और प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए स्कॉलरशिप दी जाएगी ।दरअसल, मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड भोपाल के आदेशानुसार, अब वक्फ की प्रबंध कमेटियों की आय का 50 प्रतिशत शिक्षा पर व्यय किया जाएगा। जिसमें पढ़ो पढ़ाओ एवं मुल्क की तरक्की में भागीदार बनो योजना से 11 वीं, 12 वीं और प्रतियोगिता परीक्षा या नीट की तैयारी के लिए हर वित्तिय वर्ष में राशि प्रदान की जाएगी। जिसमें 11 वीं में 10 हजार, बारहवीं में 15 हजार और प्रतियोगिता या नीट की तैयारी के लिए 25 हजार रूपए की राशि प्रदान की जाएगी। जिसमें छात्र, छात्राओं के लिए पात्रता मापदंड निर्धारित किए गए है। जिसमें मूल निवासी, कक्षा में दाखिला और आर्थिक रूप से कमजोर को ही यह स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी।

पांच सदस्य कमेटी लेकर फैसला

बताया गया कि इसके लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है ।जो तय करेंगे की, किस गरीब मुस्लिम के छात्र, छात्राओं को स्कॉलरशीप प्रदान की जाए। मुस्लिम समाज के आर्थिक रूप से कमजोर, छात्र, छात्राओं की पढ़ाई के लिए यह योजना मील के पत्थर के रूप में देखी जा रही है। जिसमें पूरी प्रक्रिया और दस्तावेजो के साथ ही पारदर्शिता पूर्ण तरीके से नामों का चयन किया जाएगा ।इसका कार्यालय अंजुमन उर्दू स्कूल जामा मस्जिद चौक बालाघाट रखा गया है ।वही आवेदन की अंतिम तारीख 13 फरवरी रखी गई है ।जिसकी तमाम जानकारी अंजुमन इस्लामिया समिति बालाघाट पदाधिकारियो द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई है ।जिन्होंने छात्रवृत्ति हेतु आवेदन फार्म एवं विस्तृत जानकारी मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा बनाये गये जिला इकाई कार्यालय अंजुमन ऊर्दू स्कूल मे सुबह 9 से 2 बजे तक प्राप्त कर 13 फरवरी तक आवेदन जमा करने की अपील की है।

कटंगी थाने के नांदी मोहगांव में दोहरे हत्याकांड का अब तक रहस्य बरकरार

पाँच महीने बाद भी खाली हाथ पुलिस-जाँच पर उठे गंभीर सवाल

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट।

जिले के कटंगी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नांदी मोहगांव में 13-14 सितंबर 2025 की दरमियानी रात घटित हुए निर्मम दोहरे हत्याकांड ने पूरे अंचल को झकझोर कर रख दिया था। प्रतिष्ठित हार्डवेयर व्यापारी हेमेंद्र बिसेन 48 और उनकी पत्नी योगिता बिसेन 45 की उनके ही घर में बेरहमी से हत्या कर दी गई थी ।घटना के पाँच महीने बीत जाने के बावजूद पुलिस आज तक हत्यारों तक नहीं पहुँच सकी है। नतीजतन यह जघन्य वारदात अब अंधे हत्याकांड की श्रेणी में शामिल होती जा रही है।

खून से सना था बेडरूम-बेहद निर्मम तरीका

घटना की सुबह जब घर का दरवाज़ा नहीं खुला, तब उन कमरे में सो रहे परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई और उन्होंने कमरा में जाकर देखें और दंग रह गये उन्होंने कमरे के अंदर दोनों पति-पत्नी की लाश देखी। सूचना पर पहुँची पुलिस को बेडरूम में खून से लथपथ शव मिले ।हेमेंद्र बिसेन का शव फर्श पर पड़ा था ।योगिता बिसेन का शव बिस्तर पर मिला ।जाँच में सामने आया कि दोनों पर किसी भारी और धारदार हथियार, संभवतः कुदाल या इसी प्रकार के औज़ार से ताबड़तोड़ वार किए गए थे। सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें इस बात की गवाही देती हैं कि हत्या बेहद नृशंस और सुनियोजित तरीके से की गई।

लूट नहीं-तो मक़सद क्या

घटना स्थल से किसी बड़े लूटपाट के स्पष्ट संकेत नहीं मिले। घर में रखे कई कीमती सामान सुरक्षित पाए गए थे ।जिससे लूट की नीयत से हत्या नहीं की गई ।इससे सवाल उठता है,क्या हत्या पुरानी रंजिश का नतीजा थी ।क्या व्यापारी दंपत्ति को पहले से जानने वाले किसी व्यक्ति ने निशाना बनाया या फिर मामला किसी आर्थिक या राजनीतिक दबाव से जुड़ा था।

एसआईटी भी नाकाम-जाँच ठंडे बस्ते में

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष जाँच दल(एस.आई.टी.) का गठन किया। टीम ने लगभग एक माह तक जाँच की—संदिग्धों से पूछताछ,कॉल डिटेल्स खंगाली गई ।आसपास के इलाकों में छानबीन की लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा। अब हालात ऐसे हैं कि इस हत्याकांड की जाँच धीरे-धीरे ठंडे बस्ते में डाल दी गई है।

राजनीतिक हस्तक्षेप या हाईप्रोफाइल कनेक्शन

सबसे बड़ा सवाल यही है कि—क्या यह मामला राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते दबा दिया गया या फिर किसी हाईप्रोफाइल व्यक्ति की संलिप्तता के कारण जाँच आगे नहीं बढ़ पाई ।स्थानीय लोगों में यह चर्चा आम है कि पुलिस की सुस्ती सामान्य नहीं है। एक प्रतिष्ठित व्यापारी दंपत्ति की हत्या के बाद भी यदि आरोपी बेखौफ घूम रहे हैं। तो यह कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है।

परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश

मृतकों के परिजन आज भी न्याय की आस लगाए बैठे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि दबाव नहीं बनाया गया ।तो यह मामला भी अन्य अंधे हत्याकांडों की तरह फाइलों में दफन हो जाएगा।

बिसेन दंपति हत्याकांड-पुलिस की कार्य प्रणाली पर एक तमाचा

नांदी मोहगांव का यह दोहरा हत्याकांड न सिर्फ एक परिवार का विनाश है। बल्कि पुलिस तंत्र की कार्यप्रणाली पर भी करारा तमाचा है। जब तक-निष्पक्ष और स्वतंत्र जाँच उच्च स्तरीय निगरानी और जवाबदेही तय नहीं की जाती। तब तक यह सवाल ज़िंदा रहेगा कि बालाघाट पुलिस आखिर कब तक अंधे हत्याकांडों का खुलासा करने में नाकाम रहती रहेगी।

पत्नी ने अन्य महिला से की मारपीट तो पति ने उठाई कुल्हाड़ी

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। खैरलांजी थाने के वार्ड नंबर 5 खैरलांजी कुत्ते पालने को लेकर एक महिला को मारपीट कर दिया गया ।वहीं उसके पति को भी कुल्हाड़ी लेकर मारने आमाद होने का एक मामला सामने आया। खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में देवलाबाई चीखलांडेऔर उसके पति ओमकार चीखलौंडे के विरुद्ध मामला कायम कर जांच शुरू होती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनीता नगपुरे अपने पति के साथ खेती किसानी के अलावा घरेलू काम करती है। जिसके पड़ोस में ही देवला बाई अपने परिवार के साथ रहती है। और वह किसी न किसी बात को लेकर अनीता नगपुरे को परेशान करते रहती है। अनीता ।नगपुरे ने अपने घर में एक छोटा सा कुत्ता पाली हुई है। 4 फरवरी की शाम 5ः15 बजे देवला बाई, अनीता नगपुरे के घर के सामने आई और कुत्ते को देखकर गालियां देने लगी और कुत्ते को मारने दौड़ी। अनीता ने उसे कुत्ते का मारने से मना की थी तभी देवला बाई ने अनीता को अश्लील गालियां देते हुए हाथ बुक्के से मारपीट कर उसे ज्यादा बोलने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। मोहल्ले के लोगों ने बीच बचाव किये। जब शाम को अनीता नगपुरे का पति मिथिलेश नगपुरे घर आए तब उसने उक्त घटना के समय बताई। तभी मिथलेश नगपुरे ने देवला बाई से कहा कि मेरी पत्नी को क्यों मारपीट की थी। देवला बाई का पति ओमकार चीखलौंडे, मिथिलेश नगपुरे को अश्लील गालियां देते हुए कुल्हाड़ी लेकर मारने दौड़ा तभी मिथिलेशनगपुरे ने भाग कर अपनी जान बचाई ।जिसके बाद दोनों पति पत्नी रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी की पुलिस थाना पहुंचे। अनिता नगपुरे 36 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर देवलाबाई और उसके पति ओमकार चीखलौंडे के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

जनपद कार्यालय पहुंच मार्ग की मोड़ में खुली नाली दे रही दुर्घटनाओं को आमंत्रण

राहगीर एवं निवासरत लोगों ने खुली नाली में चेम्बर लगाने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग स्थित जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के आगे से जनपद पंचायत, तहसील एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जाने के लिए बायपास मार्ग गुजरी है। जिससे राहगीर, निवासरत लोग एवं अधिकारी-कर्मचारीगण आना-जाना करते है परन्तु जनपद पंचायत के समीप मार्ग की मोड़ाई में नाली में पुर्व में बनाई गई चेम्बर क्षतिग्रस्त हो चुकी है और वर्तमान में नाली खुली हुई है जो दुर से लोगों को दिखाई नही देता है। जिससे किसी भी समय दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस खुली नाली के ऊपर चेंबर नही लगाया जा रहा है जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के आगे पूर्व जनपद अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा शुक्ला के मकान के सामने से हाईवे मार्ग से बायपास मार्ग जाती है और यह मार्ग जनपद पंचायत कार्यालय, तहसील, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सहित अशासकीय विद्यालय की ओर जाती है एवं निवासरत लोग भी इसी मार्ग से आवागमन करते है। विगत वर्ष पूर्व मानपुर पंचायत के द्वारा जनपद एवं तहसील कार्यालय बायपास पहुंच मार्ग का सीमेन्टीकरण करने के साथ ही पक्की नाली का निर्माण कार्य करवाया गया है और नाली की गहराई करीब ३ से ४ फीट है परन्तु सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण नाली के ऊपर में चेम्बर लगाया गया है ताकि आवागमन में सुविधा हो सके। जनपद पंचायत से कुछ दुर मोड़ाई में नाली के ऊपर लगाये गये चेम्बर क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिसके कारण उक्त स्थान पर नाली खुली हुई है जो दुर्घटना को आमंत्रण दे रही है। अगर आमने-सामने से अचानक कोई दुपहिया एवं चौपहिया वाहन आते है और मोड़ाई से स्पीड से क्रास करते है जिन्हे खुली नाली दिखाई नही देती है तो नाली साईड का व्यक्ति उक्त नाली में गिर सकता है। जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है क्योंकि मोड़ाई होने के कारण दुर से नाली दिखाई नही देती है और वे सीधे नाली में गिरकर चोटिल हो सकते है। जबकि इस मार्ग पर शासकीय जनपद पंचायत कार्यालय, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी का कार्यालय, अशासकीय विद्यालय, कालेज, तहसील स्थित है और उक्त कार्यालय में पहुंचने का यह सीधा रहता है। इसलिए इस मार्ग का अधिक उपयोग होता है और जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी भी इसी मार्ग से आना-जाना करते है परन्तु उन्हे खुली नाली मोड़ाई में दिखाई नही दे रही है। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है। मार्ग से आवागमन करने वाले राहगीर एवं निवासरत लोगों ने शासन-प्रशासन से खुली नाली के ऊपर सीमेन्ट का चेम्बर लगाने की मांग की है।

ट्रांसफार्मर पर बंदर के कूदने से ब्रसिंग उडा, विद्युत करेंट से बंदर घायल

एक घंटे विद्युत प्रवाह सेवा रही बंद, घायल बंदर का करवाया गया उपचार

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के सिवनी मार्ग स्थित टीवीएस मोटरसाइकिल शोरूम के समीप रोड किनारे से स्थित विद्युत विभाग के ट्रांसफार्मर पर गुरूवार को दोपहर में बंदर (वानर) के छलांग लगाने (कुदने) से ट्रांसफार्मर का ब्रसिंग उड़ गया एवं स्पार्किंग होने से बंदर भी घायल हो गया और नीचे गिर गया। जिसके बाद आसपास उपस्थित लोग पहुंचे और तत्काल विद्युत विभाग को जानकारी देकर विद्युत सप्लाई सेवा बंद करवाई एवं घायल बंदर (वानर) को पानी पिलाया। जिसके बाद वन विभाग को जानकारी दी गई जिनके द्वारा घायल बंदर का प्राथमिक उपचार कर स्वस्थ होने के बाद उसे छोड़ दिया गया है। वहीं ट्रांसफार्मर पर बंदर के छलांग लगाते ही स्कार्पिंग होना शुरू हो गया था और कुछ फटने जैसा जमकर आवाज आया। जिसे सुनकर ट्रांसफार्मर के आसपास उपस्थित लोग कुछ देर के लिए सन रह गये कि क्या फटा। बाद में उन्हे बता चला कि ट्रांसफार्मर कर ब्रसिंग उड़ गया है। वहीं समय रहते बिजली बंद नही की जाती तो स्कार्पिंग होते ही रहता जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी। ट्रांसफार्मर पर बंदर के छलांग लगाने से ब्रसिंग उड़ जाने की जानकारी लगने के बाद विद्युत विभाग के कर्मचारी घटना स्थल पहुंचे और ट्रांसफार्मर में आई खराबी को दुरूस्त किया, जिसके बाद विद्युत प्रवाह सेवा बहाल हुई। वहीं ट्रांसफार्मर का ब्रसिंग उड़ जाने से करीब एक घंटे तक नगर मुख्यालय में बिजली गुल रहने से बिजली से चलने वाले व्यापार एवं बैंकिग कार्य प्रभावित हुआ और लोगों को कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। ट्रांसफार्मर में आई खराबी को सुधारने का कार्य सहायक लाईनमेन ज्ञानचंद बिसेन, चेतन लूटे, पारस कातुरे ने किया।

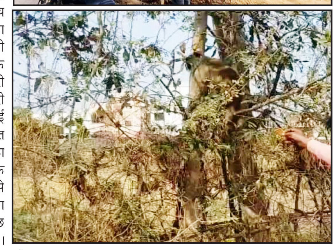

विद्यार्थियों को सिखाये गये सफलता के मंत्र, आत्मविश्वास, समय प्रबंधन और अनुशासन पर दिया जोर

बोरी के हाई स्कूल में कैरियर मेले का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग ५ किमी. दूर ग्राम पंचायत बोरी स्थित शासकीय हाई स्कूल में लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार पांच दिवसीय कैरियर मेले कार्यक्रम गत दिवस संपन्न हुआ। इस पांच दिवसीय कैरियर मेले में छात्र-छात्राओं को सफलता के मंत्र सीखाये गये। साथ ही स्वयं में आत्मविश्वास, समय प्रबंधन और अनुशासन पर जोर देते हुए अज्छी पढ़ाई करने प्रेरित किया गया। कैरियर मेले के दौरान विकासखंड कैरियर काउंसलर विपिन सोनी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। जिन्होने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कैरियर चयन के विभिन्न विकल्पों पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही सोनी जी ने न केवल विद्यार्थियों के भविष्य संबंधी सवालों के जवाब दिये बल्कि आत्मविश्वास, तनाव प्रबंधन और समय प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि कैसे सही समय पर सही निर्णय एक बेहतर भविष्य की नींव रखता है। वहीं स्कूल प्रभारी प्राचार्य आनंद चौहान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई के प्रति अटूट आत्मविश्वास और अनुशासन ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने संदेश दिया कि यदि विद्यार्थी अनुशासन में रहकर सही दिशा में प्रयास करें, तो वे अपने जीवन के बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया और अंत में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। इस पांच दिवसीय कैरियर मेले के दौरान संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, अभिभावक और स्कूल प्रबंधन एवं विकास समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिलेभर के बीआरसी और बीईओ की समीक्षा बैठक संपन्न

संयुक्त संचालक ने परखी योजनाओं की प्रगति, बोर्ड परीक्षाओं के लिए दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल के सभाकक्ष में गुरूवार को जिला स्तरीय विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक (बीआरसी) की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। यह बैठक लोक शिक्षण संचालनालय जबलपुर संभाग के संयुक्त संचालक अरूण कुमार इंगले की अध्यक्षता एवं जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय, जिलेभर के बीईओं, बीआरसी की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित इस बैठक में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन और आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान संयुक्त संचालक श्री इंगले ने विकासखण्डवार संचालित योजनाओं की समीक्षा की। जिसमें मुख्य रूप से नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों को साइकिल वितरण की वर्तमान स्थिति, छात्रवृत्ति एवं पेंशन छात्रवृत्ति वितरण में आ रही बाधाएं और लंबित पेंशन प्रकरणों का जल्द निराकरण करने। साथ ही सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर बंद करने के निर्देश दिये गये। साथ ही उपस्थित बीईओं, बीआरसी अधिकारियों ने जमीनी स्तर पर आ रही समस्याओं से संयुक्त संचालक को अवगत करवाया। जिस पर श्री इंगले ने तत्काल निराकरण के सुझाव दिए और सभी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचाने की बात कही। वहीं आगामी बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए संयुक्त संचालक ने विशेष दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को उन विषयों में विशेष मार्गदर्शन दें जिनमें उन्हें कठिनाई महसूस हो रही है। उसे दुर करे और विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करें ताकि वे तनावमुक्त होकर परीक्षा दे सकें। साथ ही परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किये जाये, जिससे परीक्षार्थी एकाग्र मन से परीक्षा में शामिल हो सकें और जिले का परीक्षा परिणाम बेहतर रहे।

वहीं बैठक में जिले भर के बीआरसी और बीईओं उपस्थित रहे, जिन्हें शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और विभागीय कार्यों में पारदर्शिता बरतने हेतु निर्देशित करते हुए शिक्षा विभाग की योजनाओं का क्रियान्वयन कर विद्यार्थियों को लाभ दिलवाने कहा गया है। चर्चा में लोक शिक्षण संचालनालय जबलपुर संभाग के संयुक्त संचालक अरूणकुमार इंगले ने बताया कि शासन के द्वारा शिक्षा विभाग के अंतर्गत जो योजनाएं संचालित हो रही है उसमें लक्ष्य पूरा हो। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए जिले के बीईओं और बीआरसी की संयुक्त बैठक लालबर्रा में आयोजित की गई थी। जिसमें सीएम हेल्पलाइन, पेंशन प्रकरण, छात्रवृत्ति, सायकल वितरण सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई और सीएम हेल्पलाइन में जो शिकायतें हैं उसके निराकरण के लिए उनके द्वारा क्या प्रयास किये जा रहे हैं उसे पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये है। श्री इंगले ने बताया कि १० फरवरी से बोर्ड परीक्षा शुरू होने वाली है और बीईओं, बीआरसी से कहा गया है कि बच्चों को स्कूल बुलाकर परीक्षा के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करें। साथ ही बोर्ड परीक्षा में शासन स्तर पर सुरक्षा के पूर्ण इंतजाम किये गये है एवं उडनदस्ते और कलेक्टर प्रतिनिधि की नियुक्ति भी की गई है जिससे परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न हो सके। इस अवसर पर जिलेभर से पहुंचे विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी (बीईओं) एवं विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक (बीआरसी) एवं सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे उपस्थित रहे।

सिहोराटोला में ९ दिवसीय संगीतमय श्री शिव महापुराण एवं पार्थिव रूद्राभिषेक कार्यक्रम संपन्न

हवन-पूजन एवं भंडारे का हुआ आयोजन, भक्तिभाव के साथ की गई भगवान भोलेनाथ की आराधना

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग ५ किमी. दूर ग्राम पंचायत सिहोरा के सिहोराटोला में आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। जहां क्रिकेट ग्राउंड पानी टंकी के समीप आयोजन समिति के तत्वाधान में आयोजित ९ दिवसीय संगीतमय श्री शिव महापुराण एवं पार्थिव रूद्राभिषेक कार्यक्रम का समापन बुधवार को हवन-पूजन एवं विशाल भंडारे के साथ हुआ। इस ९ दिवसीय श्री शिव महापुराण एवं पार्थिव रूद्राभिषेक कार्यक्रम के प्रथम दिन २६ जनवरी को दोपहर १ बजे मंगल कलश यात्रा निकाली गई। जिसके बाद २७ जनवरी से लेकर ४ फरवरी तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान में श्रीधाम वृंदावन से पधारे आचार्य पंडित दिवाकर जी महाराज के द्वारा प्रतिदिन प्रात: ८ बजे से १०.३० बजे तक मूल पाठ, नित्य रूद्राभिषेक संपन्न करवाया गया एवं दोपहर १ बजे से शाम ५ बजे तक भगवान भोलेनाथ के जीवन गाथाओं पर संगीतमय प्रवचन दिया गया। जिससे पुरे ग्राम में ज्ञान की गंगा बही और क्षेत्रीयजनों ने कथा श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित किये। वहीं श्री शिव महापुराण के अंतिम दिन बुधवार को दोपहर में हवन-पूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्रध्दालुजनों ने हवनकुण्ड में पूर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये तत्पश्चात आरती की गई। जिसके बाद भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया गया और हजारों श्रध्दालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किये। वहीं इस नौ दिवसीय श्री शिव महापुराण एवं पार्थिव रूद्राभिषेक कार्यक्रम के माध्यम से कथावाचक पंडित दिवाकर जी महाराज ने अपने प्रवचनों के माध्यम से श्रध्दालुओं को संदेश दिया कि भाग दौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने के भगवान भोलेनाथ की आराधना और आध्यात्मिकता से जुड़ना अनिवार्य है। आगे कहा कि शिव भक्ति ही शांति और आत्मिक सुख का मार्ग है। वहीं इस नौ दिवसीय श्री शिवमहापुराण एवं पार्थिव रूद्राभिषेक कार्यक्रम के दौरान सिहोराटोला और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भक्ति का माहौल बना रहा, जिससे पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया। इस अवसर पर आयोजन समिति के पदाधिकारी, सदस्य, ग्रामीणजन एवं क्षेत्रीय श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पूनम हत्याकांड में पड़ोसी संजय तीतरमारे गिरफ्तार

दवनीवाड़ा पुलिस संजय को रिमांड पर लेकर कर रही पूछताछ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

तिरोड़ा के थाना दवनीवाड़ा के ग्राम बोंडाराणी के जंगल में ३ जनवरी को खैरलांजी थाना के ग्राम खैरी निवासी पूनम तुमाने उम्र २८ वर्ष का शव मिला था। इस हत्या के मामले में संजय तीतरमारे को दवनीवाड़ा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में पुलिस ने संजय तीतरमारे को न्यायलय में पेश कर ६ जनवरी तक रिमांड ली है। जिससे संजय से दवनीवाड़ा पुलिस के द्वारा कड़ाई से पूछता की जा रही है। वहीं महाराष्ट्र पुलिस के द्वारा पूनम तुमाने हत्याकांड का जल्द खुलासा कर दिया जाएगा। इस घटना में पुलिस के द्वारा गंभीरता से कार्यवाही करते हुए हर कड़ी की जांच और संबंधित लोगों से लगातार पूछताछ जारी रखी हुई है।

परसवाड़ा महाराष्ट्र से लापता हुई थी पूनम तुमाने

प्राप्त जानकारी के अनुसार पूनम पति राकेश तूमाने उम्र २८ वर्ष निवासी खैरी के द्वारा अपने पति राकेश तुमाने पर अपराध दर्ज करवाया गया था। जो वारासिवनी न्यायालय में विचाराधीन था जहां पेशी होने की बात पूनम तुमने को पड़ोसी संजय तीतरमारे के द्वारा बताई गई। वहीं २८ जनवरी को संजय तीतरमारे ने पूनम तुमाने को उसके पिता के घर से अपने साथ वारासिवनी न्यायालय ले जाने की बात बात कर निकला था। इसके बाद यह दोनों महाराष्ट्र की तिरोडा तहसील के ग्राम परसवाड़ा स्थित टी पॉइंट पर रुके हुए थे । जहां से पूनम ने अपनी मां को फोन कर घर आने में लेट होने की जानकारी दी थी। जिसके बाद से पूनम लापता थी इसकी शिकायत परिजनों ने खैरलांजी थाने में की थी। पूनम लापता होने के ६ दिन बाद गोंदिया जिला महाराष्ट्र की तहसील तिरोड़ा थाना दवनीवाड़ा के ग्राम बोंडराणी के जंगल में ३ जनवरी को महाराष्ट्र पुलिस के द्वारा पूनम तुमाने का शव बरामद किया गया था। जिसकी हत्या सर कुचलकर और धारदार हथियार से की गई थी। जिसमें पुलिस के द्वारा मौके पर अंधे हत्याकांड की गंभीरता से जांच की गई। वहीं मौके पर खैरलांजी पुलिस भी पहुंची जिसके द्वारा पहचान उपरांत घटना की विस्तृत जानकारियां महाराष्ट्र पुलिस को दी गयी।

वारासिवनी खैरलांजी मार्ग से संजय को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जानकारी अनुसार इस अंधे हत्याकांड में महाराष्ट्र पुलिस के द्वारा विधिवत मध्य प्रदेश के थाना खैरलांजी को सूचना देकर संजय तीतरमारे की पहचान कर गिरफ्तार किया गया। इस दौरान संजय तीतरमारे वारासिवनी अपने किसी कार्य से आया हुआ था। जो ३ जनवरी की रात करीब ११ बजे खैरलांजी वापस जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में महाराष्ट्र पुलिस के द्वारा संजय तीतरमारे को गिरफ्तार कर थाना खैरलाँजी में पहचान करने के उपरांत महाराष्ट्र लेजा लिया गया। जिसे थाना दवनीवाड़ा के सम्बंधित न्यायालय में ४ जनवरी को पेश कर ६ जनवरी तक रिमांड में लिया गया है। जिससे पूछताछ की जा रही है इस पूछताछ के साथ ही पुरे हत्याकांड का खुलासा होने की संभावना भी व्यक्त की जा रही है।

खैरलांजी में ९ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ और वार्षिक उत्सव आज से प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/खैरलांजी। खैरलांजी में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी ६ फरवरी से नव निर्मित गायत्री मंदिर ट्रस्ट का २१ वॉ वार्षिक उत्सव आयोजित किया गया है। इस अवसर पर नौ मूर्तियों का विधि विधान से प्राण प्रतिष्ठा और पूजन किया जाएगा। गायत्री माता, सरस्वती माता एवं लक्ष्मी माता की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा नव निर्मित मंदिर में प्रतिष्ठापित करने एवं विकास खण्ड स्तरीय गायत्री परिवार प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी उत्साह पूर्वक वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया है। इस अवसर पर शुक्रवार की दोपहर १२ बजे से रंगोली प्रतियोगिता ,तत्पश्चात् विशाल कलश यात्रा एवं रात्रि ८ बजे से पारिवारिक संस्कार पर युग संदेश शांतिकुंज के मनिषियों द्वारा,शनिवार की प्रात: ६ बजे से नव मुर्तियों का विधिविधान पूर्वक वैदिक मंत्रोचार द्वारा पूजन, प्राण प्रतिष्ठा ,तत्पश्चात् ९ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं महाआरती एवं रात्रि में दीप महायज्ञ, रविवार की प्रात: ९ बजे से महायज्ञ एवं विभिन्न संस्कार, माटी पूजन, पूर्णाहूती, महाआरती, महाप्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

खैरलांजी में एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग की विभिन्न जातियां करेगी आज एक दिवसीय धरना

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/खखैरलांजी। देश भर में जंहा एक ओर यूजीसी बिल का विरोध हो रहा है । वंही खैरलांजी तहसील क्षेत्र से इसके समर्थन में आवाज उठी है। यूजीसी बिल के समर्थन में एससी,एसटी,ओबीसी के तहसील क्षेत्र के सामाजिक संगठनो के द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन ६ फरवरी २०२६ शुक्रवार की दोपहर १२ बजे से जनपद पंचायत मैदान में किया जा रहा है। जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद लिल्हारे ने धरना प्रदर्शन में रखी गई मुख्य मांगो को लेकर धरना की जानकारी दी। जिनमें प्रमुख रूप से यूजीसी अधिनियम १५/०१/२०२६ को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए, सुप्रीम कोर्ट के द्वारा लगाई गई रोक तत्काल हटाया जाए, जनगणना में ओबीसी की जातिगत जनगणना की जाए, जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण लागू कर आरक्षण को संविधान की ९ वीं अनुसूची में शामिल किया जाए। भारतीय संविधान की ५वीं एवं ६वीं अनुसूची को लद्दाख में लागू कराने की मांग करने वाले सोनम वांगचुक को तत्काल रिहा किया जाए। उन्होंने बताया कि उक्त मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन कर महामहिम राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा। धरना प्रदर्शन कर रहे सभी सामाजिक संगठनो से जनपद पंचायत उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद लिल्हारे, देवराज भोयर ,भारतसिंह शिवहरे , सुभाष क्षीरसागर ,आलोक पाटिल, द्रोण कुमार डोहरे ,भीमप्रकाश बोरकर ,अनिल उइके ,प्रफुल्ल नगपुरे, देवी लिल्हारे, योगेश सुलकिया, डी एल सुखदेवे,अनिल अग्ने, खुमेश डोंगरे, कैलाश पटले,प्रफुल्ल रंगारी, कैलाश भौरजार, उत्तम भालेराय, मुकेश बंसोड़, सहेशराम बहेटवार, अनिल धुर्वे, अजबसिंह कृपगये, मिथलेश नगपुरे, मुकेश दमाहे, अशोक लिल्हारे, सुजीत चौरे, रवीन्द्र मेश्राम, शुभम गोटाफोड़े, सुनिल गजभिये,गिरीश नगपुरे, डी के टेलर, योगराज परिहार, विरेन्द्र टेंभुर्णे, विजय मस्करे,बस्तीराम कावरे सहित अन्य सभी एससी ,एसटी और ओबीसी के सामाजिक संगठन के द्वारा एससी, एसटी,ओबीसी अधिकारी, कर्मचारी व छात्र छात्राओं से अपील करते हुए कहा है कि अपने अधिकारो को सुरक्षित करने के लिए अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर एक दिवसीय धरना को आलाकमान तक पहुंचाने में सहयोगी बने।

वनस्पति विज्ञान विभाग के द्वारा विश्व आर्द्रभूमि दिवस मनाया गया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन पर्यावरण विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल के निर्देशानुसार इको क्लब व वनस्पति विज्ञान विभाग के द्वारा पर्यावरण द्वारा विश्व आर्द्रभूमि दिवस मनाया गया । इस अवसर पर अद्रभूमि से जुड़ी वृहत जानकारी के लिए विद्यार्थियों को डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। जिसमें सभी संकायों के ६३ विद्यार्थियों के द्वारा सहभागिता की गई। वनस्पतिशास्त्र

विभागाध्यक्ष हेमन्त गनवीर के द्वारा वेटलेंड २०२६ की थीम वेटलेंड और पारम्परिक ज्ञान सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाना पर सारगरभित व्याख्यान दिया गया। इनके द्वारा आद्रभूमि से परिचय कराते हुए बताया कि ऐसा पारिस्थितिक तंत्र जहां भूमि या तो स्थायी रूप से या मौसमी रूप से जल से ढकी रहती है। ये दलदल, तटिय क्षेत्र, झीलें, नदियाँ या मानव निर्मित तालाब हो सकते है। यह क्षेत्र जलीय पौधो व वन्य जीवों के लिए महत्वपूर्ण आवास होता है। इन्होने आद्र भूमि के प्रकार अन्तर्देशिय, तटिय व मानव निर्मित के बारे में बताया। योगेश कुमार बिसेन के द्वारा आद्र भूमि के महत्व पर प्रकाश डाला गया व बताया कि इससे जैव विविधता, जल संरक्षण तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान जुड़ी है जैसे गंगा नदी के घाट। डॉ. मीर के द्वारा आद्र भूमि को मानवता के लिए इसे बचाने की आवश्यकता बताई गयी व बताया की यह जंगलो के मुकालबे तीन गुना तेजी से समाप्त हो रहे है। ईको क्लब प्रभारी त्रिरत्नेश गजभिये के द्वारा बताया कि आद्र भूमि पृथ्वी के सतह का केवल ६ प्रतिशत हिस्सा रखती है जिसमें पृथ्वी की ४० प्रतिशत प्रजाति निवास करती है। इनके द्वारा आगे बताया कि इरान के रामसर शहर में १९७१ में अधिवेशन हुआ जिसमें आद्र भूमि के संरक्षण हेतु समझौते का अपनाया गया। भारत द्वारा इस समझौते को १९८२ में अपनाया गया। समझौते के अनुरूप योग्यता परखने वाली आद्र भूमि को रामसर साईट बोला जाता है। विश्व के १७२ देश इस समझौते से जुडे है व २५०० से ज्यादा रामसर साईट सूचीबद्ध की जा चुकी है। भारत में वर्तमान तक १९८ से ज्यादा रामसर साईट है जिसमें तमिलनाडु राज्य अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विद्यार्थियों की ओर से मुस्कान कुमरे ,अंशुमन नोनहारे के द्वारा विचार प्रस्तुत किय गये। विभाग में पर्यावरण हितैषी जीवन शैली पर प्रदर्शनी लगाई गई व जन जागृति अभियान के तहत महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण पर स्लोगन के पोस्टर लगाये गए। कार्यक्रम के आयोजन में प्राचार्य डॉ. सरिता कोल्हेकर ,डॉ सत्यशील गेडाम, हेमन्त गनवीर, नरेन्द्र डोंगरे, दोमदत्त सिंह,विजय कुमार दान्दरे, किरण पटले का विशेष सहयोग व ईको. क्लब के विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

७ फरवरी को आयोजित होगी नौवीं और ग्यारहवीं कक्षा के लिए लैटरल इंट्री चयन परीक्षा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में आगामी सत्र २०२६-२७ में कक्षा नौवीं एवं ग्यारहवीं में प्रवेश के लिए ७ फरवरी २०२६को लैटरल इंट्री चयन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। नौवीं कक्षा में प्रवेश के लिए वारासिवनी के दो विद्यालयों. केशव हायर सेकण्डरी इंग्लिश स्कूल वारासिवनी और आइडियल पब्लिक स्कूलए चंदोरी को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। नवोदय विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य रणबीर सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि ७ फरवरी २०२६ को कक्षा नौवीं के लिए आयोजित होने वाली लैटरल इंट्री चयन परीक्षा में बालाघाट जिले के ४८० परीक्षार्थी शामिल होंगे। यह चयन परीक्षा बिना किसी अंतराल के ११.१५ बजे पूर्वाह्न से १.४५ बजे तक आयोजित होगी। इसके लिए सभी परीक्षार्थियों को संबंधित परीक्षा केंद्र पर सुबह १०.३० बजे उपस्थित होने के निर्देश दिए गए है। वहीं ग्यारहवीं कक्षा की लैटरल इंट्री चयन परीक्षा के लिए पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। नवोदय विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य रणबीर सिंह ने बताया कि ७ फरवरी २०२६ को आयोजित होने वाली ग्यारहवीं कक्षा की लैटरल इंट्री चयन परीक्षा में बालाघाट जिले के १८९ परीक्षार्थी शामिल होंगे। कक्षा ग्यारहवीं की यह चयन परीक्षा बिना किसी अंतराल के ११ बजे पूर्वाह्न से १.३० बजे तक आयोजित होगी। इसलिए सभी परीक्षार्थियों को संबंधित परीक्षा केंद्र पर सुबह १०.३० बजे उपस्थित होने के निर्देश दिए गए है।

सिंचाई विभाग की लापरवाही बनी किसानो की समस्या

किसान रबी की फसल से वंचित, थानेगांव माइनर का मामला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत थानेगांव के सिरहाटोला में आने वाली माइनर नहर खस्ताहाल हो गई है। इसके निर्माण को लेकर अनेकों बार सिंचाई विभाग को ग्रामीणों के द्वारा शिकायत की जा चुकी है। किंतु वर्तमान तक सिंचाई विभाग के द्वारा लापरवाही दिखाते हुए किसानों की समस्या पर संज्ञान नहीं लिया है। जिससे किसान फसल लगाने से वंचित होते नजर आ रहे हैं तो वही हर बार विभाग के द्वारा केवल आश्वासन ही दिया जा रहा है। ऐसे में किसानों के सामने एक बड़ी समस्या पानी बना हुआ है जबकि उक्त नहर के माध्यम से करीब २०० एकड़ कृषि भूमि सिंचित होती है। फिर भी नहर की दुर्दशा पर विभाग के द्वारा सुधार कार्य या सीमेंटीकरण की पहल नहीं की जा रही है। जो किसानों के लिए दिक्कत का विषय प्रतीत हो रही है । ऐसे में किसान सिंचाई विभाग से बेहतर सिंचाई व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं।

जगह जगह से क्षतिग्रस्त है नहर

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोंगरगांव, मेंढकी ,डोंगरमाली मुख्य नहर गुजराती है जिससे एक माइनर थानेगांव के लिए जंगलों के पास से आया हुआ है। जो सीधे थानेगांव ग्राम के आखिरी छोर नाल तक बनी हुई है परंतु पूरी माइनर नहर कच्ची है। जहां पर जगह जगह से यह टूट चुकी है, अंदर में बहुत ज्यादा गड्ढे हो गए हैं, बुडके भी लग गए हैं तो वही जंगल सहित ग्राम के विभिन्न स्थानों से कभी भी नहर फूट जाती है। इस प्रकार की स्थिति से किसान परेशान है जहां किसानो की आवाज को सिंचाई विभाग अनसुना करता हुआ नजर आ रहा है। यही कारण है कि किसानों को अपनी मेहनत से पूरे नहर का सुधार कार्य करते हुए पानी को खेतों तक लाना पड़ता है। फिर भी वह ज्यादा देर नहीं टिकता एक तरफ सुधारते हैं तो दूसरे तरफ का टूट जाता है इससे किसानों को काफी परेशानी होती है। वहीं नहर का पानी खेतों तक पहुंचाने की जगह नाले और तालाबों में चल जाता है ऐसी ही स्थिति वर्तमान में बनी हुई है। किसानों के सामने रबी की फसल लगाना एक चुनौती पूर्ण कार्य बना हुआ है। जिन किसानों के द्वारा रबी की फसल लगाई गई है वह सूखने की कगार पर आ गई है, कई किसानो के द्वारा खेतों को तैयार करके रखा हुआ है ताकि पानी आ जाए तो रबी की फसल लगा सके। हालांकि इसमें किसानों को नुकसान भी उठाना पड़ रहा है परंतु सिंचाई विभाग किसानों की शिकायत पर ध्यान देने की जगह केवल आश्वासन दे रहा है। हर वर्ष पानी की राशि वसूलने का काम विभाग कर रहा है हालांकि यह स्थिति कोई नई नहीं है बीते कुछ वर्षों से यही स्थिति ग्राम में बनी हुई है। इसमें ना केवल रबी के मौसम में खरीफ के मौसम में भी यही स्थिति बनी रहती है जिसको लेकर किसानों में काफी आक्रोश व्याप्त है।

थानेगांव माइनर की हालत बहुत खराब है टूट.फूट हो गई है-इंद्रकुमार बैस

किसान इंद्रकुमार बैस ने बताया कि थानेगांव माइनर की हालत बहुत खराब है। टूट.फूट हो गई है खेतों में पानी जाता ही नहीं है नहर का पानी नालों में बह जाता है एक दो नहीं अनेको स्थान से यह फटी हुई है। रबी के लिए पानी तालाब में जा रहा है खेतों में नहीं है किसान रबी में गेहूं ,चना ,सरसों कुछ नहीं लगा पा रहे हैं। क्योंकि पानी ही नहीं है और जिन्होंने लगाया है वह परेशान है यह नहर का सीमेंटीकरण होना चाहिए। एक तो अधिकारी आते नहीं और आते हैं तो रुपए लेने आते हैं। उनसे बात करो तो वह सरपंच और पंचायत बनाएगी कहते हैं हमें तो नहर बनने से मतलब है।

रबी की फसल लगाना मुश्किल है-योगेंद्र बैस

योगेंद्र बैस ने बताया कि नहर पुरा टूट चुका है जिसे अच्छे से निर्माण किया जाना चाहिए। मेंढकी ,डोंगरमाली जो नहर जाती है उससे एक माइनर थानेगांव के लिए आता है जिसके ऊपर पूरा गांव आश्रित है। परंतु विभाग कोई ध्यान नहीं देता बारिश के समय तक किसानों को खुद मेहनत कर नहर बांधते हुए पानी गांव तक लाना होता है। अभी गेहूं पकाना मुश्किल हो गया है करीब ३०० एकड़ खेती पूरे क्षेत्र में है हर किसान पानी की समस्या से परेशान है। ऐसे में रबी तो मुश्किल लग रही है नहर को इधर बांधो तो उधर से टूटता है।

सिंचाई विभाग की लापरवाही से किसानों को रही परेशानी-इशराम बैस

किसान इशराम बैस ने बताया कि सिंचाई विभाग के अधिकारी कहते हैं कि किसी फंड से यह नहर को तुम बनाओ। अब वसूली विभाग के लोग करें और बनाये कोई और यदि यह राशि दे दे तो दूसरे भी बनाएंगे। यह पंचायत सांसद विधायक से बनवाओ कहते हैं और पूरे। पानी की वसूली अमीन खाते में जाती है जिसको पैसा मिल रहा है वह ध्यान नहीं दे रहा है तो दूसरों को क्यों बोले। हम अनेकों बार शिकायत किये हैं अभी रबी के लिए हमने एसडीएम और एसडीओ दोनों को कहा है परंतु कुछ नहीं हुआ। जबकि सभी फाटे बन गए हैं झाड़गांव ,महदुली, गर्रा सब बन गया है केवल थानेगांव फाटा बचा हुआ है। यह जंगल से आता है और ज्यादा दूरी भी नहीं है फिर भी नहर की हालत इतनी खराब है कि पानी गांव तक नहीं आ रहा है।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि यह नहर की स्थिति हमारे संज्ञान में नहीं है जिसके लिए संबंधित अमीन से चर्चा कर जानकारी ली जाएगी। वहीं मौका निरीक्षण कर व्यवस्था बनाने का प्रयास किया जायेगा।

कोमल गजभिये
एसडीओ सिंचाई वारासिवनी

देवधर ट्राफी का पहला सेमीफाईनल मैच में जबलपुर ने बिलासपुर टीम को १२ रनों से किया पराजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ऑल इंडिया देवधर ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में जेपी जबलपुर और एस ई एस आर बिलासपुर के बीच हाई वोल्टेज मुकाबला खेला गया। खेल के प्रति जबरदस्त जुनून के बीच मैदान पर क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि और खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के बाद अतिथियों ने टॉस करवाकर इस महामुकाबले को विधिवत शुभारंभ कराया। इस दौरान उत्कर्ष कासल ,जसवंत पटले कीर्ति बोपचे, मोनु ठाकुर,सुंदर बिसेन, मोनेस बिसेन उपस्थित रहे। अतिथियों ने दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए टास भी करवाया। पहले सेमीफाइनल मुकाबले में जेपी जबलपुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जबलपुर की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। सलामी बल्लेबाज रौशन और पंकज शर्मा ने पहले विकेट के लिए तेज तर्रार ४३ रनों की साझेदारी की। सलामी बल्लेबाज रौशन ने मैदान के चारों ओर गगनचुंबी छक्के जड़ते हुए मात्र २१ गेंदों में ५० रन ५ चौके, ४ छक्के कूट डाले। मध्यक्रम में आदित्य सिंह ने ३९ रनों की उपयोगी पारी खेली। लेकिन बिलासपुर की कसी हुई गेंदबाजी के सामने जबलपुर की पूरी टीम १९.४ ओवरों में १५९ रनों पर सिमट गई। बिलासपुर की गेंदबाजी मे मोहित राउत ने ३ विकेट २४ रन और कुशल काकड़ ने ३ विकेट २४ रन लेकर जबलपुर को मात्र १५९ रनो पर रोककर बड़ा स्कोर नही बनाने दिया। दुसरी ओर बिलासपुर टीम लक्ष्य १६० रनों का पीछा करने के लिये मैदान में उतरी। किंतू गत चैपिंयन इस टीम का पहला विकेट मात्र १ रन के स्कोर पर जयंत कैवर्त के रूप में गिर गया। दूसरा विकेट ७४ रन के कुल स्कोर पर सौरव विकी ३१ रन आउट हुए। सलामी बल्लेबाज पवन परनाते ने ४३ रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली। लेकिन जबलपुर की कसी हुई गेंदबाजी के सामने बिलासपुर का मध्यक्रम ताश के पत्तों की तरह ढह गया। टीम ने मात्र २१ रनों के भीतर अपने ६ विकेट गंवा दिए। अंतिम ओवरों में प्रिंस १८ और प्रवीण १८ के संघर्ष के बावजूद पूरी टीम २० ओवर में ९ विकेट पर १४७ रन ही बना सकी। जबलपुर की गेंदबाजी में अतुल कुशवाहा ने घातक गेंदबाजी करते हुए ३ विकेट लिए, जबकि वैभव पाल ने २ विकेट चटकाए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जबलपुर के आलराउण्ड प्रदर्शन के लिए आदित्य सिंह को दिया गया। आदित्य ने बल्लेबाजी कर ३९ रन बनाए व ४ ओवर की गेंदबाजी में १ विकेट भी हासिल किया। यह पुरस्कार पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, श्रीमती भारती आड़े,सुश्री किरण शर्मा,शीतल अरोरा , पूनम गिडवानी के हस्ते दिया गया।

संत शिरोमणि रविदास महाराज की ६४९ वीं जयंती आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के बालाघाट मार्ग स्थित सांदीपनि विद्यालय के पास में ६ फरवरी को सदगुरु रविदास सामाजिक संगठन वारासिवनी के तत्वधान में संत शिरोमणि रविदास महाराज की ६४९ वीं जयंती समारोह का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम मुख्य अतिथि प्रदीप जायसवाल पूर्व मंत्री, अध्यक्षता प्रवीण खारोल पूर्व जनपद सदस्य,विशेष अतिथि सूर्यभान सिंह पूसाम सरपंच वारा, श्रीराम गौतम जनपद सदस्य ,मनीष पारधी ,सुनील पारधी पूर्व जनपद उपाध्यक्ष ,वाइपर पारधी पूर्व सरपंच ,रामसिंह पटेल, हर्षित रेड्डी ,विनय तुरकर,तपेश मरठे , मानसिंह परते ,प्रणय धार्मिक ,अनिल देवारे , दिलीप नेवारे , किशोर मेश्राम,दुर्गा गिरी गोस्वामी,सुंदर बुरे की उपस्थिति में प्रारंभ किया जाएगा। जिसमें दोपहर २ बजे गुरु पूजन एवं आमंत्रित अतिथियों का स्वागत सत्कार कर संत शिरोमणि रविदास महाराज का व्याख्यान किया जायेगा। इस अवसर पर स्वजातीय बंधुओ सहित गणमान्य नागरिको से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील जिला अध्यक्ष राधेश्याम कनोजे ,ब्लॉक अध्यक्ष रमेश कनोजे सहित जिला एवं ब्लॉक रविदास सामाजिक संगठन के पदाधिकारी सदस्यों ने की है।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

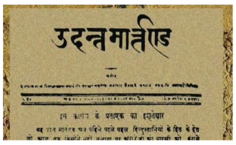

गाजियाबाद की तीन बहनें हों या झाबुआ या भोपाल की घटनाएं, केंद्र में सवाल यही है कि क्या हम अनजाने में एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं, जहां आभासी दुनिया, वास्तविक दुनिया पर हावी हो रही है।

लत और रिश्ते का अंत

गाजियाबाद में तीन बहनों का कथित रूप से एक मोबाइल गेम की लत के चलते नौवीं मंजिल की बालकनी से कूदकर आत्महत्या करने का मामला दिल दहलाने वाला तो है ही, डिजिटल दुनिया में फंसे युवा मनों के भीतर की भयावह सच्चाई को भी उजागर करता है। दरअसल, आज का किशोर और युवा दो दुनिया के बीच जी रहा है, जिनमें से एक वास्तविक है और दूसरी आभासी। गेमिंग और सोशल मीडिया मनोरंजन और जुड़ाव के साधन हैं, पर जब यही साधन पहचान और भावनात्मक सहारे का एकमात्र स्त्रोत बन जाते हैं, तब खतरे की घंटी बजती है। गाजियाबाद की घटना प्रथमदृष्टया इसका ही नतीजा दिखती है। अब तक मिली जानकारियां बताती हैं कि 12, 14 और 16 वर्ष की तीनों किशोरियों को एक मोबाइल गेम की लत थी, हालांकि पुलिस ने इसे खारिज किया है। पिता के मना करने पर उन्होंने यह कदम उठाया, जिसकी पुष्टि उनके

सुसाइड नोट से भी होती है। मामले की विधिवत जांच तो चल ही रही है, जिससे सच सामने भी आ जाएगा, लेकिन सुसाइड नोट और पिता के बयान से यह तो स्पष्ट है कि ऐसी त्रासदियों में परिवार की भूमिका पर आत्ममंथन जरूरी है। अधिकांश परिवार आज भी बच्चों के डिजिटल व्यवहार को या तो पूरी तरह से नजरअंदाज करते हैं, या फिर अचानक सख्ती से नियंत्रित करने की कोशिश करने लगते हैं। दोनों ही स्थितियां ठीक नहीं हैं। हालांकि समस्या सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। गाजियाबाद की घटना वास्तव में उस व्यापक सामाजिक संकट का हिस्सा है, जिसमें ऑनलाइन गेम्स, सोशल मीडिया या रील्स की लत इन्सानी रिश्तों, संवेदनाओं और जीवन-मूल्यों पर हावी होती जा रही है। कुछ ही दिन पहले मध्य प्रदेश के झाबुआ में एक पत्नी ने अपने पति की हत्या इसलिए कर दी, क्योंकि वह उसे रील्स बनाने से रोकता था। यही नहीं, हाल ही में भोपाल में एक चौदह वर्षीय छात्र ने भी मोबाइल गेमिंग की लत के चलते फांसी लगा ली थी। इस तरह के संकट परिवारों के लिए आईना हैं। एक मासूम शौक की तरह शुरू होने वाली डिजिटल लत चुपचाप पनपती है और जब कोई इन्हें रोकने की कोशिश करता है, तब टकराव शुरू होता है। गाजियाबाद और भोपाल की घटनाओं में शायद यह टकराव भीतर ही पनपता रहा, जबकि झाबुआ में यह हिंसा में बदल गया। तीनों ही स्थितियों में रिश्ते हार गए और स्क्रीन की लत जीत गई। गाजियाबाद की बहनें हों या झाबुआ या भोपाल की घटनाएं, केंद्र में सवाल यही है कि क्या हम अनजाने में एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं, जहां आभासी दुनिया, वास्तविक दुनिया पर हावी हो रही है।

अमेरिका के लिए कृषि-डेयरी बाजार न खुले

-शशांक, आईएफएस
(पूर्व विदेश सचिव)

डोनाल्ड ट्रंप ने जिस भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत कहा था, उसके साथ व्यापार समझौता करने के लिए वह क्यों राजी हो गये. इसका कारण है भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था. इस वर्ष के अंत में अमेरिका में मध्यवर्ती चुनाव होने वाले हैं और वहां के कांग्रेसनल और कॉरपोरेट सर्कल्स में यह बात महसूस की जा रही है कि भारतीय उत्पादों पर अत्यधिक टैरिफ लगाने का अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ेगा.

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की घोषणा हो चुकी है, जो बहुत अच्छी बात है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारतीय उत्पादों पर लगे 50 फीसदी टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया है. इसका असर शेयर बाजार, रुपया और विनिमय दर में दिखना शुरू भी हो गया है. दरअसल, अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने और व्यापार सहमति न बनने से हमारी सरकार वैकल्पिक बाजार ढूंढ रही थी. और अब जब ट्रंप ने टैरिफ घटाने की घोषणा की है, तब वैकल्पिक बाजार के साथ हमारे निर्यातकों को अमेरिकी बाजार भी कम आयात शुक्ल पर मिल जायेगा. यह भारतीय उत्पादकों और निर्यातकों के लिए राहत की बात है.

हालांकि, अभी यह बहुत साफ नहीं है कि भारत ने रूस से अपनी तेल खरीद को लेकर क्या कहा है- रूस से तेल खरीद बिल्कुल समाप्त कर दी गयी है, या भारत इसे धीरे-धीरे खत्म करेगा और अभी से अमेरिका या वेनेजुएला से तेल की खरीद बढ़ा दी जायेगी, जैसा कि ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा है. पर इतना मैं अवश्य कहूंगा कि अमेरिका की तरफ से टैरिफ कम करने की जो बात कही गयी है, उससे रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर जो 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया था, वह बात अब पीछे रह गयी है. मेरा मानना है कि अमेरिका और रूस के बीच यूक्रेन युद्ध के यथाशीघ्र समाप्ति को लेकर जरूर कुछ सकारात्मक बातचीत हुई है. दूसरी ओर, ईरान ने भी अमेरिका के साथ अपने रिश्तों को बेहतर करने की कोशिश की है. ऐसे में, मेरी समझ यह कहती है कि इन कारणों से भी भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर सहमति बनी है और अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर टैरिफ घटाने का निर्णय लिया है. यहां भारत को बस इस बात का ध्यान रखना होगा कि हम अमेरिका या वेनेजुएला से जितना भी तेल या तेल उत्पाद का आयात करें, उसके और रूस से आयातित तेल के दाम में बहुत अंतर नहीं होना चाहिए. नहीं तो हमारे आयात बिल पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है. अमेरिका द्वारा टैरिफ कम किये जाने के कारणों की पड़ताल करते हुए इसका इस तरह मूल्यांकन करना चाहिए कि भारत ने अपने जो वैकल्पिक रिश्ते बनाये हैं,

वे काफी सफल रहे हैं. इनका असर न केवल अमेरिका द्वारा भारत के मूल्यांकन पर पड़ा है, बल्कि भारत के अंदरूनी हालात पर भी पड़ा है. इसका दूसरा कारण अमेरिका की अपनी भीतरी

स्थिति भी है. इस वर्ष के अंत में अमेरिका में मध्यवर्ती चुनाव होने वाले हैं और हमें लगता है कि वहां के कांग्रेशनल सर्कल्स और कॉरपोरेट सर्कल्स में यह बात महसूस की जा रही है कि भारतीय उत्पादों पर अत्यधिक टैरिफ लगाने का अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ेगा. इसके साथ ही, वहां जो कांग्रेस के सदस्य या जो कॉरपोरेट समूह हैं, वे भी भारतीय उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाये जाने को लेकर खुश नहीं थे. अमेरिका में भारतीय समुदाय और भारतीय मूल के अमेरिकी भी रहते हैं, टैरिफ का उन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है. कारण जो भी हो, हमें अमेरिका के इस निर्णय का स्वागत करना चाहिए, क्योंकि एशिया के अन्य देशों के साथ हमारे पड़ोसी देशों पर भी 18 प्रतिशत से थोड़ा अधिक टैरिफ है, चीन के मामले में तो यह भारत से लगभग दोगुना है. इस कारण भारतीय निर्यातकों को लाभ मिलेगा.

यहां इस बात की चर्चा भी जरूरी है कि आखिर ट्रंप ने जिस भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत कहा था, उसके साथ व्यापार समझौते और टैरिफ कम करने के लिए वह क्यों राजी हो गये. इसका उत्तर है भारत की तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था. अमेरिका के विशेषज्ञ भी कह रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है. आइएमएफ ने भी कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है और 2026 तथा 2027 में भी यह तेजी से आगे बढ़ेगी, अमेरिकी आर्थिक विशेषज्ञों ने तो यहां तक कहना शुरू कर दिया है कि 2100 तक नॉमिनल संदर्भ में अमेरिकी अर्थव्यवस्था भारत से कमतर, और रियल संदर्भ में तो संभवत: 2050 तक ही वह भारत से कम हो जायेगी. ये सब बातें भी हैं, जिन्हें ध्यान में रखकर अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर लगाये गये 50 प्रतिशत टैरिफ को कम कर 18 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है. अब बात उन क्षेत्रों की जिन्हें टैरिफ कम होने का लाभ मिलेगा. तात्कालिक तौर पर तो फिशरीज, टेक्सटाइल्स, जेम्स व ज्वेलरी क्षेत्र को लाभ

मिलेगा ही, कई ऐसे उत्पाद भी हैं, जिन पर अमेरिका ने पहले से कम टैरिफ लगा रखा था, उनके लिए तो अमेरिकी बाजार पहले से ही खुला हुआ है. बाकी समझौते के अंतिम रूप मिलने के बाद ही यह पता चल पायेगा कि किन उत्पादों पर 18 प्रतिशत का टैरिफ लगेगा और किन पर टैरिफ में थोड़ी और छूट मिलेगी. यहां एक और महत्वपूर्ण पहलू को लेकर चचर्चा आवश्यक है. टैरिफ कम होने की घोषणा जहां हमारे उत्पादकों और निर्यातकों के लिए स्वागत योग्य है, वहीं इसे लेकर कृषि और डेयरी क्षेत्र से जुड़े लोगों का चिंतित होना भी स्वाभाविक है. हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका के कृषि और डेयरी उत्पादों को लेकर किस तरह का समझौता हुआ है. इस समझौते पर भारत ने अमेरिका से क्या वादा किया है, यह भी अभी तक साफ नहीं है. फिर भी अमेरिका के लिए हमारे कृषि और डेयरी बाजार आसानी से नहीं खुलने चाहिए, विशेषकर जीएम प्रोडक्ट के लिए, नहीं, तो भारत के कृषि और डेयरी क्षेत्र

पर इसका दीर्घकालिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है. इस व्यापार सहमति के संदर्भ में रूस के साथ भारत के संबंधों का जिक्र भी जरूरी है, क्योंकि रूस से तेल खरीद को लेकर ही ट्रंप ने भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था. यहां भारत और रूस के संबंधों को हमें थोड़ा अलग नजरिये से देखने की जरूरत है. यह सच है कि भारत ने रूस से तेल खरीद में कमी की है, पर भारत और रूस के संबंध केवल तेल आयात तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि दोनों देशों के संबंध कई मसलों में रणनीतिक हैं. इसलिए हमें रूस के साथ अपने संबंधों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है. दूसरी बात, चूंकि हमारे दोनों पड़ोसी देशों- चीन और पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध अधिकतर तनावपूर्ण ही रहे हैं, ऐसे में रूस के साथ हमारे संबंध काफी महत्वपूर्ण हो जाते हैं और हमें उसे पूरी तवज्जो देनी चाहिए, हम यह नहीं कर सकते कि यूरोप या अमेरिका के साथ हमारे संबंध सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, इसलिए हम रूस के साथ अपने संबंधों को प्राथमिकता देना बंद कर दें.

(बातचीत पर आधारित)
(ये लेखक के निजी विचार हैं.)

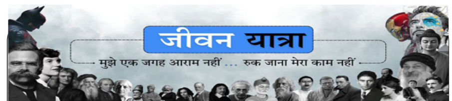

-रेनर मारिया रिल्के

जीवन का सार सब कुछ जीने में है, स्पष्टता के साथ ही नहीं, अधूरेपन के साथ भी। इसलिए अभी मन में उठ रहे प्रश्नों के साथ जिएं। संभव है कि आगे चलकर आप स्वयं को उत्तरों के भीतर जीता हुआ पाएं।

सवालों को बोझ नहीं संभावना की तरह देखें

आपके भीतर उठने वाले सवालों और भावनाओं का उत्तर देने वाला बाहर नहीं है। कोई ऐसा स्थान, कोई व्यक्ति या कोई व्यवस्था नहीं, जो आपके हृदय की गहराइयों में चल रहे उस मौन संवाद को पूरी तरह समझ सके। आपके भीतर अपना एक स्वतंत्र जीवन है, जो बाहरी संसार से अलग अपनी गति में बहता है। शब्द चाहे जितने स्पष्ट, सुंदर या तर्कपूर्ण क्यों न हों, वे उस गहराई तक नहीं पहुंच पाते, जहां अनुभव जन्म लेते हैं। जो सत्य सबसे गहरे होते हैं, वे अक्सर कहे नहीं जा सकते, वे केवल जिए जा सकते हैं। यह आवश्यक नहीं कि जीवन आपको निरुत्तर छोड़ दे। उत्तर किसी एक क्षण में प्रकट नहीं होते, वे आकार लेते हैं। यदि आप उन साधारण चीजों पर भरोसा करना सीख लें, जिन पर इस समय आपकी दृष्टि ठहरी है, प्रकृति की सहज उपस्थिति पर, उन छोटे अनुभवों पर, जिन्हें प्राय: लोग अनदेखा कर देते हैं, तो आप पाएंगे कि वही क्षण अचानक असीम हो जाते हैं। वही छोटे अनुभव, जिन्हें हमने तुच्छ समझा था, भीतर कहीं स्थिरता और अर्थ का आधार बन जाते हैं।

यदि आप उस विनम्रता से प्रेम करना सीखें, तो जीवन अधिक संगत, अधिक मेल-जोल वाला और भीतर से अधिक सांत्वनादायक बन जाता है। संभव है कि यह परिवर्तन तुरंत आपकी चेतना में स्पष्ट न हो, क्योंकि चेतन मन अक्सर आश्चर्य में पीछे रह जाता है, प्रश्नों से उलझा रहता है। पर आपकी अंतरात्मा में, आपकी सजगता और गहन बोध में, यह परिवर्तन चुपचाप आकार लेता रहता है। आप अभी जीवन की दहलीज पर खड़े हैं। बहुत कुछ शुरू होना बाकी है, बहुत कुछ बनना शेष है। इसलिए यह आवश्यक है कि आप अपने हृदय में जो कुछ अभी अधूरा है, उसके साथ धैर्य रखें। उन प्रश्नों से प्रेम करना सीखें, जो अभी उत्तरहीन हैं। उन्हें बोझ नहीं, संभावना की तरह देखें। उन्हें ऐसे स्वीकार करें, जैसे वे बंद कमरे हों, या किसी अनजानी भाषा में लिखी पुस्तकें हों, जिन्हें समझने के लिए पहले उस भाषा में जीना आवश्यक है। उत्तर पाने की जल्दबाजी न करें। जीवन का सार यही है, सब कुछ जीना, स्पष्टता के साथ ही नहीं, बल्कि अधूरेपन के साथ भी। इसलिए अभी प्रश्नों को जिएं। संभव है कि आगे चलकर, आप स्वयं को उत्तरों के भीतर जीता हुआ पाएं। शायद आपके भीतर सूजन की कोई संभावना छिपी हो, जीने का एक विशिष्ट, मौलिक और पवित्र ढंग। स्वयं को उसके लिए तैयार करें। लेकिन जो कुछ भी जीवन आपके सामने लाए, उसे विश्वास के साथ स्वीकार करें। जब तक वह आपकी अपनी इच्छा से, आपकी आत्मा की किसी गहरी आवश्यकता से उपजता है, तब तक उसे अपना उत्तरदायित्व मानकर अपनाएं, क्योंकि जीवन हमें तैयार अर्थ नहीं देता। वह हमें स्वतंत्रता देता है, और उसी के साथ जिम्मेदारी भी। जीवन का अर्थ खोजा नहीं जाता, थोपा नहीं जाता, उसे रचा जाता है।

सूत्र - अपने कर्मों से अर्थ रचें

आपके भीतर उठने वाले प्रश्न और भावनाएं केवल आपके अनुभव हैं, उत्तर बाहर नहीं मिलेंगे। साधारण चीजों, प्रकृति और विनम्रता पर भरोसा करें। अपने कर्मों से अर्थ रखें, स्वतंत्रता और जिम्मेदारी को स्वीकार करें। भविष्य को संवारने के लिए वर्तमान में सही निर्णय लेना आवश्यक है। यही जीवन की सच्ची गरिमा और सृजन का मार्ग है।

मुद्दा

ममता इतनी परेशान क्यों हैं

प. बंगाल में एसआईआर के तहत जिनके नाम कटे हैं, उनमें अधिकांश तृणमूल के ही वोटर हैं। दीदी के गुस्से की मुख्य वजह यही है।

एक लोककथा है, जिसमें एक राजा या राक्षस की जान उसके तोते में बसती थी। तोते के जीवित रहते राजा या राक्षस की जान लेना संभव नहीं था। बंगाल में एसआईआर पर कोलकाता से लेकर दिल्ली तक मचे कोहराम के बीच यह लोककथा याद आई। मृत, फर्जी और घुसपैठियों से %समृद्ध% बंगाल की मतदाता सूची ही वह तोता है, जिसके बूते ममता बनर्जी तीन बार चुनावी वैतरणी पार कर चुकी हैं व चौथी बार बंगाल जीतना चाहती हैं। एसएआई के कारण इस तोते पर जब खतरा आया है, तो वह दहाड़ती फिर रही हैं।

दरअसल दीदी की परेशानी तब बढ़ी थी, जब बांग्लादेश वापस जाने के लिए हजारों घुसपैठिये सीमा पर जमा हुए और चैनलों ने उनका साक्षात्कार दिखाना शुरू किया। जाते-जाते ये घुसपैठिये बता गए कि कैसे उन्हें बंगाल में घुसाया व बसाया गया, सारी सरकारी सुविधाएं दी गईं, ताकि वे वोट बैंक बने रहें। इस महापलायन को रोकने के लिए हर स्तर पर कोशिश हुई। धड़ाधड़ आवास व जन्म प्रमाणपत्र जारी किए गए, कई लोग असंख्य संतानों के पिता बना दिए गए। पर चुनाव आयोग ने इस घपले को पकड़ लिया। सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर चुनाव आयोग ने सूचित किया कि बंगाल में छह से अधिक संतानों वाले दो लाख छह हजार से अधिक मामले मिले, वहीं 8,682 मामलों में 10 से अधिक संतानों का पता चला। 100 से अधिक संतानों के सात व 200 से अधिक संतानों के सात मामले सामने आए हैं।

इस मामले पर ममता बनर्जी के दिल्ली अभियान में कथित रूप से %एसआईआर के कारण मरे% लोगों की विधवाएं व परिजन भी साथ थे। वह सीईओ ज्ञानेश कुमार मिलने गईं और बाहर आकर ज्ञानेश कुमार को घोर अशोभनीय संज्ञाओं से नवाजा। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई शुरू करने के लिए उन्होंने विपक्षी दलों से संपर्क करना भी शुरू कर दिया। सवाल है कि अब तक हुई 110 मौतें एसआईआर के कारण हुई या किसी अन्य वजहों से, यह कैसे साबित होगा? प. बंगाल में एसआईआर के पहले चरण में कुल 58.2 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए, जिनमें 24.16 लाख मृत, 19.88 लाख स्थानांतरित, 1.38 लाख डुप्लीकेट व 1,238 वोटर लापता श्रेणी के थे। यह आंकड़ा ममता के लिए जैसे %सहनीय% था, पर जैसे ही चुनाव आयोग ने जमा प्रपत्रों में तार्किक विसंगति पाई और करीब एक करोड़ 30 लाख लोगों को सुनवाई के लिए नोटिस जारी करना शुरू किया, तो बवाल शुरू हो गया। इसके बाद फरक्का, चाकुलिया, बरासात सहित कई जगहों पर बीडीओ कार्यालय जलाए व तोड़े गए। एसआईआर में लगे कर्मचारियों को पीटा गया। जमा किए गए दस्तावेजों की मिसालों पर गौर करें। उत्तर 24 परगना जिले के 10 साल पहले आया बांग्लादेशी करीम गाजी ने हिंगलगंज में सिद्दीकी गाजी को पिता बनाकर सारे भारतीय दस्तावेज बनवा लिए। सिद्दीकी गाजी पिछले छह साल से बार-बार इस फर्जीवाड़े को रोकने की गुहार लगा रहा था, पर उसका नाम नहीं काटा गया। गायघाटा के रामनगर पंचायत इलाके में तो मियां-बीवी, दोनों के अब्बा एक ही व्यक्ति हैं। हावड़ा की उलुबेड़िया निवासी संचिता प्रमाणिक का नाम 44 अलग-अलग बूथों/प्रविष्टियों) में पाए गए। उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट, हिंगलगंज, नदिया के कालीगंज, नक्काशीपाड़ा और पलासीपाड़ा विधानसभा क्षेत्रों, मालदा व मुर्शिदाबाद जिले 'तार्किक विसंगति' के प्रमुख केंद्र बने हुए हैं। यहां सर्वाधिक संख्या ऐसे वोटरों की है, जिनके पूर्वज/पिता/माता एक ही व्यक्ति है। हालांकि ममता के उत्तराधिकारी अभिषेक बनर्जी ने वास्तव में जीवित, मगर ड्राफ्ट सूची में मृत बताए गए कुछ लोगों से रैंप वॉक कराया। इस भूल के दोषी वहां के बीएलओ थे। इस तरह की भूलों को सुधारने का अभी समय है। वैसे, विपक्ष का आरोप है कि कुछ गलतियां जान-बूझकर की गई हैं, ताकि हंगामा करके एसआईआर की प्रक्रिया को बाधित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में तृणमूल को कुल 2,47,57,345 वोट और भाजपा को 2,30,28,517 वोट मिले थे। मतलब भाजपा को उससे केवल 17 लाख 28 हजार 828 वोट कम मिले। इस चुनाव में भाजपा की सीटें 18 से घटकर 12 पर आ गई, मगर 90 विधानसभा सीटों पर उसकी बढ़त दिखी। एसआईआर के चलते अब तक करीब 58 लाख नाम कट चुके हैं।

-बिमल राय

दूसरा पहलू

बलिया के मनियर कस्बे में चालीस किलोमीटर के इलाके में लगभग 1.5 लाख की आबादी है, जो घरों में बिंदी बनाने का काम करती है।

जहां जन्मी माथे पर सजनेवाली बिंदी

बलिया में बिंदी का मायका है। या यूं कहें कि देश की तमाम औरतों के माथे पर सजने वाली बिंदी की पैदाइश पूर्वांचल के बागी बलिया के मनियर कस्बे में हुई थी। ऋषि-मुनियों की इस धरती का नाम पहले मणिवर और मुनिवर था, जो बाद में मनियर हो गया।

बुजुर्ग कहते हैं कि सबसे पहले यहां कांच की बिंदी बनाई जाती थीं। फिर उस पर सोने-चांदी की परत चढ़ाई जाने लगी। कई बार रंगों से कलाकारी भी की जाती थी। फिर बिंदियों पर वेलवेट का कब्जा हो गया। बाद में चिपकने वाले स्टिकर बिंदी ने पूरे कारोबार पर कब्जा जमा लिया। इस वेलवेट की बिंदी को बनाने के लिए लोहे के छोटे पाइप नुमा छापे तैयार किए जाते थे। इस छापे की नुकीली आकार वाले सिरे से बिंदियों की अलग-अलग गोल, लंबी, चौकोर डिजाइन में कटिंग होती थी।

पहले कांच की बिंदी बनती थीं। फिर उस पर सोने-चांदी की परत चढ़ाई जाने लगी। फिर बिंदियों पर वेलवेट का कब्जा हो गया।

चालीस किलोमीटर के इस इलाके में लगभग 1.5 लाख की आबादी है, जो घरों में बिंदी बनाने का काम करती है। सालाना कारोबार लगभग 30-40 करोड़ रुपये का है। इसे एक जनपद, एक उत्पाद योजना में भी शामिल किया गया है। घर के पुरुष कच्चा माल लाते हैं, तो महिलाएं उसे चिपकाने और पैकिंग का काम करती हैं। जब कांच की बिंदिया बनती थीं, तो भट्टी में कांच पिघलाकर तैयार करने का काम पुरुष करते थे। अब जब मशीन से प्रिंट होने लगीं, तो उसे काटकर, चिपकाने वाला काम महिलाएं ज्यादा करती हैं। इफ्तिखार अहमद चौथी पीढ़ी हैं, जो इस कारोबार में जुटे हैं। उन्हें दादा ने यह हुनर सिखाया था, जो अब उनके लिए विरासत सा है। कई घर ऐसे हैं, जहां सास डिजाइन तैयार करती हैं, बहू उन्हें चिपकाती है और बेटियां पैकिंग करती हैं। अपनी दादी सास से यह हुनर सीखने वाली रेहाना कहती हैं कि इसी से बच्चों की पढ़ाई हुई और बेटी की शादी भी। यही वजह है कि घर-घर में बिंदी की छोटी फैक्ट्री लगी है। आंगन रंग-बिरंगे डिब्बों से भरा रहता है। रमिता देवी जबसे ब्याह कर आईं, तभी से बिंदी चिपकाने और कटिंग का काम करती हैं। उनकी पड़ोसन शशिकला कहती हैं कि हम औरतें घर बैठे बिंदी बनाकर ठीक-ठाक पैसा कमा लेती हैं। दिनभर में 10 डिब्बे वह अकेले तैयार कर देती हैं। मनियर से बिंदी तैयार होकर वाराणसी या फिर गोरखपुर के रास्ते दिल्ली, मुंबई तक जाती है। कई बार वहां बड़े ब्रांड अपनी पैकिंग के साथ भी बेचते हैं, नए नाम के साथ। कस्बे की गलियों में शायद ही कोई घर होगा, जहां बिंदी बनाने से जुड़ा कोई काम न होता हो। मनियर की बिंदी इलाके में अपनी खूबियों की वजह से मशहूर है। कई घर ऐसे हैं, जहां सास डिजाइन तैयार करती हैं, बहू उन्हें चिपकाती है और बेटियां पैकिंग करती हैं। मनियर से बिंदी तैयार होकर वाराणसी या फिर गोरखपुर के रास्ते दिल्ली, मुंबई तक जाती हैं।

-उपमिता वाजपेयी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। निचले भावों पर माँग आने से गुरूवार को अनाज मंडी में तुअर बाजार बड़त पर रहे। चने में मजबूती बनी। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। किराना जिंसों में नारियल मजबूती पर रहा।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर में निचले भावों पर माँग आने से बाजार तेजी पर रहे। चना लेवाली से बड़त पर रहा। खाद्य तेलों में कामकाज अच्छा रहा। तिलहनों में सरसो व सोयाबीन में बाजार सुर्खी पर रहे। उधर, किराना जिंसों में नारियल लेवाली से भावों में सुधार बना हुआ है।

भाव इस प्रकार रहे ~

किराना - शक्कर 4060-4120, खोपरा गोला 335-375, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बार्रि?क 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1300-1350, क्लीन 1500-1550, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विरूद्ध नगर 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोर्निया 780-795, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल - सींगदाना 1740-1760, मुम्बई 1750, राजकोट तेलिया 2690, सोया साल्वेंट 1320-1325, सोया रिफाइंड 1385-1400, कपास्या 1315-1320, धूलिया 1320, कड़ी 1320,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1700, मुम्बई पाम 1330, मुम्बई सोया 1405,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2325, देवास-उज्जैन 2325, खंडवा-बुरहानपुर 2300, अकोला 3600 (प्रति क्कं?टल)

तिलहन - सरसो 7400-7600, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 5500-5650, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 5850-5900, एवरेज 5650-5700, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5500-5600, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7900-8000, एवरेज 7700-7800, हल्की 7500-7600, तुअर महाराष्ट्र 8200-8400, उड़द बेस्ट 8700-8800, एवरेज 8500-8600, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल - चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल - चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा - इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर । गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार बेहद ठंडा-ठंडा रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मंदी के रहे। भाव इस प्रकार रहे ~

चाँदी (9999) 261000, चाँदी (99) 260000, टंच 259500, सिक्का 3000, सोना 10 ग्राम 159000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 13 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.33 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 90.52 पर खुला, फिर कुछ बढ़त के साथ 90.40 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 7 पैसे की बढ़त दिखाता है। सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया एक छोटे दायरे में कारोबार कर रहा था। आज सुबह डॉलर इंडेक्स 0.18 फीसदी बढ़कर 97.79 पर कारोबार कर रहा था।पिछले एक महीने में भारतीय रुपये में 0.36 फीसदी की गिरावट आई है और पिछले 12 महीनों में यह 3.25 फीसदी तक गिरा है।

सेंसेक्स 503 अंक गिरकर 83,313 के स्तर पर बंद

मुंबई। वैश्विक शेयर बाजारों में कमजोरी के रुझान के बीच, बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को तीन दिन की तेजी को तोड़ते हुए गिरावट के साथ बंद हुए। मंदी के साथ कारोबार शुरू करने के बाद, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 503.76 अंक या 0.60 प्रतिशत और गिरकर 83,313.93 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 666.07 अंक या 0.79 प्रतिशत गिरकर 83,151.62 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 133.20 अंक या 0.52 प्रतिशत गिरकर 25,642.80 पर बंद हुआ। चंद घंटों के कारोबार में निवेशकों की गाढ़ी कमाई का बड़ा हिस्सा, करीब 2.62 लाख करोड़ रुपये पानी में बह गया।

जानकारों का कहना है कि हाई लेवल से मुनाफाखोरी, मेटल स्टॉक में बिकवाली और आईटी शेयरों के दबाव में शेयर बाजार बिखर गया। सेंसेक्स सूची में शामिल कंपनियों में से, इटरनल, भारती एयरटेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटीसी, इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और एशियन पेंट्स प्रमुख रूप से पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। वहीं ट्रेंट, टाटा स्टील, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और बजाज फाइनेंस को लाभ हुआ।

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक लगभग 4 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ। जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक भी नकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में गिरावट देखी गई। बुधवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर गिरावट के साथ बंद हुए।

इंडिगो ने बाजार में प्रभुत्व का दुरुपयोग कर प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल असर डाला

नई दिल्ली,। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने दिसंबर में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में गुरुवार को विमानन कंपनी इंडिगो के खिलाफ जांच का आदेश दिया है। सीसीआई ने अपनी शुरुआती जांच में पाया कि इंडिगो ने बाजार में अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग करते हुए सेवाओं को प्रतिबंधित करके प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल असर डाला है। पिछले साल 18 दिसंबर को आयोग ने बयान में कहा था कि उसने 1 से 9 दिसंबर के बीच विभिन्न मार्गों पर हवाई सेवाओं में व्यवधान के संदर्भ में इंडिगो के खिलाफ दायर जानकारी का संज्ञान लिया है।

सीसीआई ने कहा कि हजारों की संख्या में उड़ानें रद्द कर इंडिगो ने अपनी तय क्षमता का एक अहम हिस्सा बाजार से हटा लिया जिससे कृत्रिम अभाव उत्पन्न हो गया और अ?धिक मांग के समय यात्रियों को हवाई सफर की सुविधा नहीं मिल सकी। आयोग ने कहा कि बाजार में वर्चस्व वाली कंपनी की ओर से ऐसे आचरण को प्रतिस्पर्धा अधिनियम के तहत सेवाओं की आपूर्ति सीमित करना माना जा सकता है। सीसीआई के आदेश के बारे में पक्ष जानने के लिए इंडिगो को ईमेल किया गया लेकिन अभी तक जवाब नहीं आया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीसीआई ने कहा कि प्रथम दृष्टया इंडिगो का यह आचरण भारत में प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता प्रतीत होता है। इसके मद्देनजर आयोग ने मामले की विस्तृत जांच के लिए अपने महानिदेशक को निर्देश दिए हैं। महानिदेशक कार्यालय को 90 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। आदेश से पता चला कि इंडिगो ने सीसीआई को बताया है कि प्रतिस्पर्धा अधिनियम आयोग को क्षेत्रीय नियामक ढांचे की पर्याप्तता या प्रभावशीलता की जांच करने का अधिकार नहीं देता है। इंडिगो ने कहा कि डीजीसीए के विशिष्ट अधिकार क्षेत्र में आने वाले मामलों में आयोग का कोई भी हस्तक्षेप अधिकार क्षेत्र का गलत इस्तेमाल होगा।

अब येस बैंक की कमान संभालेंगे टोंसे, बैंक वृद्धि बहाली अगले चरण में ले जाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। येस बैंक में प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्याधिकारी का पदभार संभालने जा रहे विनय मुरलीधर टोंसे पर बैंक को वृद्धि के अगले चरण में ले जाने की जिम्मेदारी है। वह प्रशांत कुमार की जगह लेंगे। हाल की तिमाहियों में बैंक के कारोबार की वृद्धि, खासकर खुदरा क्षेत्र में, सुस्त रही है, क्योंकि बैंक होम लोन और कार लोन जैसे ऋण क्षेत्र से हटकर मिल यील्डिंग सेग्मेंट की ओर बढ़ रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान की वित्त क्षेत्र की दिग्गज एसएमबीसी द्वारा बैंक में पिछले साल 25 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के बाद यह नियुक्ति होने जा रही है, जिसे देखते हुए इसे अहम माना जा रहा है। येस बैंक के मौजूदा एमडी और सीईओ प्रशांत कुमार की तरह मुरलीधर टोंसे भी भारतीय स्टेट बैंक में काम कर चुके हैं। वह नवंबर 2025 में स्टेट बैंक से प्रबंध निदेशक पद से सेवानिवृत्त हुए थे। टोंसे के येस बैंक के एमडी और सीईओ पद पर नियुक्ति पर एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि उन्हें हर क्षेत्र का अनुभव है।

मेष - आज आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी समस्याएं बढ़ेंगी और बाहर आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। आप आज कामों को लेकर परेशान रहेंगे, लेकिन फिर भी आपको किसी से बातचीत करते समय वाणी की सौम्यता को नहीं खोना है। आप अच्छे खानपान का आनंद लेंगे, लेकिन सेहत को लेकर भी आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है।

वृषभ - आज का दिन आपके लिए कुछ विशेषकर दिखाने के लिए रहेगा। आपको कुछ विशेष व्यक्तियों से मिलने का मौका मिलेगा और आप अपनी कार्य कुशलता से आज कार्यक्षेत्र में लोगों का दिल जीतेंगे। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपनी शारीरिक समस्याओं को नजरअंदाज करने से बचना होगा।

मिथुन - आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती भरा रहने वाला है। आपको अपने कामो को लेकर उचित मार्गदर्शन मिलेगा और यदि आप राजनीति में हाथ आजमाने की सोच रहे हैं, तो उसके लिए आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है। आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और कोई छुपा हुआ राज परिवार के सदस्यों के सामने आ सकता है।

कर्क - आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। कारोबार में आपकी कोई बड़ी डील फाइनल होने में कुछ समस्या आ सकती है। मामा पक्ष आज आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है। परिवार के सदस्यों को लेकर आप कहीं घूमने फिरने जा सकते हैं। आपकी अपने आप पड़ोस में सहयोगी से किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है।

सिंह राशि - आज आपको अपने घर के साथ-साथ बाकी कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। विदेशों से आयात निर्यात कर रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी के साथ समय बिताएंगे। पारिवारिक जीवन में आपको आपसी तालमेल बनाकर चलने की आवश्यकता है। आपको किसी लिए गए निर्णय के लिए पछतावा हो सकता है, इसलिए आप जल्दबाजी बिल्कुल ना करें।

कन्या -आज का दिन आपके मान सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी रचनात्मक क्षमता बढ़ेगी। आपको अपनी आय और व्यय में तालमेल बनाकर चलने की आवश्यकता है। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आपको अपनी संतान की सेहत के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। आपके बॉस आपको यदि कोई जिम्मेदारी दें, तो आप उसे पूरा ध्यान से निभाने की कोशिश करें। वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएगी और आपकी रचनात्मक क्षमता बढ़ेगी।

तुला -आज का दिन नौकरी में बदलाव के लिए अच्छा रहने वाला है। आप कुछ नये कपड़े, मोबाइल, लैपटॉप आदि की खरीदारी कर सकते हैं। जीवनसाथी के लिए आप कोई सरप्राइज पार्टी प्लान करेंगे। आपको आसपास रह रहे लोगों को पहचान कर चलने की आवश्यकता है। छोटे बच्चों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक -आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। आपके अटके हुए काम पूरे होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। माताजी की सेहत में यदि कोई समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। नौकरी में आपको अपने सहयोगियों से कोई बात नहीं करनी है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। परिवार में किसी सदस्य से यदि कोई वाद विवाद चल रहा था, तो वह भी बातचीत के जरिए दूर होता दिख रहा है।

धनु - आज का दिन आपके लिए तकनीकी क्षेत्रों में बढ़िया रहने वाला है। आप अपने ज्ञान को बढ़ाने में कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे और विद्यार्थियों को अध्यापकों का भी पूरा साथ मिलेगा, लेकिन आपको किसी सरकारी काम को लेकर चक्कर काटने पड़ेंगे, क्योंकि आपके उन कामों में मंदी होगी।

मकर - आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। यदि आप किसी काम को करेंगे, तो वह आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको काम को लेकर व्यस्तता अधिक रहेगी, लेकिन फिर भी आप अपने कामों को समय से निपटाने की कोशिश में लगे रहेंगे और अपने जीवनसाथी की ओर से आपको सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

कुंभ - आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति को लेकर आप कोई महत्वपूर्ण कदम उठाएंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। परिवार के सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपके ऊपर यदि कुछ कर्जा था, तो उसे भी आप काफी हद तक उतारने की कोशिश करेंगे।

मीन - आज का दिन आपके लिए व्यवसाय के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपका योजनाओं पर अच्छा खासा खर्चा होगा और आपकी किसी बात को लेकर यदि कोई समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप कुछ मनचाहे खर्च करेंगे, जो आपको समस्या देंगे। आपको अपने कीमती सामानों पर पूरा ध्यान देना होगा। जीवनसाथी के साथ आपको तालमेल बनाकर चलना होगा और आपके कुछ नई योजनाओं से आपको कुछ मुश्किलें आ सकती हैं।

दैनिक पंचांग

01 जून 2021 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.13 बजे से
चंद्र	मकर में	कर्क	8.26 बजे से
मंगल	मिथुन में	सिंह	10.43 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.55 बजे से
गुरु	कुंभ में	तुला	15.05 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.20 ब.से
शनि	मकर में	धनु	19.36 बजे से
राहु	वृष में	मकर	21.41 बजे से
केतु	वृश्चिक में	कुंभ	23.28 बजे से
राहुकाल		मीन	01.00 बजे से
3.00 से 4.30		मेष	02.31 बजे से
बजे तक		वृष	04.11 बजे से

मंगलवार 2021 वर्ष का 152 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 00.47 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 16.08 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 03.01 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 12.51 बजे तदनन्तर बव 00.47 बजे रात्र को समाप्त।

चन्द्रायु 20.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 03'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1870901
जूलियन दिन 2459366.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2547
हिजरी सन् 1442
महीना सव्वाल **तारीख** 19
विशेष बाल सुरक्षा दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 4500

1	2		3			4		5	
6					7				
	8	9					10		
11				12		13			
14	15		16		17				18
19			20					21	
		22			23		24		
	25			26			27		
28		29			30				
31				32			33		

बायें से दायें:-

1. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
4. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-4
6. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-2
7. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-2
8. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-3
10. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-3
12. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-3
14. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-4
17. अस्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
19. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-2
20. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-2
21. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-2
22. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-2
23. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-3
25. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-2
26. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-2
27. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-3
29. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-2
30. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-2
31. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-3
32. फिल्म 'तपस्या' की नायिका ?-2
33. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-3

ऊपर से नीचे:-

1. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-2
2. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-3
3. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-3
4. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-2
5. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-4
7. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-1,3
9. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
11. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-4
13. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-4
15. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका ?-2
16. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-3
18. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-4
22. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-2,2
23. रेखा, दिलिपकुमार, ममता की फिल्म-2
24. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-4
28. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 4499 का हल

त्रि	शु	ल		ग	दा	र		धा	
दे		गा	य	ब		ह	म	रा	ज
व	च	न		न	ग	मा		वी	रु
	र		घ		ज	न	म		र
ती	स	री	मं	जि	ल		दा	व	त
स			डी			नू	री		
रा	जा	जी		अ	मृ	त		प	
कौ	न			प		न	व	रं	ग
न		अ	नु	रा	ग			प	
	जु	म्मा		ध		अ	प	रा	ध

सूडोकु नवताल- 4500

★★★☆☆ मध्यम

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -4499 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 4500

1			2	3			4	5
		6				7		
	8				9			
10				11				12
13			14				15	
		16				17		
	18				19			
20				21				22
23			24				25	

बाएँ से दाएँ

1.आरंभ-2
2.भूतकाल-3
4.आरंभ, उद्‌गम स्थल-2
6.अंतर्गत-3
7.अतिरिक्त-3
8.मृत्यु विजेता-3
9.आम, नीबू आदि की चटनी-3
10.बुद्धि, सूझ-3
11.गश्त-3
13.सिर कटा शरीर-2
14.विशुद्ध, मूलधन-3
15.धरती की धूरी-2
16.राक्षस-3
17.अमिट-3
18.प्याऊ-3
19.आदर्श-3
20.झंडा, निशान-3
21.अजित, अभेद्य-3
23.नाखून-2
24.आकाश -3
25.कण-2

ऊपर से नीचे

1.आग-2
2.आतुर, चंचल-3
3.दो और एक-2
4.सूर्य की ऊर्जा (अं.-3)
5.इस पर रोटी सेकी जाती है-2
6.आचरण-3
7.अचानक-3
8.घमंड-3
9.स्थिर-3
10.पाप, अन्याय-3
11.प्रभाव-3
12.शब्द-3
14.राक्षस की औरत-3
15.गतिहीन-3
16.महत्वपूर्ण-3
17.दोषदर्शी-3
18.अदृश्यमान-3
19.चिरयुवा-3
20.इतर '...जान'-2
21.इस समय-2
22.परमाणु-2

शब्द पहेली -4499 का हल

	वि	वा	द		ता	क	त	
अ		दा	र	म	दा	र		ना
ना	च		गा	र	द		दे	व
थ	म	ना		ण		आ	व	क
	क	ग	र		भा	ग	ना	
अ	दा	ज		वि		म	ग	र
गा	र		च	म	न		गी	म
र		रा	म	ल	ख	न		णी
	घा	त	क		रा	व	ण	

आप का राशिफल 01 जून

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) - व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) - कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन - यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) - [illegible] बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) - मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) - कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) - परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

शब्दजाल - 4500

प्र	क	ल	प्र	कृ	ति	र्ल	धी	प्र	ल	ज
र	जा	ल	दे	प्र	ता	प	इं	ति	ट	वा
त	स	ति	ल	र्म	छ	रा	रा	शो	ख	प्र
प्र	ज	ज	सु	पु	र	प्र	प	ध	ली	ति
म	ती	दो	ग	ल्ता	लं	णा	तू	गी	झ	कू
प्र	क	क्षा	प	ह	न	म	ना	ता	घ	ल
जा	अ	स	त	या	प	त	श	ज	ला	ट्रे
प	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न
ति	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	प्र	ख	र	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	प्र	का	श	त

शब्दजाल में 'प्र' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

प्रणाम,प्रकाश,प्रकृति,प्रजापति,प्रतीक्षा, प्रताप,प्रखर,प्रजाति,प्रतिकूल,प्रतिशोध

शब्दजाल - 4499 का हल

जी	न	त	अ	मा	न	र	तू	ग	झ	डिं
ज	प्री	ल	म	आ	ज	या	भा	दु	ड़ी	प
अं	ती	नु	दि	ल	दा	ल	व	र	ला	ल
ज	जिं	का	जो	ल	ला	क	ही	रि	श	क
स	व	श	दे	रा	खी	स	दा	ग	वी	पा
री	रं	ल	चु	व	लि	र्त	र	ती	प	ड़ि
रा	गा	ल	के	गा	प	म	ह	कौ	या	या
नी	बा	रे	खा	त	क	छ	मा	ग	श	थ
मु	स	मि	न	व	न	ज	न	शा	जू	द
ख	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
र्जी	ऐ	श्व	र्या	रा	य	य	या	दु	र	क

संस्कृति विभाग द्वारा शिवरात्रि पर्व पर कोटेश्वर में 15 फरवरी को महादेव महोत्सव

विधायक राजकुमार की पहल पर महादेव महोत्सव संस्कृति विभाग के कैलेण्डर में शामिल

पद्मेश न्यूज। लांजी।

धर्म नगरी लांजी जहा साक्षात कोटेश्वर महादेव का वास है सुरमयी वादियो से घिरा यह पुरातात्विक स्थल आज लाखो श्रृद्धालुओ के आस्था का केन्द्र बन चुका है। पर्यटन की नजरो से भी देखा जाये तो कोटेश्वर धाम में वर्ष के 12 माह भक्तो का तांता लगा रहता है। वहीं महशिवरात्रि पर्व एवं श्रावण मास पर यह कोटेश्वर धाम किसी बडे धार्मिक स्थल के मेले से कम नही दिखाई देता जहां लाखो भक्त गण अपनी आस्था और श्रृद्धा के साथ कोटेश्वर धाम पंहुचकर मनवांछित फल की प्राप्ती करते है। इसी धार्मिक स्थल पर क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा वर्ष 2025 में कोटेश्वर महोत्सव का आयोजन किया गया था तथा विधायक राजकुमार ने आवश्यक पहल करते हुये मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं संस्कृति विभाग मंत्री धर्मेन्द्र लोधी से कोटेश्वर महोत्सव को संस्कृति विभाग में शामिल किये जाने हेतु महत्वपूर्ण प्रयास किया गया जिस पर उन्हे सफलता हासिल हुई और अब संस्कृति विभाग ने महादेव महोत्सव के तहत इस कार्यक्रम को संस्कृति विभाग के कैलेण्डर में शामिल किया गया तथा आने वाले महाशिवरात्रि पर्व 15 फरवरी को संस्कृति विभाग कोटेश्वर धाम में एक विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन करवा रहा है जिसका संपूर्ण श्रेय क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे को जाता है जिनकी सार्थक पहल अब कोटेश्वर धाम को पर्यटन एवं धार्मिक क्षेत्र में और भी आगे बढायेगी तथा पर्यटन की अपार संभावनाऐं बनेगी जहां हर वर्ग को इसका लाभ प्राप्त होगा। वहीं कोटेश्वर महोत्सव का महादेव महोत्सव के तहत संस्कृति विभाग मप्र शासन में शामिल किये जाने को लेकर क्षेत्रीय ग्रामीण जनों ने हर्ष व्याप्त किया है तथा विधायक राजकुमार कर्राहे कि इस पहल को सराहते हुये धन्यवाद ज्ञापित किया गया है। निश्चित रूप से संस्कृति विभाग के द्वारा महादेव महोत्सव का आयोजन क्षेत्र के लिये एक बडी उपलब्धि है। वर्तमान में कोटेश्वर महोत्सव के आयोजन को लेकर चर्चाऐं जोरो पर है जिस पर विधायक राजकुमार कर्राहे ने बताया कि बोर्ड परीक्षाऐं प्रारंभ हो चुकी है जो कि महाशिवरात्रि पर्व के दौरान ही प्रारंभ होगी इसलिये हमारे द्वारा बच्चो के परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुये कोटेश्वर महोत्सव का आयोजन 10 मार्च से किये जाने को लेकर रूपरेखा तैयार किया जा रहा है। विगत वर्ष के मुकाबले इस बार कोटेश्वर महोत्सव और भी बढिया रूप में प्रदर्शित होगा। हमारा प्रयास रहेगा कि इस बार भी हमारे मुखिया डॉ मोहन यादव जी इस कोटेश्वर महोत्सव का हिस्सा बने साथ ही हमारे मंत्री गण एवं गणमान्य अतिथि इस कोटेश्वर महोत्सव में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री और मंत्री का धन्यवाद

विगत वर्ष कोटेश्वर महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र लोधी का आगमन हुआ था हमने उनसे मांग किया था कि पर्यटन की दृष्टि और संस्कृति विभाग को जोड ?र इस आयोजन को मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा आयोजित कार्यक्रम बनाने का हमने प्रयास किया और ये सफल भी हुआ। संस्कृति विभाग के मंत्री और मुख्यमंत्री का धन्यवाद जिन्होंने संस्कृति विभाग में कोटेश्वर महोत्सव को जोड़ा है।

लोक-भक्ति गायन एवं नृत्य नाटिका की होगी प्रस्तुतियां

कोटेश्वर महादेव महोत्सव के तहत 15 फरवरी को शिव केंद्रित नृत्य नाटिका, लोक गायन एवं भक्ति गायन की प्रस्तुतियां संयोजित की जाएंगी। यह आयोजन शिवभक्ति, लोक परम्परा और शास्त्रीय सुगम कलाओं के सुरम्य संगम के रूप में श्रद्धा और भक्ति की एक अनुपम संध्या रचेगा। छतरपुर के रामसिंह राय अपने लोक गायन से मंदिर की पावन धरा पर सांस्कृतिक चेतना का दीप प्रज्वलित करेंगे। इसके पश्चात भोपाल की विधिका मिष्ठी की आदिदेव भगवान शिव पर केंद्रित भावप्रवण प्रस्तुति होगी। जिसमें नृत्य नाटिका के माध्यम से कलाकार शिव कथा को जीवंत करेंगे। समारोह की अंतिम कड़ी में जबलपुर के ईशान मिनोचा एवं साथी कलाकार भक्ति गायन की प्रस्तुति देंगे। जिनके स्वरों में रची शिव-आराधना वातावरण को आध्यात्मिक भाव विभोरता से आलोकित करेगी।

परसवाड़ा में किराना दुकान में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम परसवाड़ा में 4 फरवरी की रात करीब 12 बजे एक किराना दुकान में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि दुकान में रखा लगभग पूरा सामान जलकर खाक हो गया। इस घटना से

दुकान मालिक को करीब 3.25 लाख रुपये का भारी नुकसान हुआ है। पीड़ित दुकानदार विरेन्द्र लिल्हारे पिता सुखराम लिल्हारे, जाति- लोधी, निवासी परसवाड़ा, थाना लांजी ने पुलिस को दी जानकारी के अनुसार, उनकी दुकान परी किराना दुकान के नाम से संचालित है, जो उनके घर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर स्थित है। उन्होंने बताया कि 4 फरवरी की शाम 10 बजे दुकान बंद करके घर चले गए थे। रात करीब 1 बजे पड़ोसी ने उन्हें सूचना दी कि दुकान में आग लग गई है। तुरंत मौके पर पहुंचे विरेन्द्र ने देखा कि दुकान में आग की लपटें उठ रही थीं। हल्ला-गुल्ला सुनकर इकट्ठे हुए पड़ोसियों की मदद से मोटर चालू कर पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया गया। लगभग 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक दुकान में रखी लगभग सारी सामग्री जल चुकी थी। आग में फ्रिज, कूलर, फोटोकॉपी मशीन, 2 गैलन, 1 कंप्यूटर, किराना सामग्री, स्टेशनरी, कोल्ड ड्रिंक्स, जनरल सामग्री, दुकान के गल्ले में रखी लगभग 5 हजार रुपये नकद, आवश्यक दस्तावेज आदि सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। विरेन्द्र लिल्हारे ने अनुमानित नुकसान 3 लाख 25 हजार रुपये बताया है। अज्ञात कारणों से लगी इस आग के संबंध में पीड़ित ने लांजी पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आगजनी का मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है। फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल सका है, जांच जारी है।

लांजी में शराब माफिया का बोलबाला-ओवररेटिंग और अवैध बिक्री से जनता त्रस्त, प्रशासन की चुप्पी संदेहास्पद

आदेश के बावजूद दुकानों में नहीं लगी है रेट लिस्ट

पद्मेश न्यूज। लांजी। तहसील क्षेत्र में शराब ठेकेदारों की मनमानी चरम पर पहुंच गई है। पिछले तीन महीनों से अधिक समय से देशी-विदेशी शराब की कीमतों में बेलगाम वृद्धि कर आम जनता को खुलेआम लूटा जा रहा है। विभिन्न समाचार पत्रों और न्यूज चैनलों में इस मुद्दे पर लगातार खबरें प्रकाशित होने के बावजूद, आबकारी विभाग और स्थानीय प्रशासन कोई ठोस कदम उठाने से कतरा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, जिला आबकारी अधिकारी से इस संबंध में कई बार सवाल किए गए हैं, लेकिन हर बार पर्याप्त अमला नहीं होने का बहाना बनाकर मामले को टाल दिया जाता है। हैरानी की बात यह है कि एक ओर आबकारी अधिकारी के निर्देश पर ग्रामीण इलाकों और जंगलों में महुआ लाहन और कच्ची शराब बनाने वालों के खिलाफ लगातार छापेमारी की जा रही है, और इन कार्रवाइयों को जनसंपर्क के माध्यम से सरकारी उपलब्धि के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। वहीं, बड़े शराब ठेकेदारों पर हाथ डालने से विभाग पीछे हटता नजर आ रहा है। लांजी तहसील के लगभग हर गांव में ठेकेदारों द्वारा पैकारों के जरिए सुबह-सुबह भारी मात्रा में शराब पहुंचाकर अवैध बिक्री कराई जा रही है। लेकिन इस अवैध कारोबार पर न तो पुलिस कोई कार्रवाई कर रही है और न ही आबकारी विभाग। स्थानीय समाज सुधारकों और पुलिस प्रशासन की इस चुप्पी ने पूरे मामले को और अधिक संदिग्ध बना दिया है। स्थानीय निवासियों की मांग है कि लांजी तहसील की सभी शराब दुकानों की दर सूची, बिक्री व्यवस्था, अवैध सप्लाई और जबरन वसूली की

तत्काल जांच की जाए। दोषी ठेकेदारों पर कड़ी कार्रवाई हो, अन्यथा यह साफ हो जाएगा कि प्रशासनिक संरक्षण में शराब माफिया फल-फूल रहा है। तहसील क्षेत्रों में पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता भी सवालों के घेरे में है। जहां जिला मुख्यालय में नगर निरीक्षक कामेश धूमकेती के मार्गदर्शन में शराब दुकानों पर पहुंचकर दुकानों के पास शराब पीने, गंदगी फैलाने से रोकने और व्यवस्थित व्यापार की हिदायत दी जा रही है, वहीं लांजी नगर में ऐसी कोई सक्रियता नहीं दिख रही। इसका सीधा फायदा ठेकेदारों को मिल रहा है और आम जनता ठगी का शिकार हो रही है। लांजी नगर एवं आसपास की शराब दुकानों में ग्राहकों को छुट्टे पैसे वापस नहीं किए जा रहे। बल्कि उन्हें जबरन दुकान से ही पानी पाउच और प्लास्टिक डिस्पोजल खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। बाजार में एक-एक रुपये में उपलब्ध ये सामग्री शराब दुकानों में 10-10 रुपये में बेची जा रही है। इस खुली लूट पर भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही। इसके अलावा, लांजी-आमगांव मार्ग पर संचालित शराब दुकान के पास बने अहातों में दिनदहाड़े शराबखोरी खुलेआम जारी है, जिससे क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और सामाजिक माहौल पर गंभीर असर पड़ रहा है। आम जनता के मन में कई सवाल उठ रहे हैं- जब पिछले तीन महीनों से ओवररेटिंग की शिकायतें सामने आ रही हैं, तो आबकारी विभाग ने अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की? गांव-गांव पैकारों के जरिए सुबह-सुबह शराब पहुंचाने की जानकारी प्रशासन को है या नहीं? यदि है, तो किसके संरक्षण में यह अवैध सप्लाई चल रही है? लांजी-आमगांव मार्ग पर ग्राहकों से छुट्टे पैसे न लौटाना और जबरन पानी पाउच-डिस्पोजल बेचना किस नियम के तहत वैध है? जिला मुख्यालय में पुलिस सख्ती से नियमों का पालन करा रही है, तो लांजी तहसील में पुलिस कार्रवाई से क्यों पीछे हट रही है? क्या यह प्रशासनिक दोहरा मापदंड नहीं है? अहातों में खुलेआम शराबखोरी पर आज तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या आबकारी विभाग सिर्फ ग्रामीणों और कच्ची शराब बनाने वालों पर कार्रवाई दिखाकर बड़े ठेकेदारों को संरक्षण दे रहा है? क्षेत्र में एक और गंभीर समस्या यह है कि शराब कंपनियों के कर्मचारी या एजेंट मोटरसाइकिल से शराब की तस्करी कर रहे हैं। सुबह 7 बजे से ही पैकारों के घरों तक शराब पहुंचाई जा रही है। इन पैकारों द्वारा ग्रामों में अवैध रूप से शराब बेची जा रही है, जिससे गांवों का माहौल खराब हो रहा है। अवैध शराब बिक्री के चलते बच्चे और युवा वर्ग नशे की लत में फंसते जा रहे हैं। इस प्रकार की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगना जरूरी है, लेकिन विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन जल्द कार्रवाई नहीं करता, तो यह मुद्दा और बड़ा रूप ले सकता है।

ईंट भट्टे से सामग्री चोरी, संचालक ने पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद क्षेत्र अंतर्गत बिसोनी के वार्ड क्रमांक 20, चीचटोला में संचालित एक ईंट भट्टे से उपयोगी सामग्री चोरी होने की घटना सामने आई है। ईंट भट्टा संचालक पवन कश्यप ने थाना लांजी में लिखित शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें दो युवकों पर चोरी का आरोप लगाते हुए सामान वापस दिलाने की मांग की गई है। पवन कश्यप ने बताया कि वे प्रतिवर्ष अपने पुस्तैनी व्यवसाय के तहत ईंट भट्टा चलाते हैं। ईंट निर्माण के लिए बाहर से कारीगर बुलाए जाते हैं और उनकी पूरी व्यवस्था—लाने-ले जाने से लेकर रहने-खाने तक—संचालक द्वारा की जाती है। इसी क्रम में पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र से दो कारीगरों को काम पर रखा गया था। आरोप है कि 4 फरवरी की रात दोनों कारीगर बिना किसी सूचना के भट्टा छोड़कर फरार हो गए और जाते समय भट्टे पर उपलब्ध महत्वपूर्ण सामग्री अपने साथ ले गए। चोरी गई सामग्री में सबमर्सिबल पंप, दो तिरपाल, दो वायर बंडल, दो पाइप बंडल सहित अन्य उपयोगी सामान शामिल है। संचालक का कहना है कि इन सभी सामानों के बिल उनके पास सुरक्षित हैं, जो चोरी की पुष्टि के लिए सबूत के तौर पर पेश किए जा सकते हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पवन कश्यप ने तुरंत थाना लांजी पहुंचकर नामजद शिकायत दर्ज कराई और आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करते हुए चोरी गई सामग्री बरामद करने की मांग की। लांजी पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संज्ञान में लिया है और आवश्यक जांच एवं कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों आरोपियों की तलाश की जा रही है और जल्द ही उन्हें पकड़कर सामान बरामद करने की कोशिश की जाएगी।

किसानों को शासकीय योजनाओं का लाभ पाने किसान (फार्मर) आईडी खसरा नंबर से लिंक कराना अनिवार्य

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिले में किसानों को शासकीय योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं सुचारु रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किसान (फार्मर) आईडी को खसरा नंबर से लिंक कराना अनिवार्य कर दिया गया है। इस संबंध में जिला प्रशासन द्वारा सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। प्रशासन के अनुसार, जिन किसानों की किसान आईडी उनके संबंधित खसरा नंबर से लिंक नहीं होगी, उन्हें भविष्य में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, प्राकृतिक आपदा मुआवजा, सोसाइटी से खाद/यूरिया या अन्य निजी विक्रेताओं से खाद/यूरिया वितरण, भूमि संबंधित सभी कार्य तथा अन्य कृषि एवं राजस्व आधारित योजनाओं का लाभ फॉर्मर आई डी के बिना संभव नहीं होगा। इसलिए सभी किसानों से अपील की जा रही है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी जानकारी अद्यतन कराएं। इस कार्य के लिए बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीणा के आदेशानुसार दिनांक 06 फरवरी 2026 से 11 फरवरी 2026 तक प्रत्येक पंचायतों में फॉर्मर आईडी बनवाने एवं फॉर्मर आईडीमें खसरे जोडने हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं, जहां राजस्व एवं कृषि विभाग के कर्मचारी किसानों की सहायता कर रहे हैं। किसानों को अपने साथ आधार कार्ड, मोबाइल, भूमि संबंधी दस्तावेज एवं बैंक पासबुक लाने की सलाह दी गई है ताकि किसान बिना किसी परेशानी के फार्मर आई डी बनवाकर शासकीय योजनाओं का सीधा लाभ प्राप्त कर सके।

अनिल अंबानी मामले में सुप्रीम कोर्ट की सीबीआई और ईडी को फटकार..बहुत हुआ अब देरी बर्दास्त नहीं

अनिल अंबानी ने कोर्ट को बताया वे बिना इजाजत देश नहीं छोड़ने वाले

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अनिल धीरुभाई अंबानी ग्रुप (एडीएजी) से जुड़े 40 हजार करोड़ के बैंक फ्रॉड केस में जांच एजेंसियों पर नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीबीआई और ईडी की जांच में देरी का कारण नहीं बता सकीं। दोनों एजेंसियां पहले ही काफी समय ले चुकी हैं। आगे ऐसी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम.पंचोली की बेंच ने सीबीआई और ईडी से चार हफ्ते में ताजा स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने यह रिकॉर्ड किया कि अनिल अंबानी उसकी पूर्व अनुमति के बिना देश नहीं छोड़े। असल में याचिकाकर्ता और पूर्व आईएएस अफसर ईएएस सरमा ने अनिल के देश छोड़ने की आशंका जाहिर की थी। सुनवाई के दौरान अनिल अंबानी ने अपने वकील मुकुल रोहतगी के जरिए कोर्ट को आश्वासन दिया कि वे कोर्ट की अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ने वाले है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अनिल अंबानी के खिलाफ पहले ही लुकआउट सर्कुलर जारी हो चुके हैं। मेहता ने शीर्ष अदालत को बताया कि अनिल समूह की कंपनियों के जरिए करीब 40 हजार करोड़ सायफन किए जाने का आरोप है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी की कि यह इतनी बड़ी रकम सायफन होने का मामला है। कोर्ट ने ईडी के हलफनामे को रिकॉर्ड में लिया कि अपराध से अर्जित आय 20 हजार करोड़ से अधिक आंकी गई है। एजेंसी 8,078 करोड़ की संपत्ति अस्थायी रूप से अटैच कर चुकी है। वहीं अनिल अंबानी की ओर से पेश वकील श्याम दीवान ने सार्वजनिक धन की हेराफेरी के आरोपों से इंकार किया। उन्होंने कहा कि रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने करीब 20 हजार करोड़ चुका दिए हैं। कारोबारी घाटे व कर्ज में चूक को आपराधिक केस नहीं बनाना चाहिए। इससे पहले 23 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और ईडी को सीलबंद लिफाफे में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था और अनिल अंबानी और एडीएजी को नोटिस जारी किया था। याचिका में आरोप है कि 2007-08 से फ्रॉड चल रहा था, लेकिन एफआईआर 2025 में दर्ज हुई। याचिका के मुताबिक 2013-17 के बीच आरकॉम, रिलायंस इंफ्राटेल (आरआईटीएल) और रिलायंस टेलिकॉम (आरटीएल) ने सीबीआई और अन्य बैंक से 40 हजार करोड़ से ज्यादा का कर्ज लिया था। बाद में लोन की रकम का तय मकसद के बजाय दूसरी जगह इस्तेमाल हुआ। कुछ मामलों में ग्रुप की दूसरी कंपनियों को फंड ट्रांसफर किया गया। समय पर लोन चुकाने में भी चूक (एनपीए) हुई।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

एक और अधिकारी भी सेवा छोड़ने के मूड में

मप्र के जंगल महकमे में असंतोष का विस्फोट

कथित मानसिक प्रताड़ना से आहत आईएफएस विपिन पटेल ने दिया इस्तीफा

भोपाल। मध्य प्रदेश के जंगल महकमे में असंतोष अब खुलकर सामने आने लगा है। 2013 बैच के आईएफएस अधिकारी विपिन पटेल के इस्तीफे के बाद विभाग के भीतर मंथन तेज हो गया है। 12 वर्षों की सेवा के बाद दिए गए त्यागपत्र ने न सिर्फ प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि अफसरों के भीतर दबे असंतोष को भी उजागर कर दिया है।

सूत्रों के अनुसार, पिछले एक वर्ष से विपिन पटेल को एक शीर्ष अधिकारी द्वारा प्रशासनिक रूप से लगातार मानसिक दबाव में रखा जा रहा था। यही वजह उनके इस्तीफे के पीछे मानी जा रही है। वन बल प्रमुख वीएन अंबाड़े का कहना है कि वास्तविक कारण जानने के लिए संबंधित सीसीएफ को विपिन पटेल से चर्चा करने को कहा गया है।

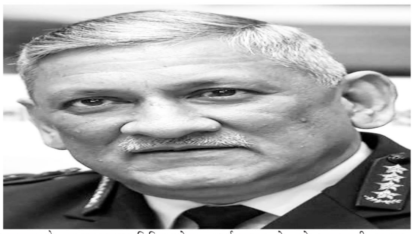

व्हाट्सऐप ग्रुप में गूंजा इस्तीफे का असर

वर्तमान में डीएफओ वर्किंग प्लान जबलपुर के पद पर पदस्थ विपिन पटेल ने मंगलवार शाम आईएफएस एसोसिएशन के व्हाट्सऐप ग्रुप में अपना त्यागपत्र साझा किया। उन्होंने रीवा, दमोह, सतना और अनूपपुर में अपने कार्यकाल का उल्लेख करते हुए सहयोग के लिए सभी का आभार जताया और सेवा से अलग होने की घोषणा की।

इस्तीफे पर वरिष्ठ अधिकारियों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आईं। एक सीनियर आईएफएस ने इसे जल्दबाजी बताया, जबकि अन्य अधिकारियों ने विभाग के लिए इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया और शीर्ष स्तर पर आत्ममंथन की जरूरत जताई।

जबलपुर के अधिकारी की टिप्पणी से छलका दर्द

इसी कड़ी में जबलपुर में पदस्थ एक अधिकारी की टिप्पणी ने विभागीय माहौल की गंभीरता को और उजागर कर दिया। अधिकारी ने ग्रुप पर लिखा कि कम से कम विपिन पटेल में निर्णय लेने का साहस तो था, जबकि वह स्वयं पुरानी पेंशन प्रणाली के तहत पेंशन का हकदार होने के बावजूद 20 वर्षों की सेवा के बाद भी कोई बड़ा निर्णय नहीं ले पाए। इस टिप्पणी को कई अधिकारियों ने मौजूदा प्रशासनिक दबाव और असंतोष का प्रतीक माना है।

अनूपपुर पोस्टिंग के बाद बढ़ा टकराव

विभागीय सूत्रों के मुताबिक, विपिन पटेल को परेशान करने का सिलसिला अनूपपुर में डीएफओ पदस्थापना के बाद शुरू हुआ। उन्होंने नियमों के उल्लंघन के आधार पर विनियर मशीन लगाने की अनुमति निरस्त की थी। इस फैसले को लेकर तत्कालीन पीसीसीएफ संरक्षण और वर्तमान में कैम्पा एवं वर्किंग प्लान के प्रमुख मनोज अग्रवाल से मतभेद सामने आए। पूर्व पीसीसीएफ बिभाष ठाकुर ने भी माना कि वन अधिनियम और नियमों के तहत ऐसी अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद विवाद बढ़ता गया और प्रशासनिक दबाव का सिलसिला जारी रहा।

एक और आईएफएस अधिकारी भी इस्तीफे की कगार पर

सूत्रों का कहना है कि विभागीय प्रशासनिक अराजकता, ट्रांसफर-पोस्टिंग में भेदभाव और वर्किंग प्लान से जुड़ी अनदेखी से परेशान एक और आईएफएस अधिकारी भी सेवा से अलग होने का मन बना रही हैं। उज्जैनङ्कशाजापुर वर्किंग प्लान का कार्य पूरा होने के बावजूद अंतिम सुनवाई नहीं होना और अन्य अधिकारियों को बिना प्रक्रिया पूरी किए सर्किल प्रभार मिलना, विभाग में बढ़ते असंतोष की ओर इशारा कर रहा है।

जंगल महकमे में सामने आ रहे ये घटनाक्रम अब केवल एक अधिकारी के इस्तीफे तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि उन्होंने पूरी प्रशासनिक व्यवस्था और कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

मप्र में बोर्ड पैटर्न पर होगी कक्षा 5वीं-8वीं की परीक्षा

20 फरवरी से इम्तिहान का आगाज, 25 लाख बच्चे देंगे परीक्षा

भोपाल। मध्य प्रदेश में पहली बार शिक्षण सत्र 2025-26 की कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षा पूरी तरह बोर्ड पैटर्न पर कराई जाएगी। परीक्षा की शुरुआत 20 फरवरी से होगी और 28 फरवरी तक प्रदेशभर में एक साथ परीक्षाएं चलेंगी। इसे लेकर राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिलों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस बड़ी परीक्षा व्यवस्था के लिए प्रदेश में 12 हजार 920 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां करीब 25 लाख छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे। शासकीय, निजी स्कूलों के साथ-साथ मदरसों के विद्यार्थी भी इस परीक्षा में शामिल होंगे।

राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर विद्यार्थियों की संख्या के मुताबिक सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस साल सरकारी, निजी स्कूलों और मदरसों के कुल 24 लाख 90 हजार से ज्यादा विद्यार्थी परीक्षा में बैठेंगे। एनसीईआरटी पाठ्यक्रम से पढने् वाले 522 निजी स्कूलों के करीब 20,736 विद्यार्थियों के लिए भाषा विषय का अलग प्रश्न पत्र तैयार किया गया है। बाकी विषयों के प्रश्न पत्र राज्य की पाठ्यपुस्तकों पर आधारित होंगे।

ऑनलाइन पोर्टल से पूरी परीक्षा पर नजर

परीक्षा को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने एक खास आईटी पोर्टल तैयार किया है। इसी पोर्टल से छात्रों का सत्यापन, परीक्षा केंद्र तय करना, केंद्राध्यक्षों की नियुक्ति, रोल नंबर और प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे। उपस्थिति से लेकर मूल्यांकन और अंकसूची तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी।

कोई छात्र परीक्षा से वंचित नहीं रहेगा

राज्य शिक्षा केंद्र ने साफ किया है कि हर पात्र विद्यार्थी को परीक्षा देने का मौका मिलेगा। यदि कोई छात्र किसी कारण से परीक्षा से पहले पंजीकरण नहीं करा पाया है, तो भी उसे परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। ऐसे छात्रों की जानकारी परीक्षा के बाद दर्ज की जाएगी। इस परीक्षा में प्रदेश की 86 हजार से ज्यादा सरकारी, लगभग 24 हजार निजी शालाओं और 525 मदरसों के विद्यार्थी शामिल होंगे।

मप्र के जर्जर पुलों की होगी रिपेयरिंग

भोपाल। करीब दो महीने पहले रायसेन जिले में हुए पुल हादसे के बाद सरकार ने प्रदेश के सभी जर्जर पुलों की मरम्मत कराने का फैसला लिया था। सूत्र बताते हैं कि लोक निर्माण विभाग ने पूरे प्रदेश में ऐसे 45 पुलों को चिन्हित किया है जिनमें सुधार की जरूरत है। इसको लेकर मध्य प्रदेश सडक़ विकास निगम (एमपीआरडीसी) ने इन्हें सुधारने के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं। करीब 28 करोड़ की राशि से इन पुलों की मरम्मत की जाएगी। इसके अलावा एमपीआरडीसी द्वारा प्रदेश के विभिन्न संभागों के ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को भी सुधारा जाएगा।

दरअसल, प्रदेश में जिन पुलों का निर्माण दशकों पहले हुआ था, उनमें से कई की स्थिति खराब हो गई है। प्रदेश के स्टेट हाईवे और नेशनल हाईवे के कई पुल जर्जर हो चुके हैं। ऐसे में इन पुलों से अब हादसे भी हो रहे हैं। ऐसे में मप्र में हादसों का सबब बन रहे जर्जर पुलों की अब मरम्मत की जाएगी। इसको देखते हुए एमपीआरडीसी ने इन्हें सुधारने के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं। एमपीआरडीसी के अंतर्गत मौजूदा दुर्घटना प्रतिक्रिया प्रणाली और ट्रैफिक मैनेजमेंट सेंटर की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए निविदा जारी की गई है। इस परियोजना की अवधि 36 माह निर्धारित की गई है। गौरतलब है कि रायसेन जिले के नयागांव इलाके के अंतर्गत आने वाले पिपरिया रोड पर बना पुराना पुल पिछले साल दिसंबर में ढह गया था। पुल के अचानक ढहने से पुल से गुजर रही दो बाइकें नीचे आ गिरी, जिस पर सवार 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इसे एमपीआरडी पहले ही जर्जर घोषित कर चुका था।

फिल्म 'घूसखोर पंडित' के विरोध में प्रदर्शन

- सडक़ पर उतरा ब्राह्मण समाज; रोक लगाने की मांग

भोपाल। भोपाल में एक ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज़ की गई फिल्म 'घूसखोर पंडित' के विरोध में ब्राह्मण समाज के लोग सडक़ों पर उतर आए। हवन-पूजन और पाठ-पूजन करने वाले धोती-कुर्ता धारी पंडितों ने फिल्म को ब्राह्मण समाज की छवि धूमिल करने वाला बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज और मध्य प्रदेश ब्राह्मण समाज के बैनर तले हुए इस प्रदर्शन में फिल्म को तत्काल नेटफ्लिक्स ओटीटी प्लेटफार्म से हटाने की मांग की गई। फिल्म के टाइटल को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि फिल्म में ब्राह्मण समाज को घूसखोर के रूप में दिखाया गया है, जो पूरी तरह आपत्तिजनक और निंदनीय है। संगठन ने फिल्म बनाने वाले निर्माता-निर्देशक और अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

याचिका में कही गई ये बात

फिल्म को लेकर कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि फिल्म पंडित शब्द को भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी से जानबूझकर जोड़ा गया है। याचिकाकर्ता वकील विनीत जिंदल ने फिल्म के कंटेंट के सांप्रदायिक रूप से आपत्तिजनक और मानहानिकारक होने पर गंभीर आपत्ति जताई है। साथ ही ब्राह्मण समुदाय की गरिमा और प्रतिष्ठा को व्यापक रूप से नुकसान पहुंचने की आशंका व्यक्त की है। फिल्म के जारी ट्रेलर के अनुसार फिल्म में मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में हैं। मनोज बाजपेयी फिल्म में एक सीनियर इंस्पेक्टर अजय दीक्षित का रोल अदा कर रहे हैं। फिल्म में उन्हें एक बदनाम पुलिस वाले के रूप में दिखाया गया है। उनके भ्रष्ट किरदार को पंडित शब्द से जोड़ा गया है, जिसको लेकर विवाद मचा हुआ है।

गैस पीड़ितों में कैंसर का 13 गुना अधिक खतरा

संभावना ट्रस्ट क्लीनिक ने जारी किए भोपाल गैस पीड़ितों को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े -त्रासदी के 40 साल बाद भी पीड़ित परिवारों की समस्याओं का अंत नहीं

भोपाल। राजधानी में भोपाल गैस त्रासदी के 40 साल बाद भी गैस पीड़ितों के जख्म हरे हैं। आज भी गैस पीड़ित कैंसर, किडनी फेलियर समेत अन्य बीमारियों से जूझ रहे हैं। लेकिन त्रासदी उनका पीछा नहीं छोड़ रही है। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर सम्भावना ट्रस्ट क्लीनिक द्वारा एक बार फिर गैस पीड़ितों को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े जारी किए गए। इसके अनुसार यूनियन कार्बाइड हादसे से प्रभावित आबादी में कैंसर की दर, गैस से अप्रभावित आबादी की तुलना में करीब 13 गुना अधिक पाई गई है। खासतौर पर खून, फेफड़े और गले के कैंसर के मामले सबसे ज़्यादा सामने आए हैं।

संभावना ट्रस्ट क्लीनिक की ओर से बताया गया कि गैस पीड़ित आबादी में कैंसर की दर प्रति एक लाख पर 1569.84 है। वहीं गैस से अपीड़ित यानी फैक्ट्री से 8 किलोमीटर से अधिक दूरी पर रहने वाली आबादी में यह दर केवल 117.52 प्रति एक लाख है। यह अंतर गैस त्रासदी के दीर्घकालिक प्रभावों को स्पष्ट करता है। इस सर्वे के अनुसार गैस पीड़ित पुरुषों में कैंसर की दर 14.92 गुना अधिक पाई गई है। वहीं गैस पीड़ित महिलाओं में यह दर 12.22 गुना अधिक है। आंकड़े बताते हैं कि दोनों ही वर्गों में जोखिम असामान्य रूप से ज्यादा है।

खून, फेफड़े और गले के कैंसर सबसे आम

सर्वे टीम के राधे लाल नापित ने बताया कि गैस पीड़ित आबादी में खून के कैंसर की दर अपीड़ित आबादी से 21.6 गुना अधिक है। इसी तरह फेफड़े के कैंसर की दर 28.78 गुना और गले के कैंसर की दर 33.86 गुना ज्यादा दर्ज की गई है। संभावना ट्रस्ट क्लीनिक के सामुदायिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के तहत 21,276 गैस पीड़ितों की स्वास्थ्य जानकारी जुटाई गई। इसमें 1992 से 2012 के बीच कैंसर से पीड़ित लोगों को शामिल किया गया। सभी मरीजों को मेडिकल रिकार्ड और जांच पर्चों के सत्यापन के बाद ही अध्ययन में जोड़ा गया।

भोपाल के इन इलाकों से जुटाए आंकड़े

संभावना क्लीनिक की फरहत जहां ने बताया कि गैस पीड़ितों की जानकारी जयप्रकाश नगर, कैंची छोला, काजी कैंप और यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से 03 किलोमीटर के दायरे में आने वाले क्षेत्रों से ली गई। वहीं अपीड़ित आबादी के आंकड़े अन्ना नगर, भीम नगर और वल्लभ नगर से जुटाए गए, जो फैक्ट्री से 08 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित हैं। यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के आसपास की बस्तियों में किडनी फेलियर व फेफड़ों के संक्रमण के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं।

70 हजार का डिजिटल पैनल डीपीआई में खरीदा 1.33 लाख में

डिजिटल क्लास के नाम पर खुली लूट

भोपाल। मप्र में सरकार का फोकस स्कूली शिक्षा को आधुनिक और हाईटेक बनाने पर है। लेकिन अधिकारियों द्वारा डिजिटल क्लास के नाम पर सरकार का चपत लगाई जा रही है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जो डिजिटल पैनल दूसरे राज्यों में 70 हजार रुपये में मिल रहा है, वही पैनल मप्र के जिलों में 99 हजार और डीपीआई में 1.33 लाख रुपये में खरीदा गया।

दरअसल, मप्र के सरकारी स्कूलों की 10149 कक्षाओं में डिजिटल क्लास शुरू करने के लिए भारत सरकार ने करीब 150 करोड़ रुपए दिए हैं। इससे मप्र में एआई और डिजिटल क्लासेस सरकार को तैयार करनी थी। लेकिन, मप्र में केवल डिजिटल क्लास के लिए 65 इंच का एक इंटरेक्टिव पैनल खरीदा जा रहा है, वह भी बाजार दर से दोगुनी कीमत पर। हाल ही में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने 10149 इंटरेक्टिव पैनल खरीदने की प्रक्रिया पूरी की। दाम तय हुआ 1.14 लाख रुपए प्रति पैनल। साथ ही पांच साल के लिए एनुएल मेंटनेंस चार्ज 19 हजार रुपए अलग से। कुल 1.33 लाख रुपए में। इसके पहले समग्र शिक्षा अभियान के तहत जिलों में 50 से 100 संख्या में स्मार्ट क्लास के लिए यही पैनल 99 हजार रुपए से लेकर 1.10 लाख रुपए में खरीदे गए। अपर परियोजना संचालक (डीपीआई) ने नाराजगी जाहिर करते हुए 20 जिलों को लिखा था कि यह अत्यधिक दर हैं और इसका जवाब मांगा।

मंत्री ने दिए जांच के आदेश

गौरतलब है कि मामला सामने आने के बाद विभागीय मंत्री ने मामले में जांच के आदेश दिए। कुछ जिलों में इस काम को रोक दिया गया। लेकिन, अब जबकि सेंट्रल परचेजिंग हुई तो 10149 इंटरेक्टिव पैनल के लिए खरीदी के आदेश हुए तो रेट घटने की बजाय बढ़ गए। यह सेंट्रल का फंड है। इसी फंड से असम में इसी मेक मॉडल के करीब ढाई हजार इंटरेक्टिव पैनल 70 हजार रुपए प्रति नग के हिसाब से समान प्रोजेक्ट में दो महीने पहले खरीदे गए। यानी 10149 पैनल पर मप्र के अफसर कंपनियों को करीब 71 करोड़ रुपए का अधिक भुगतान करने की तैयारी में है। जिन कंपनियों ने लिखा हम 70 हजार रुपए में प्रदाय करेंगे, उन्हें बाहर कर दिया।

इस बड़ी वित्तीय अनियमितता की जानकारी मुख्य सचिव को पहले ही लिखित में दी गई थी। व्यू सोनिक नामक एक नेशनल कंपनी ने खरीदी से पहले दो पत्र मप्र के मुख्य सचिव को लिखे और कहा कि स्कूल शिक्षा में जबरिया महंगी खरीदी की जा रही है। जो प्रोडक्ट आपके अफसर 1.33 लाख में खरीद रहे हैं, वह मैं 70 हजार रुपए में देने को तैयार हूं। लेकिन, इस पर संज्ञान नहीं लिया गया। ऐसे ही एसर कंपनी ने 70 हजार रुपए में समान प्रोडक्ट देने की बात कही तो उसे इस आधार पर बाहर कर दिया कि उसने सर्विस सेंटर के लिए नॉन-जुडिशियल स्टाम्प पेपर पर नोटराइज्ड एग्रीमेंट जमा नहीं किया है। जबकि कमेटी ने नियम बनाया था कि सर्विस सेंटर की लोकेशन के लिए एक नोटराइज्ड एग्रीमेंट पर्याप्त होगा।

दहेज प्रतिषेध बोर्ड 3 साल से कागजों में कैद...

जनसुनवाई से थानों तक भटक रहीं पीड़ित महिलाएं

भोपाल। जनसुनवाई में महिलाएं पति द्वारा दूसरी शादी, दहेज की मांग और मानसिक-शारीरिक प्रताडऩा की शिकायतें लेकर पहुंच रही हैं, लेकिन न्याय की उम्मीद लेकर आई पीड़िताओं को राहत के बजाय सिर्फ फाइलों की यात्रा कराई जा रही है। एक ओर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गठित दहेज प्रतिषेध बोर्ड पिछले तीन वर्षों से पूरी तरह निष्क्रिय पड़ा है, वहीं दूसरी ओर दहेज प्रताडऩा के मामले लगातार डराने वाली रफ्तार से बढ़ रहे हैं।

दहेज के बढ़ते मामलों और शिकायतों पर लगाई जा रहे सवालिया निशान और गंभीरता पर संज्ञान लेने के लिए केंद्र सरकार ने दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत हर जिले में बोर्ड का गठन तो किया गया लेकिन इस पर कोई प्रकरण समझाइए इसके लिए या जांच के लिए नहीं पहुंच सका है 3 साल से गठन के बावजूद भी बोर्ड बस्तों में बंद है। महिला थाना से प्राप्त आंकड़े हालात की गंभीरता को उजागर करते हैं।

जनसुनवाई में सुनवाई, लेकिन कार्रवाई शून्य

जनसुनवाई में आने वाले अधिकांश महिला प्रकरणों में अधिकारियों द्वारा शिकायतें संबंधित विभाग को भेज दी जाती हैं। इसके बाद ये मामले फैमिली काउंसलिंग या मध्यस्थता केंद्रों तक सीमित रह जाते हैं, जहां गंभीर अपराधों में भी समझौते का दबाव बनाया जाता है। पीड़ित महिलाओं का आरोप है कि दूसरी शादी और दहेज जैसे अपराधों में भी कानून के बजाय घर बचाने की सलाह देकर मामले रफा-दफा कर दिए जाते हैं।

3 साल से निष्क्रिय दहेज प्रतिषेध बोर्ड

दहेज प्रतिषेध बोर्ड का गठन त्वरित राहत, निगरानी और बहु-विभागीय कार्रवाई के लिए किया गया था, लेकिन हकीकत यह है कि तीन वर्षों में न बोर्ड की बैठक हुई, न नियम तय हुए, न कार्यप्रणाली बनी और न ही एक भी शिकायत औपचारिक रूप से बोर्ड तक पहुंची। बढ़ते अपराधों के बीच बोर्ड के निष्क्रिय रहने से प्रशासन के पास फिलहाल केवल दो ही विकल्प बचे हैं। गंभीर मामलों में पीड़िताओं को सीधे पुलिस कार्रवाई का रास्ता अपनाना पड़ता है। दहेज उत्पीडऩ जैसे अपराधों में समझौता प्रक्रिया कई बार पीड़िता के लिए और अधिक पीड़ादायक साबित होती है।

भोपाल एम्स में अब रोबोट करेंगे कैंसर की सर्जरी

एक-दो महीने में शुरू होगी सुविधा

भोपाल । एम्स भोपाल के डायरेक्टर और वरिष्ठ ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. माधवानंद कर ने कैंसर इलाज को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि एम्स भोपाल में जल्द ही रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत की जा रही है, जिससे प्रोस्टेट, हृदय समेत कई तरह के कैंसर मरीजों का अत्याधुनिक तरीके से इलाज संभव हो सकेगा। अगले एक-दो महीनों में यह सुविधा शुरू होने की उम्मीद है। डॉ. माधवानंद कर ने चिंता जताते हुए कहा कि जागरूकता की भारी कमी के कारण आधे से ज्यादा कैंसर मरीज अस्पताल तब पहुंचते हैं, जब बीमारी सेकंड या एडवांस स्टेज में पहुंच चुकी होती है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच और सही जानकारी से कैंसर को नियंत्रित किया जा सकता है, लेकिन जानकारी के अभाव में हालात बिगड़ जाते हैं।

डॉ. कर ने बताया कि एम्स भोपाल में कैंसर के इलाज की सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

रेडिएशन, कीमोथेरेपी से लेकर सर्जरी तक मरीजों को उनकी बीमारी के अनुसार इलाज दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में कैंसर पेशेंट सेंटर्ड ट्रीटमेंट की शुरुआत की गई है, जिसमें मरीज के साथ-साथ उनके परिजनों को भी इलाज प्रक्रिया में शामिल किया जाता है। उन्होंने बताया कि एम्स में रेडिएशन की एक और नई मशीन लगाई जा रही है, जिससे मरीजों को और बेहतर सुविधा मिलेगी। रोबोटिक सर्जरी शुरू होने के बाद इलाज और ज्यादा सटीक व सुरक्षित हो जाएगा।

सबसे बड़ी दिक्कत-मरीज को रास्ता ही नहीं पता

डॉ. कर ने कहा कि कैंसर मरीजों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उन्हें यह नहीं पता होता कि बीमारी के बाद क्या करना है, कहां जाना है और इलाज कैसे शुरू करना है। खासकर ग्रामीण इलाकों में लोग असमंजस में रहते हैं, जिससे बीमारी गंभीर रूप ले लेती है। एम्स इसी गैप को भरने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है।

बदलती जीवनशैली बन रही कैंसर की बड़ी वजह

डॉ. कर के मुताबिक कैंसर के मामलों में बढ़ोतरी की बड़ी वजह लोगों की दिनचर्या, रहन-सहन, कीटनाशकों का बढ़ता उपयोग और नींद की कमी है। नींद पूरी न होने से शरीर का हार्मोनल संतुलन बिगड़ता है, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों को जन्म देता है। उन्होंने बताया कि आज भी करीब दो-तिहाई मरीज एडवांस स्टेज में अस्पताल पहुंचते हैं। अगर समय पर जांच और इलाज हो जाए तो कैंसर का इलाज संभव है और मरीज की जान बचाई जा सकती है। इसी उद्देश्य से एम्स भोपाल लगातार इलाज के साथ-साथ जागरूकता पर भी जोर दे रहा है।

दूषित जल और कफ सीरप से मौतों के मामले में स्थगन प्रस्ताव लाएगी कांग्रेस

भोपाल। भले ही 16 फरवरी से प्रारंभ हो रहा विधानसभा का बजट सत्र 12 दिन का है, लेकिन कांग्रेस इसमें भाजपा को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इस बार परंपरागत कानून व्यवस्था, अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग पर अत्याचार, भ्रष्टाचार जैसे विषयों से इतर आमजन से सीधे सरोकार रखने वाले विषयों को प्रभावी तरीके से उठाने की तैयारी है।

पहली बार कांग्रेस एकजुटता के साथ इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित जल से 32 मौतों को लेकर सडक़ पर है। लगातार धरना, प्रदर्शन, आंदोलन हो रहे। अब इस मुद्दे को कांग्रेस विधायक दल विधानसभा में उठाएगा। इसी तरह जहरीले कफ सीरप से छिंदवाड़ा बैतूल और पांढुर्णा में 25 बच्चों की मौत पर जवाब मांगा जाएगा। इन दोनों विषयों पर स्थगन प्रस्ताव लाने की तैयारी है। उधर, पार्टी विधानसभा का घेराव भी कर सकती है।

कांग्रेस विधायक दल पर सबकी नजर रहेगी

जहरीले कफ सीरप के मामले में चूकने के बाद कांग्रेस ने दूषित जल के मुद्दे पर सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाई है। पार्टी घर-घर से जुड़े इस मामले को पूरे प्रदेश तक ले जाने में सफल रही। अब दारोमदार विधायक दल के ऊपर है कि वह सदन में किस तरह सरकार के ऊपर दबाव बना पाता है। चूंकि, निशाने पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय हैं इसलिए सबकी नजर भी कांग्रेस विधायक दल पर रहेगी।

वहीं, जहरीले कोल्ड्रिफ कफ सीरप का मामला भी गंभीर है। अब तक छिंदवाड़ा, बैतूल और पांढुर्णा में 25 बच्चों की मौत हो चुकी है। सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर असभ्य बयान देने वाले मंत्री विजय शाह के विरुद्ध अब तक सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है, इसलिए यह भी भाजपा सरकार का बड़ा मुद्दा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि विधायक दल की ओर से स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से चर्चा कराने का दबाव सरकार पर बनाया जाएगा।

स्थगन प्रस्ताव की ग्राह्यता पर संशय

सूत्रों का कहना है कि बजट सत्र में सामान्यत÷ स्थगन प्रस्ताव नहीं लिए जाते हैं, इसलिए यह स्वीकार हो या इनकी ग्राह्यता पर चर्चा हो, इसको लेकर संशय है। हालांकि, चर्चा कराने के और भी माध्यम हैं। अब यह कांग्रेस विधायक दल के ऊपर निर्भर करेगा कि वह सरकार पर किस हद तक चर्चा कराने के लिए दबाव बना पाता है।

मंत्रालय के मुख्य सुरक्षा अधिकारी शर्मा अति-उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित

भोपाल। मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल में पदस्थ मुख्य सुरक्षा अधिकारी / सहायक पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) अविनाश शर्मा को वर्ष 2025 के लिए केन्द्रीय गृहमंत्री का अति-उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्‑?मानित किया गया है। श्री शर्मा को उनकी दीर्घकालीन, निष्ठावान एवं अति-उत्कृष्ट सेवाओं के लिए यह पदक दिया गया है। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 के लिए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी सराहनीय, अनुकरणीय एवं अति-उत्कृष्ट सेवाओं के लिए केन्द्रीय गृहमंत्री का अति-उत्कृष्ट सेवा पदक एवं उत्कृष्ट सेवा पदक प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है।

भारत और इंग्लैंड के बीच आज खेला जाएगा यूथ अंडर 19 विश्व कप क्रिकेट

दोपहर एक बजे से खेला जाएगा खिताबी मुकाबला

हरारे । भारत और इंग्लैंड की टीमें शुक्रवार को यहां यूथ अंडर 19 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेलने उतरेंगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को हराकर दसवीं बार फाइनल में प्रवेश किया जबकि इंग्लैंड टीम छठी बार फाइनल में पहुंची है। भारत और इंग्लैंड दोनो ही टीमों ने अपने-अपने सभी मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनायी है। भी अपने सभी मैच जीते हैं. दोनों टीमों के बीच फाइनल छह फरवरी को हरारे में भारतीय समय के मुताबिक दोपहर एक बजे से खेला जाएगा.

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और इंग्लैंड की टीमों ने अब तक अंडर 19 में 55 यूथ एकदिवसीय मैच खेले हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 41 मुकाबलों में जीत हासिल की है। वहीं भारतीय टीम को 13 मुकाबलों में उसे हार मिली जबकि एक मैच का परिणान नहीं निकला।। दूसरी ओर इंग्लैंड को 13 मैचों में जीत मिली है। फाइनल में पहुंचने के बाद उत्साहित भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने कहा कि यहां पहुंचने का अहसास काफी अच्छा है। हमारे लिए विश्वकप कप फाइनल खेलना सुखद अनुभवी है। सभी प्रशंसकों से मेरी अपील है कि आप इसी प्रकार हमारा समर्थन करते रहें। हम फाइनल मैच में अपनी ओर से जीतने का पूरा प्रयास करेंगे। हम फाइनल मैच को केवल एक गेम की तरह ही रखेंगे।

भारत ने जहां पहले सेमीफाइनल में आरोन जॉर्ज के 115 रनों की शतकीय पारी से अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 27 रन से हराकर फाइनल में जगह बनायी है। उनकी बल्लेबाजी लाइन-अप के साथ-साथ गेंदबाजी यूनिट भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करती आई है। ऐसे में फाइनल में इंग्लैंड भारत को कड़ी चुनौती दे सकता है।

भारतीय टीम- आयुष म्हात्रे (कप्तान), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, डी. दीपेश, मोहम्मद एमान, एरॉन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उदय मोहन, हेमिल पटेल, खिलान ए. पटेल, हर्षवर्धन सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी

इंग्लैंड टीम- थॉमस रेव (कप्तान), फरहान अहमद, रॉकी अलर्ट, बिल वीसन, बेन डॉकिन्स, कालेब फॉल्कनर, अली फारूक, एलेक्स फ्रेंच, एलेक्स ग्रीन, ल्यूक हेंडरसन, मैनी लार्डन, बेन मेयर, जेम्स मीटो, जो मूर्स, सेबेस्टियन मॉर्गन

रिकॉर्ड रन चेज कर आरसीबी ने जीता दूसरा खिताब

नई दिल्ली। विमंस प्रीमियर लीग 2026 अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुकी है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स के बीच लीग के चौथे सीजन का फाइनल मुकाबला आज खेला जा रहा है। यह टक्कर वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में हो रही है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 203 रन बनाए। कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने 37 गेंदों पर 57 रन बनाए। लौरा वोल्वार्ड्ट ने 44 रन की पारी खेली। लिजेल ली ने 37 और चिनेले हेनरी ने 35 रन बनाए।

आरसीबी ने दूसरे खिताब पर जमाया कब्जा

आरसीबी ने दूसरी बार विमंस प्रीमियर लीग का खिताब अपने नाम कर लिया है। फाइनल में स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली टीम ने दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हराया। इसके साथ ही दिल्ली लगातार चौथी बार फाइनल में हार गई।

आरसीबी को सबसे बड़ा झटका लगा है। कप्तान स्मृति मंधाना शतक से चूक गईं। उन्होंने 41 गेंदों पर 87 रन की पारी खेली। अपनी इस पारी में मंधाना ने 12 चौके और 3 छक्के लगाए।

भारतीय मूल के खिलाड़ियों से भरी है कनाडाई टीम

टोरंटो । कनाडा ने साल फरवरी से भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम घोषित कर दी है। इसमें 15 खिलाड़ियों में से 11 खिलाड़ी भारतीय मूल के हैं। उनमें से भी कप्तान सहित छह खिलाड़ी ऐसे हैं जिनका जन्म भारत में हुआ है। ऐसे में ये दूसरी भारतीय टीम ही नजर आती है। वहीं टीम में दो खिलाड़ी पाकिस्तान मूल और दो कैरेबियाई मूल के हैं।

टीम के कप्तान दिलप्रीत सिंह बाजवा का जन्म पंजाब के गुरदासपुर में हुआ था। वहीं नवनीत सिंह धालीवाल पंजाब के चंडीगढ़ में जन्मे हैं। जसकरन सिंह बुट्टर पंजाब के मोहाली में हुआ है, इस खिलाड़ी ने भारत ए की ओर से भी खेला था। वहीं श्रेयस मोवा का जन्म आंध्र प्रदेश के गुंतूर में हुआ है, जबकि अंश प्रदीपकुमार पटेल का जन्म गुजरात के वडोदरा में हुआ था। टीम में शामिल शिवम शर्मा दिल्ली में जन्मे हैं। वहीं, टीम में शामिल साद बिन जफर और कलीम साना का जन्म पाकिस्तान में हुआ था। वेस्टइंडीज के गयाना में जन्मे डिलोन हिलिंगर और बारबाडोस में जन्मे निकोलस किर्टन को भी टीम में जगह मिली है।

टीम में 5 खिलाड़ी ऐसे हैं, जिनका पर जन्म तो कनाडा में हुआ है पर इनकी जड़ें भारत से जुड़ी हैं।इनमें हर्ष ठाकर, कंवरपाल तथगुर, युवराज सिंह सामरा, रविंद्र पाल सिंह और अजयवीर सिंह हुंड का नाम शामिल है। इस प्रकार देखा जाये तो कनाडा की टीम भारत की टीम ज्यादा लग रही है। कनाडा की टीम को टी20 विश्व कप 2026 में ग्रुप डी में रखा गया है। इसमें उसके साथ दक्षिण अफ्रीका, यूएई, न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान की टीम शामिल है। वह विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 9 फरवरी को पिछले बार की उपविजेता रही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले से करेगी ।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बचाव में उतरे इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने टी20 विश्वकप में जारी विवाद पर बांग्लादेश और पाकिस्तान का समर्थन किया है। हुसैन ने कहा कि टी20 विश्वकप को लेकर पाक और बांग्लादेश का रुख सही है। हुसैन के अनुसार इस मामले में राजनीति अधिक हो रही है। बांग्लादेश ने तो भारत में टी20 विश्व कप खेलने से इंकार कर दिया जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उसे बाहर कर दिया था। वहीं , पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में भारत के खिलाफ 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले मैच में खेलने से इंकार कर दिया है। पाक सरकार ने कहा है कि टीम विश्वकप खेलेगी पर भारत के खिलाफ नहीं उतरेगी।

पाक क्रिकेट बोर्ड और आईसीसी के बीच जारी बहस हुसैन ने कहा है कि उन्हें बांग्लादेश और पाकिस्तान के रुख से उन्हें खुशी हुई है। समय आ गया है कि कोई आईसीसी के सामन सख्त रुख अपनाये। साथ ही कहा कि अब सभी पक्षों को राजनीति को शामिल होना बंद करना होगा। हुसैन ने कहा, मुझे बांग्लादेश का अपनी बात पर अड़ा रहना काफी पसंद है। वे अपने खिलाड़ी, मुस्तफिजुर रहमान का समर्थन कर रहे थे। इसमें बांग्लादेश का समर्थन जिस प्रकार पाक ने किया है। उससे मुझे खुशी हुई है। मुझे पाकिस्तान का बांग्लादेश के लिए खड़ा रहना काफी पसंद है और किसी न किसी

स्टेज पर, किसी को कहना ही होगा कि यह पॉलिटिक्स बहुत हो गई।

उन्होंने साथ ही कहा, इसलिए शायद यह एक बहुत ही मुश्किल समय है, क्योंकि पीसीबी भारतीय बोर्ड और आईसीसी को केवल आर्थिक नुकसान ही पहुंचा सकता है। यही एक तरीका है जिससे वह विरोध जता सकता है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने यह भी कहा कि खेल की स्थिति 卐निराशाजनक卐 हो गई है, क्योंकि राजनीति इसमें आड़े आ रही है। इस पूर्व क्रिकेटर ने साथ ही कहा कि सच कहूं तो यह काफी निराशाजनक है। खेल, क्रिकेट और राजनीति हमेशा से एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं। खेल और राजनीति में हमेशा एक लिंक रहा है, लेकिन हाल ही में ऐसा लगता है कि यह लिंक और भी ज्यादा बढ़ गया है। पहले यह कभी-कभी होता था पर अब ये सामान्य हो गया है। साथ ही कहा कि अब ये खिलाड़ियों के साथ ही हो गया है। क्रिकेट पहले देशों और मुश्किलों का सामना कर रहे देशों को जोड़ता था और अब यह लोगों को अलग कर रहा है। उन्होंने आईसीसी के साथ एक मामले में नरमी दिखाते हुए कहा कि अंतिम समय पर कार्यक्रम में बदलाव संभव नहीं है। ऐसे में बांग्लादेश की मैच स्थल बदलने की मांग को आईसीसी ने खारिज कर दिया था पर कहा कि बांग्लादेश के मुद्दे पर आईसीसी ने उनकी मांग खारिज कर दी है पर क्या भविष्य में कभी भारतीय टीम ऐसा करती है तो भी आईसीसी का यही रुख होगा ?।

अभ्यास मैच में ईशान और अभिषेक इस कारण हुए रिटायर

नवी मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां हुए एकमात्र अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका का 30 रनों से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने ईशान किशन के अर्धशतक से 20 ओवर में पांच विकेट पर 240 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण् अफ्रीकी टीम 210 रन ही बना पायी। इस मैच में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन रिटायर हो गये ताकि अन्य बल्लेबाजों को भी अवसर मिले सके।

इस मैच में भारतीय टीम की पारी की शुरुआत अभिषेक शर्मा और ईशान किशन ने की जिससे साफ है कि विश्वकप में संजू सैमसन नहीं बल्कि ईशान को पारी शुरु करने का अवसर मिलेगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभिषेक शर्मा केवल 24 रन बनाकर रिटायर होकर मैदान से बाहर चले गये।

ईशान ने अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करते हुए तेजी से रन बनाये। वह भी अभिषेक की ही तरह रिटायर्ड आउट होकर वापस लौट गए। इसके बाद तिलक वर्मा को बल्लेबाजी का अवसर मिला। वार्म-अप मैच में अधिक से अधिक बल्लेबाजों को खेलने का अवसर देने के लिए ही अभिषेक और ईशान रिटायर हुए।

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम को ओस से रहना होगा सावधान - धोनी

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा है कि भारतीय टीम अपनी ही धरती पर होने वाले टी20 विश्कवप में जीत की प्रबल दावेदार है। धोनी ने कहा कि टीम के पास वह सभी खूबियां हैं जो जीत के लिए चाहिये होती हैं। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। उसका क्षेत्ररक्षण अच्छा है। वह दबाव में भी जीत दर्ज करना जानती है। धोनी के अनुसार केवल एक चीज से उसे सावधान रहना होगा और वह है ओस। धोनी के अनुसार ओस एकदम से हालात बदल देती है।

उन्होंने कहा, ' मुझे ओस नापसंद है। ओस बहुत सारी चीजों को बदल देती है। इसलिए जब मैं भी खेलता था तो मुझे ये बहुत डराती थी। जब भी ओस होती थी तो टॉस की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती थी। अगर हम कुछ बेस्ट टीमों के खिलाफ 10 मैच खेलें और स्थितियां एक जैसी हों तो हम उनमें से ज्यादातर बार विजेता रहेंगे।'

टी20 क्रिकेट की अनिश्चितताओं का जिक्र करते हुए धोनी ने कहा, 'समस्या तब आती है जब आपके कुछ खिलाड़ियों का कोई दिन खराब हो और विपक्षी टीम में से किसी का वो शानदार दिन हो। और ये टी20 क्रिकेट में हो सकता है। ये लीग स्टेज में हो सकता है, नॉकआउट स्तर में हो सकता है और यही पर किस्मत की जरूरत होती है। कोई घायल नहीं होना चाहिए। जो भी भूमिका दी जाए, लोग टीम के लिए अपनी उस भूमिका को बखूबी निभाएं।'

भारतीय टीम विश्वकप में अपने अभियान का आगाज शनिवार को मुंबई के वानखेड़े मैदान में अमेरिका के खिलाफ करेगी।

टी20 विश्वकप में सैमसन नहीं ईशान करेंगे पारी की शुरुआत - सूर्यकुमार

मुम्बई। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस बार भी शायद ही टी20 विश्वकप खेलने का अवसर मिले। पिछली बार सैमसन टीम में शामिल थे पर उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। वहीं इस बार भी उन्हें अवसर मिलने की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि अभिषेक शर्मा के साथ ईशान किशन पारी की शुरुआत करेंगे। सैमसन इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई सीरीज में असफल रहे थे जबकि ईशान ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। ऐसे में उन्हें विश्वकप में जगह मिलने की उम्मीद पहले ही समाप्त हो गयी थी। भारतीय टीम पहले अभ्यास मैच मे भी अभिषेक और ईशान के साथ उतरी। ईशान ने इस दौरा अर्धशतक लगाकर अपने चयन को सही साबित किया।

ईशान को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के अंतिम मुकाबले में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी मिली थी। इससे साफ है कि अब सैमसन की विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर उतरने की संभावना भी समाप्त हो गयी है।

इससे पहले जब टी20 विश्व कप और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम चुनी गई थी तो संजू सैमसन मैन ओपनर और मैन विकेटकीपर थे, लेकिन अब बैकअप ओपनर और बैकअप विकेटकीपर के तौर पर टूर्नामेंट शुरू करेंगे।

सैमसन की इस हालत के कारण वह स्वयं हैं। पांच मैचों की टी20 सीरीज में सैमसन ने पारी की शुरुआत करते हुए केवल 46 रन ही बनाये थे। सीरीज में उनका औसत 9.20 का था। 135.29 का स्ट्राइक रेट उनका रहा। 6 चौके और 2 छक्के पूरी सीरीज में उनके बल्ले से निकले। वहीं, अभिषेक ने 5 मैचों में 182 रन बनाए, बावजूद इसके कि वे दो मैचों में खाता भी नहीं खोल पाये थे। वहीं ईशान ने नंबर 3 पर 4 मैचों में 215 रन बनाए।

टी20 विश्वकप से पहले न्यूजीलैंड के कॉनवे और रचिन रविंद्र बीमार हुए

नवी मुम्बई । न्यूजीलैंड की टीम को टी20 विश्वकप से पहले ही करारा झटका लगा है। उसके दो मुख्य खिलाड़ी बीमार हो गये हैं। ये खिलाड़ी हैं बल्लेबाज डिवेन कॉनवे और रचिन रविंद्र इससे टीम की तैयारियों में भी बाधा आयी है। झटका लगा है। ये दोनो ही खिलाड़ी अमेरिकी टीम से होने वाले पहले अभ्यास मैच से भी बाहर हो गये हैं। इन दोनो के हालांकि लीग मुकाबलों से पहले फिट होने की उम्मीद है।

टीम के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि रचिन और कॉनवे को बीमार होने के खिलाफ पहले अभ्यास मैच के लिए शामिल नहीं किया गया। न्यूजीलैंड की टीम को अपना पहला मुकाबला 8 फरवरी को अफगानिस्ता के खिलाफ चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेलना है।

न्यूजीलैंड की टीम ग्रुप डी में अफगानिस्तान, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा की टीम के साथ है। अब ये ग्रुप ग्रुप ऑफ डेथ कहा जा रहा है, क्योंकि सुपर 8 के लिए तीन दावेदार इस ग्रुप से नजर आ रहे हैं। न्यूजीलैंड की टीम को इसमें मुश्किलों का सामना करना होगा। वहीं अफगानिस्तान की टीम के पास अच्छे स्पिनर हैं ऐसे में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड की टीमों को सतर्क रहना होगा। कीवी टीम के फिन एलेन का कंधे के दर्द हैं जबकि जेम्स नीशर की तबियत भी खराब है। इन हालातों में कीवी टीम की राह काफी कठिन रजर आ रही है।

टी20 विश्व कप में सबसे कम स्कोर पर आउट हुई हैं यूगांडा और नीदरलैंड

मुम्बई । टी20 विश्वकप शुरु होने में अब कुछ ही दिन शेष हैं। विश्वकप मुकबले भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से खेले जाएंगे। इसमें कई नये रिकार्ड बन सकते है। अब तक हुए टी20 विश्व कप के आंकड़ों पर नजर डालें तो कि दो टीमें जिनके नाम विश्वकप में सबसे कम स्कोर का रिकार्ड है। 2 टीमें इसमें अब तक 50 रनों के अंदर आउट हुई हैं। ये टीमें यूगांडा और नीदरलैंड हैं। ये दोनो ही टीमें 50 रनों के अंदर ही आउट हुई हैं। ये दोनो ही एसोसिएट टीमें रही हैं। टी20 विश्व कप की शुरुआत साल 2007 में हुई थे। वहीं साल 2014 तक कोई भी टीम 50 या इससे कम के स्कोर पर नहीं सिमटी थी। नीदरलैंड की टीम साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 39 रनों पर आउट हो गई थी। इसके बाद 4 और बार टीमें 50 से कम के स्कोर पर सिमट गयीं। नीदरलैंड की टीम साल 2021 के टी20 विश्व कप में भी 50 से कम रनों पर आउट हुई थीं। सबसे कम स्कोर पर आउट होने के मामले में युगांडा की टीम सबसे आगे है, वह साल 2024 के टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 39 रन पर ही आउट हो गयी थी।

टी20 विश्वकप के पहले दौर से बाहर हो सकती है पाकिस्तान

लाहौर । पाकिस्तान की टीम आईसीसी टी20 विश्वकप के पहले दौर से बाहर हो सकती है। पाक को विश्वकप के लिए ग्रुप ए में भारत, नामीबिया, नीदरलैंड्स और अमेरिका के साथ रखा गया है। उसका पहला ही अभ्यास मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। इस मुकाबले में एक भी गेंद नहीं खेली जा सकी थी। कोलंबो में हालात नहीं सुधरने पर अधिकारियों ने मुकाबला रद्द का फैसला किया। यह दोनों देशों के लिए टूर्नामेंट शुरू होने से पहले एकमात्र मैच था। पाक टीक को इससे झटका लगा है उसे लय हासिल करने का अवसर भी नहीं मिला। हाल में उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा था। पाक टीम को अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलने हैं। ऐसे में श्रीलंका में आगे भी उसे ऐसे ही हालातों का सामना करना पड़ सकता है। पाक का उसे लीग स्तर का पहला मुकाबला 7 फरवरी को नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है। वहीं दूसरा ग्रुप लीग मैच मंगलवार, 10 फरवरी 2026 को कोलंबो में अमेरिका के खिलाफ खेलेगा, इसके बाद आखिरी ग्रुप मैच बुधवार, 18 फरवरी 2026 को नामीबिया के खिलाफ होगा। शुरुआती दो मैचों में अगर बारिश होती है तो मैच शून्य घोषित कर दोनो ही टीमों में अंक बांट दिये जाएंगे ऐसे में पाक को नुकसान होगा। वैसे भी उसने भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार किया है। जिससे भी उसे दो अंकों का नुकसानप होगा। वहीं पाक को पिछली बार अमेरिका से हार का सामना करना पड़ा था। ऐस मे अगर वह इस बार भी हारती है तो उसका शुरुआत में ही बाहर होना तय है।

15 फरवरी को भारत के खिलाफ मुकाबला में उतरने से पाक ने पहले ही इंकार किया है। इसी लेकर भी आईसीसी ने उसे सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

अब पीएसएल में खेलेंगे स्मिथ

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को अब पाकिस्तान प्रीमियर लीग (पीएसएल) में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। स्मिथ इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी में उतरे थे पर उनपर किसी भी टीम ने बोली नहीं लगायी। ऐसे में स्मिथ अब पीएलएल 2026 सत्र में खेलना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने प्रयास भी शुरु कर दिये हैं। स्मिथ को एक टीम से प्रस्ताव भी मिला है जिससे उनका करार भी हुआ है।

एक रिपोर्ट के अनुसार स्मिथ पीएसएल के 10वें सीजन में सियालकोट स्टैलियंस की ओर से खेलते दिखेंगे। सियालकोट 7 फरवरी को अपने रिटेंशन प्लेयर्स की लिस्ट को जारी करेगी। उस सूची में स्टीव स्मिथ का नाम भी शामिल होने की संभावना है। अगर इस बीच आईपीएल में उन्हें अवसर मिल जाता है तो वह पीएसएल छोड़ भी सकते हैं। ऐसा पहले भी कई खिलाड़ियों ने किया है। स्मिथ काफी समय तक आईपीएल खेले हैं और उन्होंने दो टीमों की

कप्तानी भी की है।

गौरतलब है कि पीएसएल में 8 टीमें उतरेंगे जिसमें से 6 टीमों ने अपने खिलाड़ियों की सूची जाहिर कर दी है। वहीं मुल्तान सुल्तान्स टीम ने किसी को भी रिटेन नहीं किया है। नीलामी से वह टीम खिलाड़ियों को शामिल करेगी। वहीं, नई बनी टीम सियालकोट स्टैलियंस और हैदराबाद की टीम 7 फरवरी को नामों की घोषणा करेगी। इस्लामाबाद युनाइटेड ने 3, जबकि लाहौर कलंदर्स, पेशावर जाल्मी, क्वेटा ग्लैडिएटर्स और कराची किंग्स ने 4-4 खिलाड़ी रिटेन किये हैं।

पीएसएल रिटेंशन सूची

लाहौर कलंदर्स- शाहीन शाह अफरीदी (प्लैटिनम), अब्दुल्ला शफीक (डायमंड), सिकंदर रजा (गोल्ड) और मोहम्मद नईम (सिल्वर)

क्वेटा ग्लैडिएटर्स- अबरार अहमद (प्लैटिनम), उस्मान तारिक (डायमंड), हसन नवाज (गोल्ड) और शमील हुसैन (इमर्जिंग)

इस्लामाबाद यूनाइटेड- शादाब खान (प्लैटिनम), सलमान इरशाद (गोल्ड) और एंड्रीज गौस (सिल्वर)

पेशावर जाल्मी- बाबर आजम (प्लैटिनम), सुफियान मोकिम (डायमंड), अब्दुल समद (गोल्ड) और अली रजा (इमर्जिंग)

कराची किंग्स- हसन अली (प्लैटिनम), मोहम्मद अब्बास अफरीदी (डायमंड), खुशदिल शाह (गोल्ड) और साद बेग (इमर्जिंग)

मुल्तान सुल्तांस- ज़ीरो रिटेंशन

ममता को झटका, कर्मचारियों की जीत...

सुप्रीम कोर्ट का आदेश, डीए के कुल बकाया का भुगतान करें : 31 मार्च 2026 तक की डेडलाइन तय की

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के लाखों सरकारी कर्मचारियों के लिए गुरुवार का दिन ऐतिहासिक साबित हुआ है। सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की खंडपीठ ने ममता सरकार को कड़ा निर्देश देकर 31 मार्च 2026 तक महंगाई भत्ते (डीए) के कुल बकाया का 25 प्रतिशत भुगतान करने का आदेश दे दिया है। यह आदेश उस दिन आया है जब बंगाल विधानसभा में लेखानुदान पेश होना है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से राजनीतिक गलियारों में भी हलचल बढ़ गई है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित डीए बकाया का एक-चौथाई हिस्सा 31 मार्च तक चुकाया जाए। शेष 75 प्रतिशत बकाया राशि के भुगतान का तरीका और समय सीमा तय करने के लिए शीर्ष अदालत ने एक उच्च

स्तरीय चार सदस्यीय समिति बनाने का आदेश दिया है।

बता दें कि पिछले साल 16 मई को सुप्रीम कोर्ट ने तीन माह के भीतर यह भुगतान करने को कहा था, लेकिन राज्य सरकार ने फंड की कमी का हवाला देकर 6 माह का समय मांगा था। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार मिल रही तारीखों पर कड़ा रुख दिखाकर अब अंतिम समय सीमा तय कर दी है।

वहीं विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत कर कर्मचारियों के मौलिक अधिकारों की जीत बताया। उन्होंने कहा, ममता आज गलत साबित हुई हैं। सालों तक उन्होंने दावा किया कि डीए कोई अधिकार नहीं है, बल्कि एक दान है। लेकिन गुरुवार को शीर्ष अदालत ने साफ कर दिया कि यह कर्मचारियों का हक है। राज्य सरकार ने कर्मचारियों को उनके हक से वंचित करने के लिए नामी वकीलों पर करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन अंततः न्याय की जीत हुई।

दरअसल पश्चिम बंगाल में डीए को लेकर विवाद काफी गहरा है। वर्तमान स्थिति यह है कि 1 अप्रैल 2025 से बंगाल के कर्मचारियों का डीए मूल वेतन का 18 प्रतिशत तय होता था। वहीं, केंद्र सरकार के कर्मचारियों को मिलने वाले डीए और राज्य सरकार के कर्मचारियों के बीच अब भी करीब 37 से 40 प्रतिशत का बड़ा अंतर बना हुआ है। बता दें कि केंद्रीय कर्मचारियों को 55 प्रतिशत डीए मिलता है। बंगाल में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, इसलिए राज्य सरकार ने वर्तमान में केवल लेखानुदान पेश करने का निर्णय लिया है। पूर्ण बजट नई सरकार के गठन के बाद होगा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने ममता सरकार पर वित्तीय दबाव बढ़ा दिया है, क्योंकि 25 प्रतिशत बकाया चुकाने के लिए राज्य को हजारों करोड़ रुपये का प्रावधान करना होगा।

2024 में पर्यटन की उड़ान- विदेशी पर्यटकों की पसंद बना गुजरात, देश में तीसरे स्थान पर

अहमदाबाद। भारत के पर्यटन क्षेत्र में 2024 में मजबूत विकास देखा गया है, जिसमें देश में आने वाले विदेशी पर्यटकों (एफटीए) की संख्या 99.5 लाख पर पहुंच गई है। उधर, अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन (आईटीए) भी बढ़कर 2.05 करोड़ हो गया है, जो कोविड से पहले के वर्ष 2019 की तुलना में 14.85 फीसदी की वृद्धि दिखाता है। राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज इस वृद्धि में गुजरात भी विदेशी पर्यटकों के लिए तीसरे सबसे पसंदीदा राज्य के रूप में उभरा है, जो वैश्विक पर्यटन क्षेत्र में राज्य की बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाता है।

राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन क्षेत्र की इस प्रगति का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व को जाता है, जिन्होंने गुजरात की संस्कृति, अद्भुत प्राकृतिक परिदृश्यों और आधुनिक आकर्षणों को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। उनके अविरत प्रयासों के कारण गुजरात आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक लोकप्रिय पर्यटन क्षेत्र बन गया है और भारत के पर्यटन क्षेत्र के विकास में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार 2024 में सबसे अधिक विदेशी पर्यटकों के आगमन की दृष्टि से शीर्ष पांच राज्यों में महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, गुजरात, उत्तर प्रदेश और राजस्थान का समावेश होता है। मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 2024 में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन के मामले में भारत पूरी दुनिया में 20वें स्थान पर रहा, जहां 2.05 करोड़ पर्यटक भारत आए। वहीं, 2023-24 में पर्यटन क्षेत्र में 8.46 करोड़ लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए। पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (वित्तीय और इंफ्रास्ट्रक्चर) और स्वदेश दर्शन 2.0 जैसी योजनाओं के सहयोग से इस सफलता को प्राप्त करने में मदद मिली है। गुजरात ने इन पहलों के सहयोग के साथ राज्य के धार्मिक स्थलों, इको-टूरिज्म, सांस्कृतिक विरासत और आइकॉनिक स्थलों को बढ़ावा देने का अहम कार्य किया है। गुजरात की यह सफलता राज्य और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों को प्रतिबिंबित करती है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जैसे आइकॉनिक प्रोजेक्ट और वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम जैसे कार्यक्रमों ने पर्यटन क्षेत्र में श्रेष्ठता के नए मानक स्थापित किए हैं और पर्यटकों के अनुभव को समृद्ध बनाकर वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति को और मजबूत किया है। विदेशी पर्यटकों की संख्या के मामले में तीसरे स्थान पर रहे गुजरात की उपलब्धि केवल आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह स्पष्ट विजन, सशक्त नेतृत्व और सांस्कृतिक गौरव को दर्शाता है।

मेघालय के ताशखाई में दर्दनाक हादसा...

कोयला खदान में धमाका, 10 मजदूरों की मौत

शिलॉन्ग। मेघालय के ताशखाई इलाके में स्थित एक कोयला खदान में भीषण धमाका होने से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में कम से कम 10 मजदूरों की मौत होने की जानकारी सामने आई है। हादसे के बाद पूरे इलाके में हडकंप मच गया और स्थानीय प्रशासन तथा पुलिस ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। जानकारी के मुताबिक, ताशखाई की कोयला खदान में अचानक जोरदार धमाका हुआ, जिसके कारण खदान के अंदर काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए। धमाका इतना तेज था कि खदान के अंदर मौजूद मजदूरों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिल पाया। आशंका जताई जा रही है कि मृतकों में सभी मजदूर असम के रहने वाले थे, हालांकि प्रशासन की ओर से अभी आधिकारिक पुष्टि की प्रक्रिया जारी है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृत मजदूरों में से एक असम के कटिगारा क्षेत्र के बिहारा गांव का रहने वाला बताया जा रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही मेघालय पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए और राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। खदान के अंदर फंसे अन्य मजदूरों की तलाश के लिए सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। प्रशासन ने आसपास के इलाके को घेरकर सुरक्षा बढ़ा दी है, ताकि बचाव कार्य में किसी तरह की बाधा न आए। अधिकारियों का कहना है कि धमाके के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। शुरुआती तौर पर खदान में गैस रिसाव या तकनीकी खामी को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है, हालांकि जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।इस हादसे के बाद मजदूरों की सुरक्षा और अवैध खनन गतिविधियों को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि मामले की गहराई से जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता देने की बात भी कही गई है।

मणिपुर की नई डिप्टी सीएम नेमचा किपगेन का विरोध- कुकी ग्रुप्स ने बंद बुलाया

इंफाल। मणिपुर में गुरुवार से विधानसभा का नया सत्र शुरू हो रहा है। यह सत्र नए मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह के शपथ ग्रहण के एक दिन बाद बुलाया गया है। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने गुरुवार शाम 4 बजे से सत्र बुलाया है। इधर, दिल्ली में बुधवार शाम को कुकी-जो समूह से जुड़े लोगों ने मणिपुर भवन के बाहर प्रदर्शन किया। मणिपुर में जॉइंट फोरम ऑफ सेवन (जेएफ7) ने शुक्रवार को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक कुकी बहुल इलाकों में बंद का आह्वान किया है। ये विरोध प्रदर्शन कुकी समुदाय से आने वाली उपमुख्यमंत्री नेमचा किपगेन का किया जा रहा है।

-तमिलनाडु चुनाव में उत्तरङ्कदक्षिण विवाद गहराया

कृषि मंत्री पन्नीरसेल्वम के बिगड़े बोल- हिंदी वाले बेचते हैं पानी पूरी

चेन्नई,। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले भाषा और पहचान की राजनीति एक बार फिर केंद्र में आ गई है। डीएमके सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री की विवादित टिप्पणी ने राज्य में उत्तर-दक्षिण विवाद को हवा दे दी है और 'हिंदी थोपने' बनाम द्विभाषा नीति की बहस को फिर तेज कर दिया है।

तमिलनाडु के कृषि मंत्री एमआरके पन्नीरसेल्वम ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, कि उत्तर भारत से आने वाले लोग केवल हिंदी जानने के कारण राज्य में सीमित रोजगार पाते हैं और उन्हें टेबल साफ करने, निर्माण मजदूरी करने या पानी पूरी बेचने जैसे काम करने पड़ते हैं। इसके उलट उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु की दो-

भाषा नीति तमिल और अंग्रेजी के कारण राज्य के युवा विदेशों में अमेरिका और लंदन जैसे देशों में जाकर अच्छी नौकरियां और ऊंची आय हासिल कर रहे हैं।

मंत्री के इस विवादित बयान को विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बेहद संवेदनशील माना जा रहा है। विपक्षी दलों, खासकर भाजपा ने इसे उत्तर भारतीय प्रवासियों का अपमान बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेताओं ने कहा कि इस तरह की टिप्पणियां राज्य में प्रवासी मजदूरों के खिलाफ नफरत और हिंसा को बढ़ावा दे सकती हैं। साथ ही इंडिया ब्लॉक के नेताओं, विशेषकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए गए हैं।

वरिष्ठ नेताओं ने बयान से बनाई दूरी

जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, डीएमके के वरिष्ठ नेताओं ने मंत्री के बयान से दूरी बनाने की कोशिश की। डीएमके सांसद टी. आर. बालू ने कहा कि पन्नीरसेल्वम के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। उन्होंने यह भी दोहराया कि डीएमके और द्रविड़ आंदोलन की शुरुआत से ही हिंदी थोपने के विरोध में रही है और पार्टी का रुख किसी समुदाय या क्षेत्र विशेष के खिलाफ नहीं है।

सपा सांसद बोले- उत्तर भारत का अपमान

इस बयान पर तमिलनाडु के बाहर से भी प्रतिक्रियाएं आई हैं। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने टिप्पणी को घटिया बताते हुए कहा कि यह पूरे उत्तर भारत का अपमान है। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत ने देश को आधे से अधिक प्रधानमंत्री दिए हैं और इस तरह के बयान क्षेत्रीय विभाजन को बढ़ाते हैं।

मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने बंगाल चुनाव को लेकर की महत्वपूर्ण बैठक

नई दिल्ली। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा में कांग्रेस के नेतृत्व के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। पश्चिम बंगाल में साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसकारण राज्य की राजनीति गरमाई हुई है। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को भारतीय जनता पार्टी से कड़ी चुनौती मिल रही है। इस बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी ने विपक्ष के इंडिया ब्लॉक का हिस्सा होने के बावजूद, कांग्रेस या किसी भी सहयोगी दल के साथ गठबंधन की कोई चर्चा शुरू नहीं की है। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार के आवास पर पश्चिम बंगाल के सांसदों के साथ बैठक कर उनकी चिंताओं का समाधान किया।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बोले शिवराज— किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को भारतङ्कअमेरिका व्यापार समझौते को लेकर विपक्ष के आरोपों पर कड़ा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि यह समझौता कूटनीति, विकास और राष्ट्रीय गरिमा का नया उदाहरण है और इसमें भारतीय किसानों के हितों से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया गया है। चौहान ने साफ शब्दों में कहा कि विपक्ष भ्रम फैलाने का काम कर रहा है और 'झूठ की मशीन' बन चुका है।

शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि भारतङ्कअमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय उत्पादों पर टैरिफ घटकर 18 प्रतिशत रह गया है, जिससे भारतीय निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि भले ही अमेरिका की ओर से अधिक कृषि उत्पाद निर्यात की बात कही जा रही हो, लेकिन भारत ने अपने किसानों के हितों की पूरी तरह रक्षा की है। प्रमुख अनाज, फल, मोटे अनाज (बाजरा) और डेयरी क्षेत्र पूरी तरह सुरक्षित रखे गए हैं।

एक बातचीत के दौरान कृषि मंत्री शिवराज ने कहा कि यह समझौता संघर्ष नहीं, बल्कि संतुलित और सशक्त संवाद का परिणाम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसान हमारे लिए केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि जीवनदाता हैं। किसानों के हित राष्ट्रहित हैं और उनकी रक्षा करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों की सेवा करना हमारे लिए ईश्वर की सेवा के समान है।

संसद में गतिरोध पर बोले शिवराज

संसद में चल रहे गतिरोध पर टिप्पणी करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि संसद नियमों और प्रक्रियाओं से चलती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सदन में माइक बंद होते ही विपक्ष का पारा अपने आप डाउन हो जाता है। उनका कहना था कि विपक्ष मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय हंगामा और भ्रम फैलाने में लगा है।

अफवाहों और झूठ का सहारा ले रहा विपक्ष

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए चौहान ने कहा कि वे जनता के बीच सरकार का मुकाबला करने में असफल रहे हैं, इसलिए अफवाहों और झूठ का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अनिश्चितता और अव्यवस्था का माहौल बनाने के लिए जानबूझकर गलत सूचनाएं फैलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा, विपक्ष हताश है, वे अंधाधुंध विरोध कर रहे हैं और झूठ का बाजार चला रहे हैं।

विदेशी संपत्ति मामले में बड़ा खुलासा, हवाला के जरिए दुबई में खरीदी गई करोड़ों की प्रॉपर्टी

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली में छापेमारी की है। जांच में सामने आया है कि कुछ हाई नेटवर्थ व्यक्तियों ने कथित तौर पर हवाला के द्वारा से अवैध रूप से पैसा विदेश भेजकर दुबई में करोड़ों रुपये की अंचल संपत्तियां खरीदीं। यह कार्रवाई खुफिया इनपुट के आधार पर की गई, जिसमें एक संगठित नेटवर्क के जरिए विदेशी निवेश की जानकारी मिली थी। ईडी की जांच में सामने आई कि दिल्ली निवासी कपिल अग्रवाल और संगीता अग्रवाल ने दुबई में कुल 10 अचल संपत्तियां खरीदी हैं। इन संपत्तियों की अनुमानित कीमत करीब 34.14 करोड़ रुपये बताई जा रही है, जो करीब 1,94,03,975 दिरहम के बराबर है।

कर्नाटक में फिर शुरु नाटक...

सिद्धारमैया और डीके गुट के अलावा बन रहे नए गुट

बेंगलुरु। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के गुटों के बीच तानातनी करीब एक साल से चल रही है। जहां शिवकुमार गुट का कहना है कि सिद्धारमैया ने सीएम बनने से पहले आधे कार्यकाल को लेकर वादा किया था और बाद में वह कुर्सी छोड़ने वाले थे। लेकिन सिद्धारमैया गुट इस बात से साफ इंकार कर रहा है। कर्नाटक का ये सियासी नाटक हाईकमान तक भी पहुंच चुका है और कई बार हालात संभालने के प्रयास हो चुके हैं। यही नहीं कई बार ऐसी चर्चाएं भी छिड़ी हैं कि सिद्धारमैया अपने किसी करीबी नेता को मुख्यमंत्री बनाकर हट सकते हैं। इस बीच कांग्रेस में सत्ता के लिए तीसरा मोर्चा खुलता दिख रहा है।

बेंगलुरु में एससी, एसटी और लिंगायत समुदाय के विधायकों की बैठकें हुई हैं। इन लोगों की इच्छा है कि उनके समुदाय के किसी नेता को सीएम का पद मिले या फिर कैबिनेट में फेरबदल कर ज्यादा से ज्यादा मंत्री पद मिल जाएं। लिंगायत विधायकों की बैठक उद्योग मंत्री एमबी पाटिल के नेतृत्व में हुई। इसके अलावा एससी-एसटी वर्ग के विधायकों की बैठक गृहमंत्री जी. परमेश्वर के घर पर मंगलवार शाम को हुई। नवंबर और दिसंबर में सिद्धारमैया एवं शिवकुमार गुट के बीच कई बैठकें हुई थीं। तब से फिलहाल स्थिति जस की तस थी, लेकिन विधायकों की फिर से शुरू हुई बैठकों ने हलचल मचा दी है।

कुछ सूत्रों का कहना है कि ये मीटिंगें इसलिए हुई हैं ताकि अपने समुदाय की ताकत दिखाकर हाईकमान को दबाव में ला सके। वहीं कांग्रेस के ही कुछ सूत्रों का कहना है कि पाटिल और जी. परमेश्वर दोनों ही सिद्धारमैया गुट के ही हैं। ऐसी स्थिति में यह बैठकें शायद शिवकुमार गुट को जवाब के तौर पर भी हो सकती हैं ताकि उनके दबाव को कम किया जा सके। दरअसल शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय के नेता हैं, जो राज्य की दूसरी सबसे बड़ी आबादी है। लेकिन सबसे बड़ी संख्या लिंगायतों की है और एक समूह के तौर पर देखा जाए, तब एससी और एसटी समुदाय की भी अच्छी संख्या है। इसके बाद इन दोनों वर्गों के विधायकों की बैठकें करके शिवकुमार को बैकफुट पर लाने की कोशिश है।

मंत्री पाटिल ने कहा कि हमारी यह बैठक किसी मकसद से नहीं थी बल्कि रूटीन बैठक थी। उन्होंने कहा कि इस बैठक का मतलब सत्ता परिवर्तन या फिर पर्सनल एजेंडा नहीं था। उन्होंने कहा कि लिंगायत तो राज्य का सबसे बड़ा वर्ग हैं। उनके 34 विधायक हैं। विधायकों का कहना था कि सरकार में लिंगायत समुदाय को उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। चर्चाएं ये भी हैं कि सिद्धारमैया खुद हटने की स्थिति में अपने किसी करीबी को कमान देना चाहते हैं।

पांच बॉलीवुड हस्तियों को आए जबरन वसूली के कॉल

मुंबई,। कम से कम पांच बॉलीवुड हस्तियों को भगोड़े गैंगस्टर शुभम लोणकर के साथियों से जबरन वसूली के कॉल आए हैं, जो जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई के लिए काम कर रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पीड़ितों में से किसी ने भी औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। रविवार तड़के फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के बंगले पर हुई फायरिंग की घटना की जांच कर रही पुलिस ने कहा कि उनके द्वारा जुटाई गई जानकारी से पता चलता है कि कुछ हस्तियां पुलिस से संपर्क करने को इच्छुक नहीं थीं। शेट्टी को ही खास तौर पर निशाना क्यों बनाया गया, इसका कोई कारण सामने नहीं आने पर, जांचकर्ताओं का मानना ??है कि इस घटना का मकसद फिल्म इंडस्ट्री में डर पैदा करना हो सकता है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि गैंगस्टर शुभम लोणकर ने कम से कम पांच बॉलीवुड हस्तियों को जबरन वसूली के कॉल किए हैं, हालांकि उनमें से कोई भी शिकायत दर्ज कराने को तैयार नहीं है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, जो बात हमें हैरान करती है, वह यह है कि कई धमकी भरे कॉल के खुफिया इनपुट के बावजूद, कोई भी बयान दर्ज कराने या शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे नहीं आया है। अगर लोग तथ्यों को छिपाते हुए पुलिस से खुद ही कार्रवाई करने की उम्मीद करते हैं, तो यह बहुत मुश्किल हो जाता है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी ने खुद धमकी भरे कॉल मिलने से इनकार किया है। यह लॉरेंस बिश्नोई के सहयोगी लोणकर से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट को गलत साबित करता है, जिसमें उसने फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी और आरोप लगाया था कि शेट्टी को बार-बार चेतावनी दी गई थी। हिंदी और अंग्रेजी में लिखे लोणकर के पोस्ट में कहा गया था- राम राम, जय बजरंग बली, सभी भाइयों को। हम, शुभम लोणकर, आरजू बिश्नोई, हरि बॉक्सर और हरमन संधू, आज मुंबई में फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर (शेट्टी टॉवर) पर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी लेते हैं। इसमें कहा गया था- हमने उसे कई बार मैसेज करके कहा था कि हमारे काम में दखल न दे, लेकिन वह नहीं समझा। हमने उसे यह छोटा सा ट्रेलर दिया है। अगर वह हमारा मैसेज नहीं समझता और हमारी बात नहीं सुनता, तो अगली गोली उसके घर के बाहर नहीं, बल्कि उसके बेडरूम में, सीधे उसकी छाती में मारी जाएगी। और यह पूरी बॉलीवुड इंडस्ट्री के लिए एक चेतावनी है, अभी भी समय है, अपनी आदतें सुधार लो, वरना तुम्हारी हालत बहुत खराब होगी। फायरिंग में शामिल शूटर का पता लगाने के लिए अब देश के कई हिस्सों में पुलिस की कई टीमें भेजी गई हैं। जांचकर्ताओं का मानना ??है कि बंदूकधारी की गिरफ्तारी से यह पता लगाने में मदद मिल सकती है कि हमले का आदेश किसने दिया था और क्या यह सच में रंगदारी मांगने से जुड़ा था।इस स्टेज पर, रंगदारी ही एकमात्र संभावित मकसद लग रहा है, एक पुलिस अधिकारी ने कहा, साथ ही यह भी कहा कि दूसरे एंगल को भी खारिज नहीं किया गया है। अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग में, गैंग ने दावा किया कि वे एक काले हिरण की हत्या का बदला ले रहे थे, जिसे बिश्नोई समुदाय पवित्र मानता है। दूसरी ओर, स्टैंडअप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर अपने एक शो के दौरान समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाई थी। बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद, गैंग ने आरोप लगाया था कि वह सलमान खान के करीबी थे और दाऊद इब्राहिम से भी उनके संबंध थे। उन्होंने पुलिस हिरासत में अपने साथी अनुज थापन की मौत का बदला लेने का भी दावा किया। थापन को सलमान खान के घर पर फायरिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

यूपीएससी सेवा में रहते हुए नहीं दे सकेंगे अब बार-बार परीक्षा, रैंक सुधारने का सिर्फ एक अवसर मिलेगा

नई दिल्ली। संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा-2026 का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस बार कुल 933 पदों के लिए भर्ती की जाएगी। आवेदन की अंतिम तिथि 24 फरवरी तय की गई है। नोटिफिकेशन के साथ ही आयोग ने परीक्षा प्रक्रिया और सेवा नियमों में कई अहम बदलाव किए हैं, जिनका असर लाखों अभ्यर्थियों पर पड़ेगा।

यूपीएससी ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्रों पर अब फेस ऑथेंटिकेशन के बाद ही प्रवेश मिलेगा। इसके साथ ही सबसे बड़ा बदलाव चयन के बाद दोबारा परीक्षा देने से जुड़े नियमों में किया गया है। अब सेवा में रहते हुए बार-बार सिविल सेवा परीक्षा देने की सुविधा पहले जैसी नहीं रहेगी। यह नए नियम 2026 से लागू होंगे।

आयोग के अनुसार, आईएएस और आईएफएस से जुड़े पुराने नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन अन्य सेवाओं, खासकर ग्रुप-ए और आईपीएस के लिए रैंक सुधारने का मौका सीमित कर दिया गया है। नए प्रावधानों के तहत चयनित अधिकारी को सिर्फ एक बार परफॉर्मेंस बेहतर करने का अवसर मिलेगा। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी अभ्यर्थी का 2026 में आईपीएस में चयन होता है, तो वह 2027 में रैंक सुधारने के लिए दोबारा परीक्षा दे सकता है। हालांकि इसके बाद अगर वह फिर से परीक्षा देना चाहता है, तो उसे सेवा से इस्तीफा देना अनिवार्य होगा। यानी सेवा में रहते हुए बार-बार परीक्षा देने का रास्ता पूरी तरह बंद कर दिया गया है।

इसके अलावा, जो उम्मीदवार पहले से आईपीएस में चयनित या नियुक्त हैं, वे सीएसई-2026 से दोबारा आईपीएस नहीं पा सकेंगे। वहीं, प्रीलिम्स के बाद लेकिन मेन्स से पहले यदि किसी अभ्यर्थी का आईएएस या आईएफएस में चयन हो जाता है, तो उसे मेन्स परीक्षा लिखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यूपीएससी ने यह भी स्पष्ट किया है कि सीएसई-2026 में चयनित उम्मीदवार अगर सीएसई-2027 में रैंक सुधारना चाहते हैं, तो इसके लिए अनुमति लेनी होगी। यह छूट केवल फाउंडेशन कोर्स तक सीमित रहेगी और इसे 卐वन-टाइम एक्जेम्पशन卐 माना जाएगा। यदि उम्मीदवार न तो ट्रेनिंग जॉइन करता है और न ही यह छूट लेता है, तो सीएसई-2026 और सीएसई-2027 दोनों के आधार पर मिली सेवा स्वतः रद्द हो जाएगी। सीएसई-2028 या उसके बाद परीक्षा देने के लिए इस्तीफा देना अनिवार्य होगा। गौरतलब है कि हर साल 10 लाख से अधिक अभ्यर्थी सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होते हैं। 2025 में करीब 10 लाख आवेदन आए थे, जिनमें से 14,161 अभ्यर्थी मेन्स तक पहुंचे और 979 पदों पर अंतिम चयन हुआ।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी का चेयरमैन जवाद अहमद गिरफ्तार

फरीदाबाद। फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। सूत्रों की माने तो पुलिस सिद्दीक से यूनिवर्सिटी के प्रशासन, वित्तीय लेन-देन और अन्य गतिविधियों से जुड़े कई अहम बिंदुओं पर पूछताछ करेगी। क्राइम ब्रांच ने निजी विश्वविद्यालय के संचालन से जुड़े कथित अनियमितताओं और फर्जीवाड़े के आरोपों में यूजीसी की शिकायत पर 2 मामले दर्ज किए थे। जिसमें दिल्ली पुलिस ने यह कार्रवाई की। बता दें कि आतंकी गतिविधियों में अल फलाह के डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद यूनिवर्सिटी निशाने पर आई थी।

बैहर टीआई को सीबीआई अफसर बनकर डिजिटल अरेस्ट की कोशिश

हैलो, मैं CBI अफसर बोल रहा हूं, तुम्हारे फोन पर अश्लील कंटेंट-पोर्न फिल्म देखी जाने की शिकायत मिली है!!

पद्मेश विशेष।
पद्मेश न्यूज़। बालाघाट।

फोन पर पोर्न फिल्म और अश्लील सामग्री देखे जाने की शिकायत का हवाला देते हुए साइबर ठगी का प्रयास कर रहे हैं। ठग सीबीआई अफसर बनकर फोन कर रहे हैं! बालाघाट जिले में बैहर के थाना प्रभारी को ऐसा ही एक कॉल आया था, उन्हें जब डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाया गया तो उन्होंने खुद को सीबीआई अफसर बताकर ठगी करने वालों को बातों में उलझाकर ज्यादा जानकारी निकालने का प्रयास किया, तो सामने से फोन कट कर दिया गया।

साइबर ठगों ने बालाघाट जिले में एक थाना प्रभारी को इसी तरह फोन कर डिजिटल अरेस्ट कर ठगने का प्रयास किया था, टीआई ने जब ठगों से ज्यादा जानकारी निकालने का प्रयास किया, तो सामने से फोन कट गया...

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार जिले में साइबर ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें बदमाशों ने इस बार आम नागरिक नहीं, बल्कि खुद एक थाना प्रभारी को निशाना बनाने की कोशिश की। बैहर थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले को फोन कर खुद को सीबीआई अधिकारी बताने वाले ठग ने झूठे आरोपों के नाम पर डराने और वसूली की भूमिका बनाने की कोशिश की।

आप पर शिकायत है कहकर बनाया दबाव

इस सन्दर्भ में टीआई मर्सकोले के अनुसार, गुरुवार को उन्हें टू-कॉलर पर दोस्त नाम से सेव एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताते हुए कहा कि उनके खिलाफ फोन पर अश्लील सामग्री देखने की शिकायत मिली है। इसके बाद कॉलर ने कानूनी कार्रवाई और बदनामी की धमकी देकर मानसिक दबाव बनाने की कोशिश की।

बातचीत बढ़ी तो कॉल काटकर फरार

इस तरह करीब दो मिनट चली इस बातचीत के दौरान थाना प्रभारी ने कॉलर से अधिक जानकारी निकालने की कोशिश की। जैसे ही उन्होंने कहा कि वे इस बारे में अपने परिचितों को भी जानकारी देंगे, कॉलर ने तुरंत फोन काट दिया। इससे स्पष्ट हो गया कि मामला साइबर ठगी का प्रयास था।

तत्काल 1930 पर की शिकायत

इस बेहद चौंकाने वाली घटना के तुरंत बाद टीआई मर्सकोले ने राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद संबंधित मोबाइल नंबर को ब्लॉक करा दिया गया है और साइबर सेल मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस की अपील डरें नहीं- रिपोर्ट करें

इस सन्दर्भ में पदमेश न्यूज से बात करते हुए बैहर थाना प्रभारी ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति खुद को किसी जांच एजेंसी या अधिकारी बताकर फोन पर डराने या पैसे की मांग करने की कोशिश करे, तो घबराएँ नहीं। किसी भी अनजान कॉल या लिंक पर भरोसा न करें और निजी निजी जानकारी साझा न करें।

तुरंत 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं

नजदीकी पुलिस थाने या साइबर नोडल थाने को सूचित करें। पुलिस का कहना है कि साइबर ठग अब लोगों को शर्मिंदगी या कानूनी डर दिखाकर फँसाने की रणनीति अपना रहे हैं, इसलिए जागरूक रहना ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।

वाहन चेकिंग के दौरान 6.060 किलो ग्राम गांजा की तस्करी करते पकड़ाया तस्कर

नवेगांव पुलिस ने गांजा तस्कर को किया गिरफ्तार, दूसरा आरोपी फरार, वेदप्रकाश सैनिक के पास से जप्त किया गया करीब ढाई लाख रु का गांजा , फरार आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज़। बालाघाट।

मादक पदार्थ गांजा पूर्ण रूप से प्रतिबंधित होने के बावजूद भी जिले में इसकी बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है।जहा गांजा का व्यापार करने वाले लोग गुपचुप तरीके से इसे खरीदकर ऊंचे दामो में उसकी बिक्री कर रहे हैं। हालांकि पुलिस द्वारा समय-समय पर गांजा के इस अवैध व्यापार में लिप्त अपराधियों पर कार्यवाही की जा रही है लेकिन अब भी जिले में इसका व्यापार जमकर फल फूल रहा है। इसी कड़ी में ग्रामीण थाना नवेगांव पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करते एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने करीब 6.060 किलो ग्राम गांजा जप्त किया है। जिसकी अनुमानित कीमत करीब ढाई लाख रुपए बताई गई है। गांजा तस्करी के आरोप में पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी का नाम थाना वारासिवनी ग्राम कायदी निवासी 34 वर्षीय नेतराम सैनिक बताया गया है।जबकि इस अवैध गांजा की तस्करी में लिप्त आरोपी नेतराम का एक अन्य साथी आरोपी मौके से फरार हो गया।जिसकी तलाश नवेगांव पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है।

वाहन जांच के दौरान हुआ खुलासा

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 04 फरवरी 2026 की शाम करीब 07 बजे, थाना नवेगांव पुलिस द्वारा विद्यागांव-भमोड़ी मार्ग पर नियमित वाहन जांच की जा रही थी। इसी दौरान एक काले रंग की बिना नंबर की मोटरसाइकिल को संदिग्ध अवस्था में रोकने का प्रयास किया गया।जहा पुलिस को देखकर मोटरसाइकिल चालक वाहन मोड़कर भागने लगा।इसी बीच पीछे बैठा व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर फरार हो गया, जबकि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मोटरसाइकिल चालक को घेराबंदी कर मौके पर ही पकड़ लिया। जिसके पास से पुलिस ने करीब ढाई लाख रुपए कीमत का गांजा जप्त कर आरोपी खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत कार्यवाही कर मामले को जांच में लिया है

बैग में छुपाकर गांजा की तस्करी कर रहा था आरोपी

बताया गया कि वाहन चेकिंग के दौरान पकड़े गए आरोपी से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम वेदप्रकाश सैनिक, निवासी ग्राम कायदी, थाना वारासिवनी, जिला बालाघाट बताया। विधिवत तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक बैग में रखा लगभग 6.060 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया। जब्त किए गए गांजे की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 50 हजार रुपये बताई जा रही है।इसके साथ ही पुलिस ने घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल को भी अपने कब्जे में ले लिया है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। वहीं, मौके से फरार हुए दूसरे आरोपी की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी नवेगांव उप निरीक्षक अमित अग्रवाल, सहायक उप निरीक्षक प्रभुदयाल, प्रधान आरक्षक 1007 कृष्णा पटले, प्रधान आरक्षक 08 मनीष ब्रम्हे, प्रधान आरक्षक 913 उमेश हरदे, प्रधान आरक्षक पदम, प्रधान आरक्षक 969 गजेंद्र पटले, आरक्षक 1284 दिलीप, आरक्षक 1508 राजाबाबू, आरक्षक 1125 शैलेष तेलंग, आरक्षक प्रदीप, आरक्षक धीरज एवं आरक्षक नीरज की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान जारी

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाया जा रहा अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और इस तरह के अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कटंगी तहसील कार्यालय के तत्कालीन रीडर ईश्वरदयाल राणा को कारण बताओ नोटिस

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने न्यायालय तहसीलदार कटंगी के तत्कालीन रीडर एवं वर्तमान में लामता तहसील कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 ईश्वरदयाल राणा द्वारा ग्राम जराहमोहगांव के हरलाल डहरवाल के पैतृक संपत्ति संबंधित रिकार्ड सुधार के लिए प्रस्तुत आवेदन को आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज नही करने एवं एक वर्ष तक इस प्रकरण की पेशी नहीं लगाने पर उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए। रीडर ईश्वरदयाल राणा को 03 दिनों के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीरकरण प्रस्तुत करने कहा गया है। समय सीमा में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी। जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार रहेंगें। कटंगी तहसील के ग्राम जराहमोहगांव निवासी हरलाल डहरवाल द्वारा जमीन के रिकार्ड सुधार संबंधी आवेदन कटंगी एसडीएम कार्यालय में प्रस्तुत किया गया था। एसडीएम कार्यालय कटंगी द्वारा 31 जुलाई 2024 को प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए यह प्रकरण तहसीलदार कटंगी को भेजा गया था। तहसीलदार न्यायालय के तत्कालीन रीडर ईश्वरदयाल राणा द्वारा इस प्रकरण को सबसे पहले आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज करना था। लेकिन उनके द्वारा इस प्रकरण को आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज नहीं कराया गया और अनावश्यक लंबित रखा गया तथा एक वर्ष तक प्रकरण में पेशी नहीं लगाई गई। 03 फरवरी 2026 को कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा सीएम हेल्पलाईन के लंबित प्रकरणों की समक्ष में सुनवाई के दौरान पाये गये तथ्यों को देखते हुए कटंगी तहसीलदार के तत्कालीन रीडर एवं वर्तमान में लामता तहसील कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 ईश्वरदयाल राणा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है कि क्यों न न्यायालयीन प्रकरण में उनके द्वारा बरती गई गंभीर लापरवाही के लिए उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाये। सहायक ग्रेड-3 श्री राणा को तीन दिनों के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है। समय सीमा में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी।

बोर्ड पैटर्न पर होगी कक्षा 5वीं, 8वीं की परीक्षा

शिक्षण सत्र 2025-26 की परीक्षा 20 फरवरी से होगी शुरू

शासकीय, अशासकीय और मदरसा स्कूलों के विद्यार्थी होंगे परीक्षा में शामिल

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट।

प्रदेश में शिक्षण सत्र 2025-26 की कक्षा 5वीं एवं 8वीं की परीक्षा बोर्ड पैटर्न पर होगी। परीक्षा 20 फरवरी से शुरू होगी और 28 फरवरी तक चलेगी। परीक्षा के लिए प्रदेश भर में 12 हजार 920 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। इन परीक्षा केंद्रों पर लगभग 25 लाख विद्यार्थी परीक्षा देंगे। राज्य शिक्षा केंद्र ने मंगलवार को इस संबंध में दिशा निर्देश भी जारी कर दिए हैं। राज्य शिक्षा केन्द्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया कि परीक्षा केन्द्रों पर विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन परीक्षाओं में शासकीय विद्यालयों के साथ-साथ निजी स्कूलों एवं मदरसों के विद्यार्थी भी शामिल होंगे। इस वर्ष 1 लाख 10 हजार 615 शासकीय, निजी शालाओं एवं मदरसों के लगभग 24 लाख 90 हजार विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इसकमें से 522 निजी विद्यालयों के 20 हजार 736 विद्यार्थियों के लिए एनसीईआरटी पाठ्यक्रम के अनुसार भाषा विषय के पृथक प्रश्न पत्र तैयार किए गए हैं। अन्य विषयों के प्रश्न पत्र राज्य द्वारा निर्धारित पाठ्यपुस्तकों के आधार पर बनाए गए हैं।

पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों का सत्यापन

परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए स्कू ल शिक्षा विभाग द्वारा एक विशेष पहल की गई है। विशेष आईटी पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल से विद्यार्थियों का सत्यापन, परीक्षा केन्द्रों का निर्धारण, केन्द्राध्यक्षों की मैपिंग, सामग्री वितरण, रोल नंबर एवं प्रवेश पत्र जारी करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही उपस्थिति दर्ज करने, मूल्यांकन कार्य एवं अंकसूची जारी करने की व्यवस्था भी इसी पोर्टल से की जाएगी।

प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को मिलेगा परीक्षा देने का अवसर

संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया कि प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया जाएगा। कोई विद्यार्थी यदि किसी कारणवश परीक्षा तिथि तक पंजीकृत नहीं हो पाया है, तो उसे भी परीक्षा में शामिल करने के निर्देश केन्द्राध्यक्षों को दिए गए हैं। ऐसे विद्यार्थियों की तकनीकी जानकारी परीक्षा उपरांत दर्ज की जाएगी। परीक्षा में 86 हजार 109 शासकीय शालाओं, 23 हजार 980 अशासकीय शालाओं एवं 525 मदरसों के विद्यार्थी भाग लेंगे।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेढापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

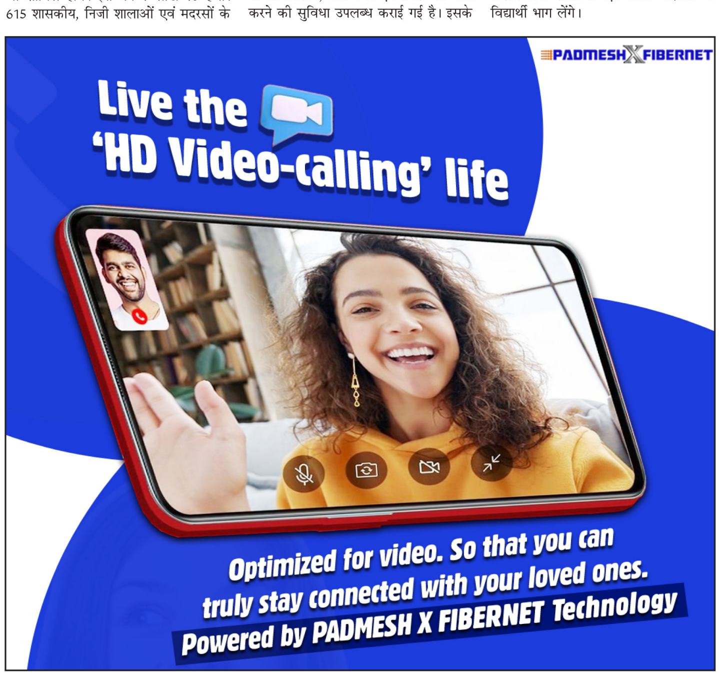

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शाडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट